ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

कांग्रेस का कदम देश की सुरक्षा के लिए खतरा: आर अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 14 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-104

भारत के मुख्य न्यायाधीश का महत्वपूर्ण वक्तव्य

सम्पन्न लोगों के हित साधता है हमारा कानून

सामान्य लोगों के साथ कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होता है

भारत सिंगापुर की शीर्ष अदालतों का दो दिवसीय सम्मेलन

कानून के क्षेत्र में बदलाव करने और अपनाने का समय है

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि बदले हुए समय में कानून में भी बदलाव करने और बदलाव को अपनाने का समय है। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने यह माना कि देश में संसाधनों की कमी वाले लोगों के साथ कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होता है, जबकि हमारा कानून साधन सम्पन्न लोगों के हितों की रक्षा और सेवा में लगा रहता है। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है। चंद्रचूड़ ने कहा कि न्याय प्रणाली में शामिल न्यायाधीशों के जीवन अनुभव यही हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश का यह महत्व-पूर्ण वक्तव्य भारत और सिंगापुर की शीर्ष अदालतों के बीच संवाद और प्रौद्योगिकी के विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में जारी हुआ। 13 और 14 अप्रैल को हो रहे इस सम्मेलन का आयोजन भी सुप्रीम कोर्ट ही कर रहा है। सम्मेलन में उपस्थित दोनों देशों के शीर्ष न्यायाधीशों ने न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की परिवर्तनकारी भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि एआई के दौर में अप्रत्यक्ष भेदभाव दो महत्वपूर्ण चरणों में सामने आ सकता है। सबसे पहले, प्रशिक्षण चरण के दौरान अधूरे या गलत डाटा पक्षपातपूर्ण परिणाम दे सकते हैं। वहीं, डाटा प्रोसेसिंग के दौरान भेदभाव हो सकता है।

चंद्रचूड़ ने कहा कि कानूनी क्षेत्र में एआई को अपनाने से उन्नत तकनीक तक पहुंच वाले लोगों के पक्ष में असमानता बढ़ सकती है, लेकिन यह मौजूदा ढांचे को बाधित करते हुए नए खिलाड़ियों और सेवाओं के लिए द्वार भी खोलता है। यही कारण है कि पारिस्थितिकी तंत्र परियोजना में हम तेजी से खुले एपीआई की ओर रुख कर रहे हैं ताकि हम अपने डाटा को स्टार्टअप और नए उद्यमों को उजागर कर सकें जो कानूनी प्रणाली में दक्षता प्रदान करने के लिए उस डाटा का उपयोग करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यहां हाइब्रिड मोड को अपनाना देश के न्यायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाता है, जिसके न्याय और कानूनी पेशे तक पहुंच के दूरगामी प्रभाव हैं। कानून के क्षेत्र में, यह एआई के लिए न्याय वितरण में तेजी लाने और सुव्यवस्थित करने की क्षमता का अनुवाद करता है। यथास्थिति बनाए रखने का मकसद हमारे पीछे है। यह हमारे पेशे के भीतर बदलाव को अपनाने और यह पता लगाने का समय है कि हम प्रौद्योगिकी की प्रसंस्करण शक्ति का पूरी तरह से उपयोग कैसे कर सकते हैं।

चंद्रचूड़ ने कहा कि एआई के दौर में अप्रत्यक्ष भेदभाव दो महत्वपूर्ण चरणों में सामने आ सकता है। सबसे पहले, प्रशिक्षण चरण के दौरान जहां अधूरे या गलत डाटा पक्षपातपूर्ण परिणाम दे सकते हैं।

आतंकवादियों के सफाये पर साफ-साफ बोले विदेश मंत्री

जब आतंकी नियम नहीं मानते तो हम क्यों मानें?

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ-साफ कहा कि आतंकवादी अगर कोई नियम नहीं मानते तो उन्हें खत्म करने के लिए हमें भी नियम नहीं मानना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा, आतंकवादी सोचते हैं कि वे सीमा पार हैं इसलिए वे किसी नियम को नहीं मानेंगे।

ऐसे आतंकवादियों का सफाया करने के लिए भारत भी किसी नियम को नहीं मानेगा। जयशंकर ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है और आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत का पड़ोसी देश है, इसलिए उसकी हरकतों पर अंकुश रखना केवल हमारी ही जिम्मेदारी है।

आतंकवाद से लेकर विदेश नीति में हुए बदलाव पर जयशंकर पुणे में युवाओं से बातचीत कर रहे थे।

अपने संबोधन में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि 1947 में पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण किया और भारतीय सेना ने उनका डटकर मुकाबला किया और राज्य का एकीकरण हुआ। उन्होंने कहा कि जब भारतीय सेना अपनी कार्रवाई कर रही थी, हम अचानक रुक गए और खुद ही संयुक्त राष्ट्र में चले गए। यह हमारी विदेश नीति की भीषण खामी थी। आतंकवाद को लेकर

2014 से बदल गई है भारत की विदेश नीति

अब 'इस हाथ दे तो उस हाथ ले' की नीति है

पड़ोसी की हरकतों पर काबू रखना हमारा काम

पहले नीतियां पूरी तरह से अलग थीं, अब पूरी तरह से अलग हैं।

जयशंकर ने दो टूक कहा कि आतंकवाद किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। देश की विदेश नीति के बदलाव के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, मेरा जवाब है कि देश की विदेश नीति में 50 फीसदी बदलाव है।

उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं होगा जिसने महसूस नहीं किया होगा कि हमें माकूल जवाब देना चाहिए। जयशंकर ने कहा, आतंकवादियों को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वे सीमा पार हैं, इसलिए उन्हें कोई छू नहीं सकता। मैं आपको बता दूं, आतंकवादी किसी भी नियम से नहीं चलते, इसलिए हमारा मानना है कि आतंकवादियों को जवाब देने के लिए भी कोई नियम नहीं हो सकता। विदेश मंत्री ने कहा कि एक आदर्श राजनयिक पहले अपने स्वामी और देश का पक्ष प्रस्तुत करता है।

इस दौरान वातावरण कभी-कभी अनुकूल होता है तो कभी नकारात्मक भी हो जाता है। दबाव के दौरान दूसरे देशों में अपना पक्ष कैसे रखें, यही कूटनीति का सर्वोपरि बिंदु है। रामायण में भगवान बजरंगबली लंका गए थे, उन्होंने वहां चुनौती भरी परिस्थिति में भी भगवान राम का पक्ष मजबूती से रखा। इसलिए हनुमान आदर्श दूत हैं और इसीलिए आज भी प्रासंगिक हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने इंडी गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं की करतूतें गिनाईं

आधे नेता जेल में आधे जमानत पर

गोंदिया, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को विपक्षी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षियों को भ्रष्टाचारी बताते हुए कहा विपक्षी गठबंधन के आधे नेता जेल में और आधे जमानत पर बाहर हैं।महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए

भ्रष्टाचारियों और परिवारवादियों का गठबंधन

नड्डा ने कहा, एक तरफ पीएम मोदी भ्रष्टाचारियों को सजा देने की बात करते हैं। वहीं, इंडी गठबंधन का कहना है कि भ्रष्टाचारियों को बचाया जाना चाहिए। अब आपको चुनना है कि भ्रष्टाचारियों को बचाना है या उन्हें सजा मिलनी चाहिए। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पी चिदंबरम, लालू यादव और उनके दोनों बेटे क्या ये सब जमानत पर नहीं हैं? अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन क्या ये सब जेल में नहीं हैं? आधे जमानत पर हैं, आधे जेल में हैं। जेपी नड्डा ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को रेखांकित करते हुए कहा, कांग्रेस ने कोयला घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, चावल, चीनी, 2-जी/3-जी घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला समेत घोटाला दर घोटाला किया। अखिलेश यादव ने लैपटॉप घोटाला और गोमती रिवर फ्रंट में भ्रष्टाचार किया।

आपा भ्रष्टाचार के दलदल में धंस गई है

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था, लेकिन आज यह पार्टी खुद ही भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है। हमारे दो-दो मंत्री जेल में हैं। हमारे मुख्यमंत्री भी जेल में हैं। सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। मैं नहीं समझता हूं कि हमारे पास अब सरकार में रहने का कोई नैतिक बल रह गया है। आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद ने यह बात कही।

राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है। इसमें आनंद ने केजरीवाल को अपने इस्तीफे के बारे में बताया।

ब्रिटेन ने पाकिस्तान समेत 24 देशों की यात्रा से मना किया

बेहद खतरनाक देशों में पाकिस्तान शुमार

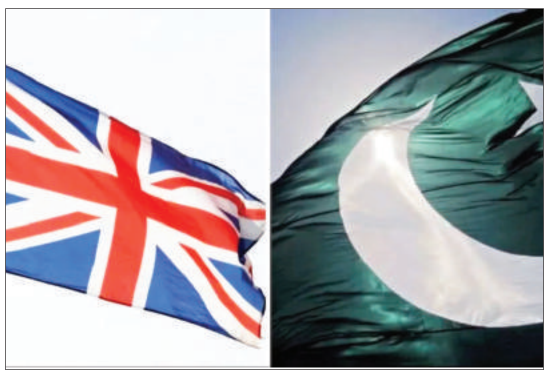

लंदन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने पाकिस्तान को अत्यंत खतरनाक देशों की लिस्ट में शामिल किया है। यह एक्शन ब्रिटेन के राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस एफसीडीओ) ने लिया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने भी एक रेड लिस्ट जारी की है, जिसमें शामिल देशों में जब

आंतरिक विध्वंस की हालत में पाकिस्तान

तक बिल्कुल आवश्यक न हो यात्रा से बचना चाहिए। इस सूची में पाकिस्तान शामिल है।

पाकिस्तान को लेकर खुद पाकिस्तान के ही मीडिया संस्थान दि डॉन ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान में 2023 में 789 आतंकी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हिंसा से संबंधित 1,524 मौतें हुईं और 1,463 लोग घायल हुए। ये वहां 6 साल में 2018 के बाद सबसे अधिक हिंसा है। खास बात यह है कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत हिंसा के मुख्य केंद्र बिंदु के रूप में उभरे, जिनमें कुल मौतों में से 90 प्रतिशत से अधिक और 84 प्रतिशत हमलों में आतंकवाद से लेकर सुरक्षा बल के संचालन तक की घटनाएं शामिल थीं। इसके अलावा, सांप्रदायिक हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई। 2023 के दौरान, धार्मिक समुदायों और उनके पूजा स्थलों को निशाना बनाने वाले आतंकवादी कृत्यों के कारण 203 लोगों की मौत हुई थी।

खालिस्तानी आतंकी प्रभप्रीत गिरफ्तार

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने दुर्दांत खालिस्तानी आतंकी प्रभप्रीत सिंह सिद्धू को दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया। प्रभप्रीत के जर्मनी से भारत आने का सुराग मिलने पर उसकी गिरफ्तारी का जाल बिछाया गया था। प्रभप्रीत के पकड़े जाने से आतंकवादियों की भर्ती, उनकी फंडिंग, हथियारों की सप्लाई और सहायता करने वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की।

एसएसओसी अमृतसर को गुप्त सूचना मिली थी कि खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स का आतंकवादी जगदीश सिंह भूरा पंजाब में कुछ शख्सियतों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की घोषणा

चुनाव बाद असम में बहु-विवाह पर लगेगा प्रतिबंध

गुवाहाटी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि चुनाव के बाद असम में न सिर्फ बहुविवाह प्रथा पर प्रतिबंध लगेगा बल्कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी लागू होगा। सरमा ने साफ कहा कि मदरसा शिक्षा से मुसलमानों का भला नहीं होगा। मुस्लिम बेटे-बेटियों को डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक बनाने की राह दिखानी होगी। उनकी तरक्की के सारे रास्ते बंद हो जाएं, ऐसी शिक्षा नहीं चाहिए।

हिमंत बिस्व सरमा ने ध्रुवीकरण पर कहा, सामने वाला ऐसा करता है, तो हमें भी करना पड़ता है। उन्होंने मुस्लिमों से वोट नहीं मांगने के सवाल पर कहा, किससे वोट मांगना है, किससे नहीं, यह मेरा लोकतांत्रिक अधिकार है। मैं जब जानता हूं कि एक विशेष वर्ग वोट नहीं देगा, तो वहां जाकर वक्त बर्बाद क्यों करना।

पीएम मोदी के 400 पार में पूर्वोत्तर राज्य के योगदान पर सीएम सरमा ने कहा, पूर्वोत्तर में 25 सीटे हैं। मेरा मानना है कि 22 सीटें एनडीए के पास

असम में भी जल्दी ही लागू होगा यूसीसी

जो वोट नहीं देंगे उनसे वोट मांगूं ही क्यों

आएंगी। इसमें से 15-16 भाजपा को मिलेंगी, बाकी गठबंधन को मिलेंगी। सरमा ने कहा, जिसमें निर्णय लेने की क्षमता हो, जिस व्यक्ति के पास नई दिशा हो, उसके साथ मिलकर काम करना होगा। पूर्वोत्तर भारत पर पीएम मोदी ध्यान दे रहे हैं। इसीलिए हम भाजपा में आए और यहां सरकार बनाई। राज्य में दो-दो बार सरकार बनाई, लोकसभा के दो चुनावों में हमारा अच्छा परिणाम रहा। अगर असम को देखें तो राज्य तरक्की के रास्ते पर निकल पड़ा है। 2014 के बाद यात्रा बहुत ही सफल रही है। तमाम अलगाववादी संगठनों ने हथियार डाले, चारों ओर विकास की गंगा बहने लगी। इससे हम बहुत ही संतुष्ट हैं। असम में हम वह करने में कामयाब रहे, जो जीवन में कभी सोचा भी नहीं था। इतनी शांति हो सकेगी, युवावस्था में भी नहीं सोचा था।

ध्रुवीकरण का रट्टा लगाने वालों को आड़े हाथों लेते हुए सीएम सरमा ने कहा, मेरे लिए असम में ध्रुवीकरण जरूरी है। इसलिए नहीं कि सत्ता में रहें, बल्कि हमारे असम में मूल निवासी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में बने रहें। हमारा अस्तित्व खतरे में न पड़े। इसके लिए, कभी-कभी हम लोगों को इस तरह के मामले उठाने पड़ते हैं। यह हमारी मजबूरी है। जब एक राज्य में 36 प्रतिशत लोग पलायन करके आते हैं और धीरे-धीरे आप अपने देश में ही अल्पसंख्यक बन जाते हैं। सामने वाला भी ध्रुवीकरण करता है, तो हमें भी ध्रुवीकरण करना पड़ता है। यूसीसी लागू करने की बात पर सरमा ने कहा, यूसीसी तो तैयार है, हम चुनाव के बाद बहुविवाह प्रथा पर प्रतिबंध लगाएंगे।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38^0

न्यूनतम : 26^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रमेश धोका अध्यक्ष, अरुण लुणावत महामंत्री बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर बाजारों में से एक एसपीरोड की बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के वार्षिक आम साधारण सभा में आगामी 2 वर्षों हेतु रमेश धोका को पुन: अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। साथ ही महामंत्री का दायित्व अरुण लुणावत, जो कर्नाटक भाजपा अल्पसंख्यक के मीडिया सह संचालक है, को सौंपा गया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि इस हेतु दोनों चुनाव अधिकारियों कमल सिंह दुग्गड़ और जी पी सिंह ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाजार में सभी को हिलमिल कर संगठन की प्रगति हेतु कार्य करना है। जिससे बाहर से आने वाले ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। अध्यक्ष पद की दावेदारी के लिए सभासदों ने रमेश धोका का नाम प्रस्तावित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में रमेश पालरेचा द्वारा मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष रमेश धोका ने पधारे हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया और पिछले कार्यकाल में सभी सदस्यों द्वारा प्राप्त सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। महामंत्री अरुण लुणावत ने पिछले दो वर्षों में हुए कार्यों का प्रतिवेदन सभा में प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष जयंतीलाल बोहरा ने पिछले कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और सभा ने ध्वनि मत से उसे पारित किया। टीम युवा शक्ति के जनसंपर्क अधिकारी ललित बड़ोला ने संस्था द्वारा मानव सेवा और जीव दया, चिकित्सा और साधर्मिक भक्ति के क्षेत्र में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष, महामंत्री के साथ उपाध्यक्ष विशाल वरंदानी, मदनलाल धोका, ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष जयंतीलाल बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कुमार जैन, संगठन मंत्री आलोक गंग, पूर्व अध्यक्ष महावीर पगारिया, सहमंत्री विजय आहुजा, नरपत राव, चुनाव अधिकारी कमल सिंह दुग्गड़ और जी पी सिंह का कार्यकारिणी की ओर से मोमेंटो द्वारा बहुमान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में सभी के प्रति उपाध्यक्ष विशाल वरन्दानी ने धन्यवाद आभार ज्ञापित किया।

निराश्रित कन्याओं में पुस्तक का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद के त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के तहत शुक्रवार प्रातः मानव सेवा के अंतर्गत कन्या आश्रय, फ्री बेसिक गर्ल्स होम, श्रीरामपुरम में नवीन हिंगड़ के सहयोग से वहां प्रवासित निराश्रित कन्याओं को पुस्तक वितरण एवं नाश्ता कराया गया। परिषद परिवार द्वारा सामुहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया गया। कन्या आश्रय की वार्डन रूपा ने बताया कि यहां पर अभी 95 बच्चियां प्रवासित है। कन्याओं ने नवीन के प्रति मंगलकामना संप्रेषित की गई। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंगड़ परिवार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप से कमलेश चौरडिया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी एवं हरीश पोरवाड़ की उपस्थिति रही।

कैफे विस्फोट के आतंकवादी की गिरफ्तारी का मामला

मुख्यमंत्री ने एनआईए और राज्य पुलिस की प्रशंसा की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में एनआईए टीम और कर्नाटक पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है। शहर में अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रामेश्वरम कैफे बम मामले के आरोपियों को कोलकाता से बेंगलूरु लाया जाएगा और फिर पूछताछ की जाएगी। उसके आधार पर आगे की जानकारी हासिल की जाएगी। उन्होंने राय जताई कि एनडीए को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा और बीजेपी के खिलाफ भारत गठबंधन को बहुमत मिलेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर लोगों को गुमराह करने की है। मोदी के रविवार को मैसूरु आगमन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा मुझे मोदी के आने से कोई दिक्कत नहीं है। राज्य की जनता को बताना चाहिए कि उन्होंने कर्नाटक के साथ क्या किया है।

उन्होंने उनसे जवाब मांगा कि उन्होंने अब तक बेरोजगारी, कर वितरण और सूखे से राहत क्यों नहीं दी। उन्होंने मोदी के इस बयान पर कि बीजेपी संविधान के पक्ष में है, जवाब देते हुए पूछा कि अनंतकुमार हेगड़े के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें पार्टी से निकाला गया। वह पांच साल तक बिना किसी काम के उत्तरी कर्नाटक में घर पर बैठे रहे। उन्होंने कहा कि पिछले 3-4 महीने में जो खबरें आ रही थीं कि वह आएंगे और हारेंगे, उस आधार पर उन्होंने अनंत कुमार को टिकट नहीं दिया। बीजेपी कभी भी संविधान के पक्ष में नहीं है। जब संविधान प्रख्यापित किया गया तो सावरकर और गोलवलकर ने कहा कि भारत के संविधान को मंजूरी दे दी गई है।

गणगौर उत्सव में शिव-पार्वती के विवाह की नृत्य प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए लोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि (कर्नाटका) टीम द्वारा हाल ही में जयनगर स्थित अग्रसेन भवन में गणगौर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक महिलाओं ने गणगौर माता की पूजा की और 400 से अधिक लोगों ने उत्सव का आनंद लिया। गणगौर कार्यक्रम में शिव-पार्वती के विवाह की नृत्य प्रस्तुति ने उप-स्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस दौरान पधारे सभी लोगों ने रंगारंग कार्यक्रम के साथ राजस्थानी पकवान का भी आनंद लिया। गणगौर उत्सव कार्यक्रम में पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम की गरिमा बढाने के लिए कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गणगौर कार्यक्रम में कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमाकांत सरीफ, सचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल, सह अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, महिला परिधि की अध्यक्षा माया अग्रवाल ने मिलकर दीप प्रज्वलन किया।

महिला परिधि की अध्यक्षा माया अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया और सलाहाकार मंजू अग्रवाल ने अतिथियों का विभिन्न कार्यक्रमों से मनोरंजन कराया। इस दौरान कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन संयोजक पूजा अग्रवाल, लता चौधरी, पल्लवी पौदार ने किया। ऑनलाइन प्रतियोगिता की जिम्मेदारी संयोजक रीतू अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, जया चौधरी, नेहा अग्रवाल ने संभाली। पंजीकरण का कार्यभार निर्मला गोयल, सविता गुप्ता और हेमलता अग्रवाल ने संभाला। कार्यक्रम के अंत में सचिव शालिनी अग्रवाल ने सभी का आभार जताया। महिला परिधि की पूरी टीम के सहयोग से गणगौर उत्सव का आयोजन सफल रहा।

कैंसर जांच कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कैंसर जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन में महिलाओं के लिए कैंसर जांच कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप का उद्घाटन नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए योजना की जानकारी प्रदान की। कैंप में रामैया मेमोरियल हॉस्पिटल से आई हुई डॉक्टर और स्टाफ की टीम ने कैंसर संबंधी विभिन्न जांच की। साथ में मोबाइल बस लाए जिसमें सभी उपकरण थे। मंडल द्वारा डॉक्टरों की टीम का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया एवं आभार ज्ञापन मंत्री दीपिका गोखरू ने किया। कार्यक्रम में परामर्शिका चंचल बाई मांडोत, निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली, उपाध्याक्ष सुमित्रा बरडिया, कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, सह मंत्री ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, कार्यकारिणी बहने एवं कन्या मंडल से संयोजिका ध्वनि गन्ना भी उपस्थित थी। लगभग 60 बहनों ने अपनी जांच करवाई।

बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामला : हमलावर, मास्टरमाइंड को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश ने बेंगलूरु कैफे बम विस्फोट मामले में संदिग्ध हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा को 10 दिन की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने शनिवार को गिरफ्तार हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और उसके साथी अब्दुल मथीन ताहा को बेंगलूरु के कोरमंगला इलाके में उनके आवास पर मजिस्ट्रेट अदालत के न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। एनआईए की ओर से वरिष्ठ वकील प्रसन्ना कुमार ने दलीलें दीं। एनआईए संदिग्ध आतंकियों को जांच के लिए अज्ञात स्थान पर ले गई थी। सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी सफलता थी। संदिग्ध आतंकवादियों का संबंध अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से था और उन्होंने देश के भीतर बम तैयार किए और स्थानीय युवाओं की मदद से विस्फोट किए। सूत्रों ने कहा कि एनआईए ने भारत में आतंकवादियों का एक नेटवर्क खड़ा करने की वैश्विक आतंकी संगठन आईएसआईएस और अन्य की बड़ी योजनाओं को विफल कर दिया है, जो विदेशी देशों के व्यक्तियों के भारत में प्रवेश किए बिना और उनकी मदद किए बिना विघटनकारी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।

शक्तिशाली हमलों को अंजाम देने में विशेषज्ञता हासिल करने से पहले एजेंसियां शुरुआती चरणों में विदेश स्थित आतंकी संगठनों के निर्देशों के अनुसार मुसाविर, ताहा और जेल से संचालित गिरोह को ट्रैक करने में सक्षम थीं। मास्टरमाइंड ताहा, एक इंजीनियरिंग स्नातक, ने कम तीव्रता वाले इम्प्रोवा-इज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस बम विकसित किए और अधिकतम मौतें करने का इरादा किया। 1 मार्च को, बैग में लगाए गए कम तीव्रता वाले बम ने बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे की छत और संरचना को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एनआईए सूत्रों ने बताया कि वे संदिग्ध आतंकवादियों और उनके स्थानीय नेटवर्क के पैसे के लेनदेन की गहराई से जांच करेंगे। एक महीने से अधिक समय तक पीछा करने के बाद, एनआईए ने शुक्रवार को हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और उसके साथी अब्दुल मथीन ताहा को कोलकाता में एक ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया। सूत्र बताते हैं कि संदिग्ध आतंकी पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश भागने की फिराक में थे।

जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए शिवकुमार के लिए किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए आमंत्रित किया। शिवकुमार ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना के साथ ही जैन युवा संगठन के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा, मंत्री मदन मुनोत, अतिति आमंत्रण समिति चेयरमैन कुशल डूंगरवाल, सह-चेयरमैन मोनीश मुथा, आशीष तालेडा और सुनील लोढ़ा उपस्थित रहे।

सीएम ने राजनेता वी श्रीनिवास प्रसाद से की मुलाकात

कांग्रेस के प्रति सहानुभूति रखने का आग्रह

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को अनुभवी राजनेता, पूर्व मंत्री और सांसद वी श्रीनिवास प्रसाद के मैसूरु के जयलक्ष्मीपुरम स्थित आवास पर जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मुलाकात के दौरान सिद्धरामैया ने उनके साथ आधे घंटे से अधिक समय बिताया। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सीएम ने कहा वी श्रीनिवास प्रसाद और मैं बहुत लंबे समय से दोस्त हैं। जब मैं कांग्रेस में था तब वह भाजपा में चले गए थे। राजनीति से संन्यास लेने के बाद, मैं उनसे मिलने नहीं जा सका। इसलिए मैंने उनसे बात करने और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने का अवसर लिया। हमने राजनीति पर चर्चा नहीं की, क्योंकि उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह किसी भी पार्टी का राजनीतिक समर्थन नहीं करेंगे। मैंने बस उन्हें याद दिलाया कि चूंकि वह एक समय कांग्रेस पार्टी के साथ थे, इसलिए कांग्रेस के प्रति सहानुभूति की भावना बनाए रखें। विधायक हरीश गौड़ा, गणेश प्रसाद, कृष्णमूर्ति और अन्य लोग सीएम के साथ थे। 2017 में राज्य में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान मंत्रिमंडल से हटाए जाने से निराश होकर श्रीनिवास प्रसाद ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गए। बाद में उन्होंने नंजनगुड विधानसभा क्षेत्र में उप-चुनाव लड़ा और हार गए। हालांकि, श्रीनिवास प्रसाद ने 2018 में नंजनगुड विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार और उनके दामाद बी.हर्षवर्धन के लिए जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पिछले लोकसभा चुनाव में श्रीनिवास प्रसाद ने चामराजनगर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और आर ध्रुवनारायण पर मामूली जीत हासिल की, जिससे क्षेत्र में भाजपा के लिए एक मजबूत आधार स्थापित हुआ। छह बार के सांसद, दो बार के विधायक और पूर्व केंद्रीय और राज्य मंत्री श्रीनिवास प्रसाद ने 17 मार्च को मैसूरु में राजनीति में अपने 50 साल के करियर के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में आधिकारिक तौर पर राजनीति से संन्यास की घो-षणा की।

देवेगौड़ा को अपनी भविष्यवाणियां जेडीएस के लिए रखनी चाहिए आरक्षित: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने जद (एस) सुप्रीमो और पूर्व प्रधान मंत्री एच डी देवेगौड़ा को सलाह दी है कि वे अपनी भविष्यवाणियों को कांग्रेस सरकार के अस्तित्व के बजाय जद (एस) के अस्तित्व के लिए आरक्षित रखें। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी के पास 136 से अधिक सीटें हैं। देवेगौड़ा के लिए कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की तुलना में जद (एस) के भविष्य की भविष्यवाणी करना बेहतर होगा। शिवकुमार देवेगौड़ा के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार की कोई गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा मैंने भी देवेगौड़ा जितना ही भविष्य देखा है। उन्होंने राजनीतिक जीवन में 60 साल बिताए हैं जबकि मैंने 40 साल। हमारे पास विधानसभा में 136 से अधिक सीटें हैं और उन्हें हमारी सरकार के अस्तित्व की चिंता नहीं करनी चाहिए। बेहतर होगा कि वह जद(एस) के अस्तित्व के बारे में सोचें। कांग्रेस सरकार के पतन की भविष्यवाणी करने के बजाय, केपीसीसी प्रमुख ने देवेगौड़ा से लोगों को यह बताने के लिए कहा कि क्या जद (एस) एक अलग पार्टी बनी रहेगी या भाजपा के साथ विलय करेगी। संविधान परिवर्तन का मुद्दा उठाने वाले भाजपा नेताओं को निष्कासित करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि डॉ. बीआर अंबेडकर के चाहने पर भी संविधान नहीं बदला जाएगा, उन्होंने कहा मैं प्रधानमंत्री का सम्मान करता हूं। मुझे यकीन नहीं है कि वह अब इस विषय पर क्यों बात कर रहे हैं। उन्होंने उन पार्टी नेताओं को निष्कासित क्यों नहीं किया जिन्होंने भाजपा को 400 सीटें मिलने पर संविधान बदलने का मुद्दा उठाया था। यदि प्रधानमंत्री संविधान की अखंडता के प्रति इतने प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें पार्टी नेताओं को निष्कासित कर देना चाहिए। वह इस बारे में अब बात कर रहे हैं क्योंकि एससी, एसटी और समाज के दलित वर्गों ने संविधान को बदलने की भाजपा की योजना पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

कांग्रेस का कदम देश की सुरक्षा के लिए खतरा: आर अशोक

कांग्रेस की मानसिकता देश को बांटने वाले अंग्रेजों जैसी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस का कदम देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। यहां भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में कांग्रेस सरकार के कुशासन के आरोप पत्र के विमोचन कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि रामेश्वरम कैफे में विस्फोट की घटना ने बेंगलूरु को झकझोर कर रख दिया है। एनआईए जांच टीम ने कई लोगों को गिरफ्तार करने और भविष्य में होने वाली कई विस्फोट घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस गिरफ्तारी से डरे सहमे कर्नाटक के लोग अब राहत की सांस ले सकते हैं। कर्नाटक के लोगों की ओर से एनआईए टीम को बधाई। डीके शिवकुमार, जो दुर्घटना के समय उस स्थान पर गए थे, ने घटना को ठीक करने का प्रयास किया। अगर ये अल्पसंख्यकों के खिलाफ कुछ कहते हैं तो वोट बैंक खाली हो जाता है। इसलिए वे यह मानसिकता रखते हैं। घटना के बारे में और जांच को भटकाने का काम किया था। उन्होंने दावा किया था कि यह बिजनेस से जुड़ा हंगामा है। उन्होंने विश्लेषण किया कि पुलिस ने भी उसी निशान पर जांच की थी। बाद में उन्होंने साईं प्रसाद से जानकारी जुटाई। दिनेश गुंडूराव ने तुरंत बीजेपी पर जांच की मांग करने का आरोप लगाया था।

उन्होंने सवाल किया कि क्या मंत्री के रूप में उन्हें सामान्य ज्ञान की जरूरत नहीं है। मुख्य मोड़ जांच की मांग के कारण है। उन्होंने कहा कि उन्हें पुख्ता सबूत मिले हैं। कांग्रेस ने बार-बार ध्यान भटकाने वाला काम किया है। जब कुकर फटा तब भी उन्होंने समर्थन किया। एनआईए की जांच से इसके पीछे के लोगों का ब्योरा और साजिश की जानकारी मिल गई है। यहां के आरोपी अपनी प्रिय ममता बनर्जी के सुरक्षित स्थान पर पाए जाते हैं। आर. अशोक ने बताया कि आरोपी गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश नहीं गए थे। विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों को गिरफ्तार करने में एक सप्ताह लग गया। जब हम दो दिन तक सदन में लड़े तो मंत्री ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के लिए नारे नहीं लगाये। प्रियांक खड़गे ने कहा था कि बीजेपी की आंखों में पीलिया हो गया है। अब बताओ पीली आंखें किसकी हैं? ये सब देखकर कर्नाटक की जनता चिंतित है। कांग्रेस पार्टी को देश की परवाह नहीं है।

खुद देश को बांटने की बात कही

कांग्रेस सांसद सुरेश ने खुद देश को बांटने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर से की गई है। चुनाव के दौरान व्यक्तिगत आरोप लगाना अपराध है। इसलिए इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करेंगे। कांग्रेस के पास नरेंद्र मोदी को हिटलर कहने का क्या अधिकार है? अगर इस देश में कोई असली हिटलर है तो वह कांग्रेस पार्टी है। इस देश में आपातकाल लागू किया गया और पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। न्यायाधीशों को भी गिरफ्तार करने की कोशिश की गई और सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया। कांग्रेस की मानसिकता देश को बांटने वाले अंग्रेजों जैसी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वह उस मानसिकता से बाहर नहीं आए हैं।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर

सिद्धरामैया पर घरेलू मैदान पर कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने का दबाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर अपने गृह क्षेत्र, मैसूरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र और पड़ोसी चामराजनगर संसदीय सीट पर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने का दबाव है। दोनों सीटों पर कांग्रेस को बीजेपी के मजबूत विरोधियों का सामना करना पड़ रहा है। अनुभवी कांग्रेस नेता के धीरे-धीरे अपने सीएम कार्यकाल के अंत के करीब पहुंचने की चर्चा के बीच कोई जोखिम न लेते हुए, सिद्धरामैया दोनों सीटों पर पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने अपने करीबी सहयोगी एम. लक्ष्मण, जो मैसूरु-कोडागु क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं, के लिए मैसूरु जिले में प्रचार करने के लिए चार दिनों तक डेरा डाला था। सीएम सिद्धरामैया ने शुक्रवार को पूरे दिन चामराजनगर लोकसभा क्षेत्र में प्रचार किया। सामाजिक न्याय मंत्री एचसी महादेवप्पा के बेटे सुनील बोस कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। महादेवप्पा सीएम सिद्धरामैया के करीबी विश्वासपात्र हैं। चुनौतियों और परिणामों को अच्छी तरह से जानते हुए, मुख्यमंत्री के बेटे यतींद्र सिद्धरामैया दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में अथक परिश्रम कर रहे हैं।

भाजपा ने वोक्कालिगा नेता और मौजूदा भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा को टिकट देने से इनकार कर दिया था और शाही वंशज यदुवीर वाडियार को मैदान में उतारा था। मैसूरु शाही परिवार का पुरजोर विरोध करने वाले सीएम सिद्धरामैया अपनी पार्टी की प्रतिक्रिया के डर से यदुवीर वाडियार और मैसूरु राजाओं के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को किसी भी तरह की टिप्पणी न करने की हिदायत भी दी है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, सिद्धरामैया मैसूरु-कोडागु सीट पर वोक्कालिगा और फॉरवर्ड समुदाय (सामान्य मामले) वोटों के ध्रुवीकरण को लेकर सावधानी बरत रहे हैं। लगभग 15 लाख मतदाताओं वाली इस सीट पर वोक्कालिगा वोटों की संख्या 4 लाख से अधिक है, इसके बाद लिंगायत, दलित और ओबीसी वोट हैं। यहां 1.5 लाख मुस्लिम और 1 लाख ब्राह्मण वोटर हैं। वोक्कालिगा वोटों के ध्रुवीकरण के बाद सीएम सिद्धरामैया को 2018 के विधानसभा चुनाव में मैसूरु जिले की चामुंडेश्वरी विधानसभा सीट से अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। सीएम सिद्धरामैया अब दलितों के 2 लाख से अधिक वोट, ओबीसी के 2 लाख वोट, कुरुबा के 1.3 लाख वोट, एसटी के 1 लाख वोट, 1.5 लाख मुस्लिम वोट और ईसाई सहित अन्य समुदायों के मतदाताओं को साधने की रणनीति बना रहे हैं। चामराजनगर लोकसभा सीट को कांग्रेस पार्टी का गढ़ माना जाता है क्योंकि यहां उत्पीड़ित वर्गों के मतदाताओं की संख्या अधिक है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के करीबी सहयोगी एस. बलराज को मैदान में उतारा है। सिद्धरामैया को सीट जीतने का भरोसा है क्योंकि यहां 4.60 लाख दलित वोट, 2 लाख अनुसूचित जनजाति और 1.60 लाख कुरुबा समुदाय के वोट हैं।

निर्मलानंदनाथ ने गरीबी से जूझ रही एक प्रतिभाशाली छात्रा का किया मदद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आदिचुंचनगिरी पीठ के अध्यक्ष डॉ. निर्मलानंदनाथ ने गरीबी के कारण संकटग्रस्त स्थिति में रहने वाली एक प्रतिभाशाली छात्रा को प्रवेश देकर मानवता का परिचय दिया है। शहर के अशोक पीयू कॉलेज में दूसरी पीयूसी की पढ़ाई कर रही मेघश्री एम को प्रबंधन ने प्रवेश देने से इनकार कर दिया था क्योंकि उसके पास प्रवेश शुल्क का भुगतान करने के लिए पैसे नहीं थे। जैसे ही यह मामला ओक्कालिगा यूथ ब्रिगेड के संस्थापक अध्यक्ष नानजे गौड़ा नानजुंदा के ध्यान में आया, उन्होंने तुरंत श्री निर्मलानंद से मुलाकात की और कॉलेज को छात्रा की स्थिति के बारे में आश्वस्त किया। मेघश्री की माँ, जो गरीब है, एक आंगनवाड़ी में सहायिका के रूप में काम करती है और अपनी बेटी की दूसरी पीयूसी के लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में असमर्थ थी। बिना पिता के गरीबी में पली इस छात्रा ने पहले पीयूसी में 600 अंकों में से 598 अंक हासिल किए। उसने कन्नड़ में 99, अंग्रेजी में 100, भौतिकी में 100, रसायन विज्ञान में 100, गणित में 99, जीवविज्ञान में 100 अंक प्राप्त किये। हाल ही में, छात्रा ने आदिचुंचनगिरी पीठ के अध्यक्ष निर्मलानंदनाथ से मुलाकात की थी और उनसे द्वितिय पीयूसी में मदद करने का अनुरोध किया था। उन्होंने छात्रा की प्रतिभा की सराहना करते हुए उसे अपने बीजीएस संस्थान में आगे की पढ़ाई कराने का आश्वासन दिया।

दूसरे चरण के चुनाव के तहत राज्य में पहले दिन 41 उम्मीदवारों ने 57 नामांकन किए दाखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के दूसरे चरण के 14 लोकसभा क्षेत्रों में शुक्रवार से नामांकन शुरू हो गया और पहले दिन 41 उम्मीदवारों ने 57 नामांकन पत्र जमा किए। दावणगेरे और शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्रों में प्रत्येक में 5 उम्मीदवार, उत्तर कन्नड़, बेल्लारी, कोप्पल और बीजापुर निर्वाचन क्षेत्रों में चार-चार उम्मीदवार हैं। चिक्कोडी, बागलकोट और गुलबर्गा निर्वाचन क्षेत्रों में तीन-तीन उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जबकि बीदर में दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बेलगावी, रायचूर, हावेरी और धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्रों से एक-एक उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है। 41 उम्मीदवारों में से 37 पुरुष और चार महिलाओं ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। गैर पार्टियों से 14, गैर मान्यता प्राप्त पार्टियों से 20, बसपा से 2, आप से 1, कांग्रेस से 11, भाजपा से 9 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण नामांकन पत्र जमा नहीं किए गए। राजनीतिक दलों एवं अन्य प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सोमवार से जमा किये जायेंगे। इस चरण में, 19 अप्रैल को नामांकन पत्र जमा करने का अंतिम दिन है। भाजपा उम्मीदवार राजुगौड़ा नाइक ने सुरपुर विधानसभा उपचुनाव में अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है।

कांग्रेस के राजनीतिक नशे की निरंकुश राजनीति का होना चाहिए अंत: ए नारायणस्वामी

भाजपा उम्मीदवार को वोट देने का अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री ए नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेस के कुशासन, उत्पीड़न और राजनीतिक नशे की निरंकुश राजनीति का अंत होना चाहिए। उन्होंने पार्टी उम्मीदवार सीएन मंजूनाथ की ओर से आयोजित एक बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा जयदेव हॉस्पिटल को दुनिया में पहचान दिलाने वाले डॉ. सीएन मंजूनाथ की सेवा कर्नाटक तक ही सीमित नहीं है। बल्कि तमिलनाडु, आंध्र और केरल सहित कई राज्यों को यह प्राप्त हुआ है। सी.एन.मंजूनाथ मजबूरी में राजनीति में आए। वह पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के दामाद और पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी के जीजा हैं। वह दमनकारी शासकों को उखाड़ फेंकने के लिए एनडीए-भाजपा के उम्मीदवार हैं। उन्होंने बताया कि यहां कई भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं। हेब्बागोडी के मतदाताओं को देखना देश को देखने जैसा है। उन्होंने उनसे मोदी की 10 साल की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए भाजपा उम्मीदवार को वोट देने का अनुरोध किया। कुछ दशक पहले हमारे तत्कालिन प्रधानमंत्री दूसरे देशों में भीख मांगने गए थे? वे ऐसे लग रहे थे जैसे वे ऋण लेने आये हों। हालाँकि, उन्होंने विश्लेषण किया कि यह विश्व नेता मोदी ही थे जिन्होंने केवल 10 वर्षों में भारत को एक सक्षम देश बना दिया। 55 साल तक कांग्रेस का गरीबी हटाओ सिर्फ नारा बनकर रह गया।

उन्होंने कहा, मोदी का विजन, हमारे भारत को 10 साल में दुनिया के अग्रणी देश में ले जाने का संकल्प है, मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना चाहिए। सीएन मंजूनाथ ने अपनी बात रखते हुए कहा कि ये वो चुनाव है जो देश के भविष्य को आकार देगा, देश का इतिहास लिखेगा और देश की सुरक्षा के लिए रूपरेखा देगा। एनडीए गठबंधन को 400 लोकसभा सदस्य चुनने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि मतदाता इस बात का ध्यान रखेंगे कि मैं 400 की सूची में हूं। यह एक धर्मयुद्ध है। चुनाव बिना पटरी से उतरे, बिना दबाव के और बिना भयानक माहौल बनाये संपन्न होने चाहिए। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की अंतरात्मा को वोट देने का अवसर है। अंतरात्मा की आवाज पर वोट करें। नंबर वन चुनाव चिन्ह कमल को वोट दें। उन्होंने जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि सिंबल में भी मैं पहले स्थान पर हूं। प्रधानमंत्री खुद कह चुके हैं कि कोई संवैधानिक संशोधन नहीं है। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने यही ब्रह्मास्त्र चलाया है। एक दिन के ऑफर के लिए वोट न करें। उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन के लिए वोट करने का अनुरोध किया। एमएलसी गोपीनाथ रेड्डी ने कहा कि यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। आइए पिछले 10 साल के बदलाव के अगले हिस्से के रूप में मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाएं। जनता के कार्यक्रमों ने आम आदमी को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी हैं।

वैसा ही किया जैसा कहा

गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को चावल दिया जा रहा है। 4 करोड़ घर बनाए गए हैं। 12 करोड़ शौचालय बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया में सबसे सम्मानित व्यक्ति बनकर उभरे हैं। उन्होंने कई दशकों के बाद केंद्र में स्थिर सरकार दी है। उन्होंने वैसा ही किया जैसा उन्होंने कहा था। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार मुक्त सरकार भाजपा की है। भाजपा के जन-समर्थक प्रशासन को ध्यान में रखते हुए, मंजूनाथ ने उनसे उन्हें वोट देने और जीताने की अपील की। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता अशोक गौड़ा, भाजपा दक्षिण जिला उपाध्यक्ष राजन्ना, नेता हुल्लाल्ली श्रीनिवास, लक्ष्मीकांत रेड्डी, जेडीएस नेता गोटीगेरे मंजू, राजशेखर रेड्डी, मुनिराजू गौड़ा, रंगनाथ समेत प्रमुख लोग मौजूद थे।

बाघ के हमले में व्यक्ति घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चामराजनगर जिले के एक गांव में कथित तौर पर बाघ के हमले में 22 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया।

वन विभाग ने शनिवार को कहा कि घायल व्यक्ति मन्नू की गर्दन और हाथ पर चोटें आईं। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल मैसूरु के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, घटना शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे होनकनहल्ली गांव में हुई। लगभग दो साल के बाघ ने मन्नू पर तब हमला किया जब लोगों का एक समूह उस जानवर के पास आया जिसने एक खेत में शरण ले रखी थी। एक वरिष्ठ वनपाल ने कहा लोगों ने बाघ को भगाने की कोशिश की और उसने मन्नू पर छलांग लगा दी और उसकी गर्दन और हाथों पर हमला कर दिया। बाद में, वह वन क्षेत्र में भाग गया। उन्होंने कहा मन्नू अपनी गर्दन और हाथों पर चोट लगने के कारण बच गया। वह अब खतरे से बाहर बताया जा रहा है और उसका इलाज चल रहा है।

मोदी ने 10 साल तक झूठ के अलावा कुछ नहीं किया

अब वह वोट के लिए मैसूरु कैसे आ सकते हैं: सीएम सिद्धरामैया

मोदी शासन के पास दिखाने के लिए कुछ भी नहीं

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भाजपा को विश्वास है कि वह संवेदनशील धार्मिक और सांप्रदायिक मुद्दों को उठाकर वोट हासिल कर सकती है तो उसे निराशा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार 20 सूत्रीय कार्यक्रम लेकर आई थी। उन्होंने पूछा, क्या मोदी ने 10 साल तक झूठ और झूठ बोलते रहने के अलावा एक भी सूत्री कार्यक्रम दिया है? उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस सरकारें ही थीं जिन्होंने औद्योगीकरण, उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना, अंतरिक्ष कार्यक्रमों और गरीबी-विरोधी कार्यक्रमों को लागू करने का मार्ग प्रशस्त किया, जबकि मोदी शासन के पास दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि वह 10 साल तक झूठ बोलते रहे और लोगों के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने आश्चर्य जताया कि मोदी वोट मांगने के लिए मैसूरु कैसे आ रहे हैं। मोदी जानते हैं कि अगर वह झूठ बोलते हैं, तब भी लोग मोदी, मोदी चिल्लाते हैं इसलिए उन्होंने अपना झूठ बढ़ा दिया है। सीएम ने शनिवार को मैसूरु-कोडागु और चामराजनगर निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। सिद्धरामैया ने मोदी और भाजपा के झूठ और झूठे वादों की श्रृंखला को दोहराया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करने, विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने, किसानों की आय दोगुनी करने, पेट्रोल, डीजल की कीमतें कम करने के भव्य वादे शामिल थे।

इसके अलावा सालाना 2 करोड़ नौकरियां पैदा करना और डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में वृद्धि सुनिश्चित करना भी उसी का हिस्सा था। उन्होंने कहा मोदी का कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ और उन्होंने लोगों को मूर्ख बनाया। वह अब बेशर्मी से मोदी की गारंटी बेच रहे हैं। सिद्धरामैया ने मतदाताओं से पूछा, आप मोदी को वोट कैसे दे सकते हैं, भले ही वह आपको मूर्ख बना रहे हों और अपने सभी वादे भूल रहे हों? क्या आप और भी अधिक मूर्ख बनना चाहते हो? मुख्यमंत्री ने मैसूरु में कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया और बताया कि न तो मोदी शासन और न ही भाजपा शासन ने कुछ किया और अपने चुनावी वादों को पूरी तरह से भूल गए, जबकि यह कांग्रेस पार्टी है जिसने अपने वादों को गारंटी पर लागू किया और अपने वादों को पूरा किया। सिद्धरामैया ने भाजपा को झूठ की फैक्ट्री बताते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी ने अपने दो बार के सांसद को बदल दिया है और निर्वाचन क्षेत्र के विकास की अनदेखी करने के बाद पूर्ववर्ती मैसूरु शाही परिवार के वंशज के लिए वोट मांग रही है। कांग्रेस प्रत्याशी लक्ष्मण एक साधारण व्यक्ति हैं, जो जनता के साथ और उनके लिए काम करते रहे हैं। उन्होंने भाजपा से गरीबों, मजदूर वर्ग और महिलाओं की मदद के लिए एक भी कार्यक्रम बताने को कहा।

भारत का कुल टोल संग्रह पहुंचा 64,810 करोड़

टोल वसूली में 35 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में कुल टोल संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 में 64,809.86 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। और सरकारी और उद्योग के अनुमानों को पार कर गया, क्योंकि व्यावसायिक गतिविधि में बढ़ोतरी हुई है।

टोल वाले सड़कों में तेज बढ़ोतरी और नए फास्टैग यूजर्स को जोड़ने के कारण कुल टोल संग्रह वर्ष की शुरुआत में सरकार द्वारा निर्धारित 55,000 करोड़ रुपए के अनुमान को पार कर गया। फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग हैं जो वाहनों को जारी किए जाते हैं, जिससे टोल प्लाजा पर लेनदेन कैशलेस हो जाता है।

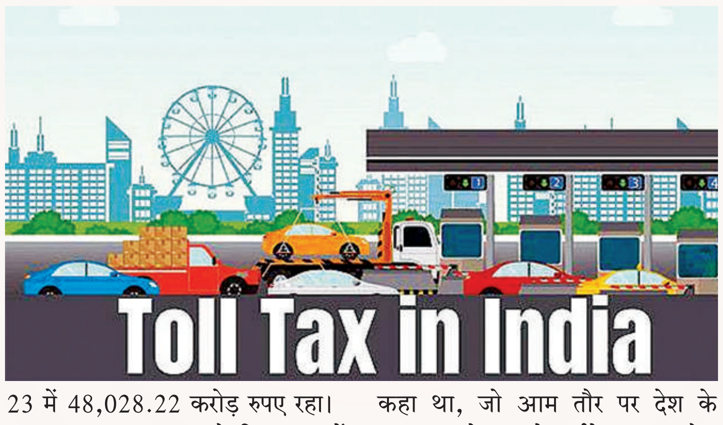

पिछले पांच वर्षों में भारत का कुल टोल संग्रह लगभग 2.6 गुना बढ़ गया है, जो 2018-19 में 25,154.76 करोड़ रुपए से बढ़कर हुआ है। 2019-20 में कुल टोल राजस्व 27,637.64 करोड़ रुपए, 2020-21 में 27,923.80 करोड़ रुपए, 2021-22 में 33,907.72 करोड़ रुपए और 2022-23 में 48,028.22 करोड़ रुपए रहा।

सरकार का अनुमान है कि भारत में कुल टोल संग्रह 2024-25 में 70,000 करोड़ रुपए को पार करने और 2029-30 तक 1,30,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना है। आगामी लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 2024-25 के लिए नए टोल दरों का ऐलान करेगा।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने पिछले हफ्ते राज्य के स्वामित्व वाले राजमार्ग प्राधिकरण को राजमार्गों पर नए टोल दरों की गणना के लिए आगे बढ़ने के लिए कहा था, जो आम तौर पर देश के ज्यादातर टोल वाले हाईवे पर 1 अप्रैल से सालाना लागू होते हैं। लेकिन आयोग ने कहा कि नए उपयोगकर्ता शुल्क चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद ही लागू होने चाहिए। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होने वाले चरणों में होगा, इसके बाद 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को मतदान होगा। मतों की गिनती 4 जून को है।

नेशनल हाईवे फीस (दरों का निर्धारण और संग्रहण) नियम, 2008 के अनुसार नेशनल हाईवे पर 855 टोल प्लाजा हैं जो यूजर फीस लेते हैं। इनमें से लगभग 675 सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित प्लाजा हैं और 180 रियायतकर्ता संचालित हैं।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने 2023-24 में 12,349 किमी नेशनल हाईवे का निर्माण किया, जो 2022-23 में दर्ज किए गए 10,993 किमी की तुलना में 12.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। लेकिन वित्त वर्ष 24 के लिए निर्धारित 13,800 किमी के लक्ष्य से अभी भी काफी दूर है। 2022-23 और 2023-24 में हाईवे निर्माण की दूसरी और तीसरी सबसे ज्यादा दर दर्ज करने के बावजूद, एमओआरआरटीएच ने अभी तक 2022-23 के बजट के हिस्से के रूप में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित 25,000 किमी सड़क का निर्माण अभी तक पूरा नहीं किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 30 नवंबर, 2023 तक 7.98 करोड़ से ज्यादा फास्टैग जारी किए जा चुके हैं। नेशनल हाईवे फीस प्लाजा पर फास्टैग के जरिए रोजाना औसत संग्रह 2023-24 में 147.31 करोड़ रुपए रहा।

गेमर्स से मुलाकात में पीएम मोदी ने बेसाख्ता कहा

गुजरात कैसे पहुंची ये बीमारी भगवान इसकी लत से बचाए

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल में देश के पहले डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स अवार्ड में कई सारे क्रिएटर्स से मिलने और उन्हें सम्मानित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सात ऑनलाइन गेमर्स से मुलाकात की है जो कि नमन माथुर, अनिमेश अग्रवाल, मिथिलेश पाटणकर, पायल धारे, अंशु बिष्ट, तीर्थ मेहता और गणेश गंगाधर हैं। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर इन गेमर्स के फॉलोअर्स लाखों में हैं। इनमें से कुछ ई-स्पोर्ट्स गेमर्स हैं और कुछ गेमिंग के वीडियोज को मजाकिया अंदाज में री-क्रिएट करते हैं।

राउंड टेबल के दौरान अपने परिचय में तीर्थ मेहता ने जब कहा कि वे गुजरात से हैं और मोबाइल गेमिंग के साथ उन्होंने अपने ऑनलाइन गेमिंग करियर की शुरुआत की थी तब पीएम मोदी ने कहा कि यह बीमारी गुजरात भी पहुंच गई? पीएम मोदी के इतना कहते ही सारे गेमर्स हंसने लगे, हालांकि पीएम ने गेमिंग को नकारात्मक लहजे में नहीं, बल्कि मजाकिया लहजे में बीमारी कहा है।

मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने गेमिंग पर हाथ आजमाया और अंत में कहा कि भगवान ना करें मुझे इसकी आदत लगे, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें गेमिंग के प्रैक्टिस करनी होगी। पीएम ने कहा कि भारत में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा।

जिन सात गेमर्स से पीएम मोदी ने राउंड टेबल मीटिंग की है उनमें महिला के तौर पर केवल पायर धारे थीं। पायर धारे से पीएम ने पूछा कि क्या इस फील्ड में लड़कियों को पर्याप्त मौके मिलते हैं? इसके जवाब में पायल ने कहा कि फिलहाल तो बहुत ही कम मौके मिलते हैं, लेकिन इस वीडियो के पब्लिश होने के बाद लोगों का नजरिया निश्चित तौर पर बदलेगा। पायल के बताया कि जब उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग में करियर शुरू किया था तो उनके पास हर रोज करीब 100-200 लड़कियों के मैसेज आते थे कि कि मैंने आपको देखकर गेमिंग शुरू किया।

गढ़चिरौली में 130 ड्रोन, 17 हेलिकॉप्टर रखेंगे मतदान पर नजर

गढ़चिरौली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। विदर्भ के गढ़चिरौली-चिमूर लोकसभा क्षेत्र में बुलेट और बैलेट के बीच संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी यही स्थिति बनती दिखाई दे रही है। नक्सलियों ने मतदान करने पर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है। वहीं, लाल आतंक से निपटने के लिए प्रशासन भी मुस्तैद हो गया है। गढ़चिरौली पुलिस छावनी में तब्दील हो गई है।

मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए गढ़चिरौली में 130 ड्रोन और 6 एमआई 17 हेलिकॉप्टर, 180 सोर्टीज तैनात किए जाएंगे। इसकी निगहबानी में 19 अप्रैल को यहां चुनाव सम्पन्न कराए जाएंगे। नक्सल विरोधी ऑपरेशन के पुलिस महानिदेशक (डीजी) संदीप पाटिल और डीआईजी गढ़चिरौली रेंज अंकित गोयल जिला मुख्यालय में कैंप कर रहे हैं।

गढ़चिरौली के हर इलाके में हेलीकॉप्टर से निगरानी की जा रही है। जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीलोत्पल ने बताया कि 19 अप्रैल को सेंट्रल आर्म्स पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) के 15000 हजार जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि फिलहाल, सीएपीएफ की 47 कंपनियां नक्सल ग्रस्त इलाके में हैं जबकि 40 कंपनियां बाहरी इलाके में तैनात की गई है। वहीं, मतदान के दिन 6 एमआई-17 हेलिकॉप्टर, 180 सोर्टीज से पूरे इलाके की निगहबानी की जाएगी जबकि किसी भी स्थिति में मेडिकल सुविधा के लिए एक एयर एंबुलेंस भी तैनात रखा जाएगा।

गढ़चिरोली-चिमूर लोकसभा क्षेत्र की चार विधानसभाओं में माओवादी आतंक का साया मंडरा रहा है। खासतौर से गढ़चिरौली, आरमोरी, सिरोंचा और गोंदिया जिले की आमगांव विधानसभा नक्सल प्रभावित है। इसके चलते इन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भामरागढ़, पेरीमिली, धनोरा, पेंड्री, कासनसुर, गट्टा, लाहिड़ी, बिनागुंडा सहित उत्तर और दक्षिण गढ़चिरौली के अन्य दूरदराज के इलाकों में कोई चुनावी हलचल नहीं है। इससे इस क्षेत्र के आदिवासी खौफ में हैं।

जम्मू संसदीय क्षेत्र में 8वीं पास से लेकर डॉक्टर तक मैदान में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 13 अप्रैल। जम्मू संसदीय सीट में विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों का एक अनूठा मिश्रण देखा जा रहा है, जिसमें डॉक्टरों और वकीलों से लेकर मामूली शैक्षणिक योग्यता वाले व्यक्ति तक शामिल हैं। मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार जुगल किशोर (61) सहित छह उम्मीदवार 10वीं कक्षा की शिक्षा के बराबर शैक्षणिक योग्यता रखते हैं। इसके विपरीत, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले रमन भल्ला (61) के पास विज्ञान और कानून में स्नातक की डिग्री है।

चुनावी मैदान में वकील और डॉक्टर जैसे पेशेवर भी शामिल हैं। 75 साल की उम्र में, 10वीं पास निर्दलीय उम्मीदवार सतीश पुंछी सबसे उम्रदराज दावेदार हैं, जबकि सबसे कम उम्र की नेशनल अवामी यूनाइटेड पार्टी की 30 वर्षीय शिखा बंद्राल के पास इंदिरा गांधी नेशनल ओपन विश्वविद्यालय से कला स्नातक की डिग्री है जो 2020 में प्राप्त की गई। सभी 22 उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता का खुलासा उनके हलफनामे में किया गया है। विशेष रूप से, भाजपा उम्मीदवार जुगल किशोर ने 1981 में जम्मू-कश्मीर राज्य बोर्ड जम्मू से 10वीं कक्षा पूरी की।

विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले अन्य उम्मीदवारों में स्वतंत्र उम्मीदवार प्रिंसिपल सीडी शर्मा (63) शामिल हैं, जिनके पास अर्थशास्त्र में एमए, बी.एड और बीए एलएलबी है; और निर्दलीय उम्मीदवार परसीन सिंह (43), विज्ञान में 12वीं पास हैं।

दावेदारों में आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सुरेंद्र सिंह (66), कला स्नातक की डिग्री के साथ एक स्वतंत्र उम्मीदवार, और डॉ. प्रिंस रैना (37), एमबीबीएस, एमएस, डीएनबी, एमसीएच सहित व्यापक चिकित्सा योग्यता वाले एक अन्य स्वतंत्र उम्मीदवार जैसे व्यक्ति शामिल हैं। विशेष रूप से, जम्मू और कश्मीर नेशनलिस्ट पीपल्स फ्रंट के स्वामी दिव्य नंद (60) और एक स्वतंत्र उम्मीदवार बंसी लाल (58) जैसे उम्मीदवार सामान्य शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनकी योग्यता मिडिल स्कूल पास के बराबर है।

कभी कांग्रेस की दुश्मन थी एनसी, आज जम्मू में दे रही सहारा

जम्मू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में थे। जम्मू-कश्मीर से इस बार भाजपा को बहुत उम्मीदें हैं। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का दावा है कि इस बार कश्मीर रीजन में भी उसका खाता खुलेगा। अभी तक उसे जम्मू बेस्ड पार्टी ही माना जाता है। जम्मू-कश्मीर में इस बार नेशनल कॉन्फ्रेंस घाटी की तीन लोकसभा सीटों पर तो कांग्रेस जम्मू की दो और लद्दाख की एक सीट पर चुनाव लड़ रही है। विपक्षी गठबंधन में उनकी साथी पीडीपी भी कश्मीर की तीन सीटों पर ताल ठोक रही है।

साल 1967 में जम्मू-कश्मीर से पहली बार छह नुमाइंदे दिल्ली में अपने-अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे। खास बात ये है कि इनमें दो निर्विरोध चुने गए थे। शुरुआती सालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनावों से दूरी बनाकर रखने की वजह से जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस पार्टी को बड़ी सफलताएं मिलीं लेकिन शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उभार ने बाद के सालों में उसे धीरे-धीरे कश्मीर घाटी में कमजोर कर दिया। साल 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी पहली बार देश के पीएम बने और इसी साल जम्मू रीजन में पहली बार भाजपा ने खाता भी खोला।

जम्मू-कश्मीर में हुए लोकसभा चुनावों के परिणामों पर नजर डालें तो पता चलता है कि लद्दाख में सिर्फ दो बार कश्मीर बेस्ड नेशनल कॉन्फ्रेंस को जीत मिली। इसके अलावा वहां के वोटर्स ने या तो निर्दलीय या फिर कांग्रेस और पिछली दो बार से भाजपा पर भरोसा जताया है। साल 1967 में जम्मू-कश्मीर में पहली बार लोकसभा के चुनाव हुए। इस चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने श्रीनगर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की तो राज्य की अन्य पांच सीटों पर कांग्रेस के कैंडिडेट्स चुने गए। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों ने अनंतनाग और लद्दाख लोकसभा सीट पर निर्विरोध जीत हासिल की।

1971 में हुए लोकसभा चुनाव में श्रीनगर लोकसभा सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की जबकि अन्य पांच लोकसभा सीटों पर कांग्रेस पार्टी विजयी हुई। इमरजेंसी के बाद हुए 1977 के लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने श्रीनगर के साथ-साथ बारामुला की सीटों पर जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस पार्टी ने अनंतनाग-राजौरी, लद्दाख और उधमपुर सीट पर जीत दर्ज की। इस चुनाव में जम्मू रीजन में निर्दलीय प्रत्याशी ने मुकाबला जीता।

1980 में हुए लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर का सियासी नक्शा काफी हद तक बदल गया। इस चुनाव में कश्मीर घाटी की तीन मुस्लिम बहुल्य सीटों पर जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीत दर्ज की जबकि लद्दाख सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीता। जम्मू रीजन की उधमपुर सीट पर इंदिरा विरोधी कांग्रेस यू ने जीत दर्ज की। इस चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ जम्मू लोकसभा सीट पर जीत हासिल हुई। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद साल 1984 के चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कश्मीर की तीन और कांग्रेस ने जम्मू की दो और लद्दाख की एक सीट पर जीत हासिल की। साल 1989 में हुए लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस कश्मीर की तीन सीटें जीतने में सफल रही जबकि कांग्रेस जम्मू की दो सीटें जीत सकी। लद्दाख सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत हासिल की। 1991 में जम्मू-कश्मीर में हालातों की वजह से चुनाव नहीं हुए।

साल 1996 में हुए लोकसभा चुनाव का नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बहिष्कार किया था। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने कश्मीर की बारामुला और श्रीनगर सीट पर जीत दर्ज की जबकि जनता दल ने अनंतनाग सीट पर विजय हासिल की। इस चुनाव की खास बात ये है कि उधमपुर सीट पर भाजपा ने जीत हासिल कर जम्मू-कश्मीर में अपना खाता खोला। लद्दाख और जम्मू लोकसभा सीटों पर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार जीत हासिल करने में सफल रहे। दो साल बाद 1996 में हुए लोकसभा चुनाव में कश्मीर की दो सीटों बारामुला और श्रीनगर पर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीत दर्ज की जबकि लंबे समय बाद घाटी की अनंतनाग सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की। इस चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पहली बार लद्दाख में जीत दर्ज की जबकि जम्मू से कांग्रेस का सफाया हो गया। साल 1999 में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कश्मीर की तीन और लद्दाख सीट पर जीत दर्ज की तो जम्मू की दोनों सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की।

साल 2004 में जम्मू-कश्मीर में पीडीपी का उदय हुआ। यहां की अनंतनाग सीट पर पीडीपी ने जीत दर्ज की जबकि बारामुला और श्रीनगर लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस विजयी हुई। लद्दाख सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी तो जम्मू की दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। साल 2009 के लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कश्मीर घाटी की तीनों सीटें तो कांग्रेस ने जम्मू की दोनों सीटों पर जीत हासिल की। लद्दाख पर निर्दलीय का कब्जा हुआ।

इसके बाद होती है शुरुआत मोदी युग की। मोदी युग में पहली बार भाजपा जम्मू-कश्मीर की 6 में से तीन लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही। भाजपा को जम्मू रीजन की दो सीटों के साथ लद्दाख पर विजय मिली जबकि कश्मीर रीजन में नेशनल कॉन्फ्रेंस का सफाया हो गया। यहां तीनों सीटों पर पीडीपी ने जीत दर्ज की हालांकि अगली बार साल 2019 में कश्मीर की तीनों सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का कब्जा हुआ जबकि जम्मू और लद्दाख की तीन सीटों पर भाजपा काबिज हुई।

पहलगाम और सोनमर्ग में दो पर्यटकों की हार्ट अटैक से मौत

जम्मू, 13 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर घूमने आए एक अमेरीकी और एक गुजराती टूरिस्ट की क्रमशः सोनमर्ग और पहलगाम में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में शनिवार को अमेरिका के एक पर्यटक की मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि एक विदेशी पर्यटक लाना मैरी (61) पत्नी ज्योफ चार्ल्स निवासी संयुक्त राज्य अमेरिका को होटल विलेज वॉक सोनमर्ग में अचानक बीमार हो गई। उन्होंने बताया कि लाना को गंभीर हालत में इलाज के लिए पीएचसी सोनमर्ग ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सीय कानूनी औपचारिकताओं के लिए शव पीएचसी सोनमर्ग में पड़ा हुआ है, जबकि आगे की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

दूसरी ओर अधिकारियों ने बताया कि गुजरात के रहने वाले एक पर्यटक की शनिवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

सऊदी की जेल से रिहाई के लिए लोगों ने जुटाए 34 करोड़

कोझिकोड, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सऊदी अरब में मृत्युदंड की सजा पाए कोझिकोड के एक व्यक्ति अब्दुल रहीम को बचाने के लिए केरल के लोग एकसाथ आए हैं। लोगों ने चंदे के जरिए 34 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। रहीम को सजा से बचने के लिए 18 अप्रैल से पहले ब्लड मनी के तौर पर करीब 34 करोड़ रुपए का भुगतान करना है। ब्लड मनी का आशय सजा से बचने के लिए पीड़ित के परिवार को धन का भुगतान करना होता है।

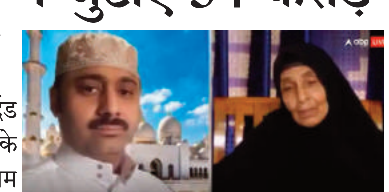

रहीम 18 साल से जेल में बंद है। उस पर साल 2006 में सऊदी में एक लड़के की हत्या का आरोप है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रहीम को सऊदी अरब में 2006 में एक दिव्यांग लड़के की दुर्घटनावश मौत के बाद जेल में डाल दिया गया था। जिसकी वह देखभाल करता था। लड़के के परिजनों ने माफी देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद 2018 में रहीम को मौत की सजा सुनाई गई थी।

एक्शन कमेटी के सदस्यों ने मीडिया को बताया कि उनकी याचिका को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया था। लेकिन बाद में परिवार रहीम को ब्लड मनी देने शर्त पर माफ करने को सहमत हो गया। राज्य के लोगों की भावना की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि यह करुणा और सच्चाई की रियल केरल स्टोरी है।

उन्होंने कहा कि केरल को निशाना बनाने वाले नफरती अभियानों के बीच मलयाली लोगों की भावना उठ खड़ी हुई है। विजयन ने कहा कि सऊदी अरब में मौत की सजा का सामना कर रहे एक व्यक्ति अब्दुल रहीम की कहानी इसी प्रतिरोध का प्रतीक है। उसकी रिहाई के लिए 34 करोड़ करोड़ रुपए जुटाकर केरल के लोगों ने अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की है।मुख्यमंत्री ने कहा, इस मानवीय काम के लिए हाथ बंटाने वाले सभी लोगों का आभार। एकजुट रहकर हम करुणा और सच्चाई की रियल केरल स्टोरी को साझा करना जारी रखेंगे।

मोदी जी का कार्यकाल आजादी के बाद का स्वर्ण युग है : योगी

▪ हल्द्वानी की जनसभा में बोले योगी, सीएम धामी भी उपस्थित

हल्द्वानी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल देश की आजादी के बाद का स्वर्ण युग माना जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की हर समस्या का समाधान पीएम मोदी ने निकाला है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत की हर समस्या की जड़ में कांग्रेस है। यही नहीं उत्तराखंड में समान नागरिक कानून पास होने से कांग्रेस को सबसे ज्यादा पीड़ा हो रही है, जबकि इस कानून का स्वागत किया जाना चाहिए। योगी ने कहा कि उत्तराखंड से निकलने वाली नदियों के जल से उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन रहा है। योगी शनिवार को यहां नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्त-राखंड की देवभूमि ने प्रथम मुख्यमंत्री पं गोविंद बल्लभ पंत के साथ साथ नारायण दत्त तिवारी और हेमवती नंदन बहुगुणा के रूप में यूपी को यशस्वी नेतृत्व दिया है। उन्होंने उत्तराखंड की जनता को बैसाखी और खालसा पंथ के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देवभूमि के कंकड़-कंकड़ में शंकर हैं। यहां का हर स्थल पवित्रता के भाव से भरा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री धामी के साथ मिलकर उन्होंने यूपी और उत्तराखंड के बीच की सारी समस्याओं का समाधान निकाला। उन्होंने कहा कि भाजपा समस्या नहीं समाधान निकालती है, जबकि कांग्रेस समस्या का नाम है, जिसने जीवन भर देश को समस्याएं दी हैं। चाहे देश का विभाजन हो, आतंकवाद हो या फिर नक्सलवाद, जातिवाद, भ्रष्टाचार और अलगाववाद जैसी समस्याएं कांग्रेस की ही देन हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए ही देश को मोदी जी जैसा यशस्वी नेतृत्व मिला।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्त-राखंड का नौजवान देश की रक्षा के लिए सीमा पर खड़ा है तो 140 करोड़ भारतीय चैन की नींद सोता है। ये आपका सौभाग्य है कि रक्षा राज्य मंत्री के रूप में अजय भट्ट लगातार सीमा पर जाकर हमारे जवानों को प्रोत्साहित करते हैं। योगी ने कहा कि उनका बचपन उत्तराखंड में व्यतीत हुआ है। उन्हें पता है कि पहले दो-तीन किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना होता था। मगर आज हर घर नल की योजना की वजह से घरों तक पानी पहुंच गया है। पहले ईंधन की समस्या होती थी। कांग्रेस राज में मिट्टी का तेल भी नहीं मिलता था। अब उज्ज्वला योजना कनेक्शन से गैस सिलेंडर की आपूर्ति हो रही है। देश की हर समस्या के समाधान का रास्ता मोदी जी ने निकाल दिया है। योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कश्मीर में धारा 370 की बीमारी कांग्रेस की देन है। मोदी जी ने इस बीमारी को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। कांग्रेस को पीड़ा है कि उत्तराखंड में समान नागरिक कानून क्यों पास हो गया, जबकि इसका स्वागत किया जाना चाहिए। समान नागरिक कानून पास कराके मुख्यमंत्री धामी ने बड़ा काम किया है। योगी ने कहा कि अयोध्या को भी कांग्रेस ने ही विवादित बनाए रखा था। कांग्रेस के लोग नहीं चाहते थे कि अयोध्या में विवाद समाप्त हो। हमने अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण किया। इसके साथ ही मथुरा, गोकुल, बरसाना, काशी और प्रयागराज को उसी रूप में संवारा है। उत्तराखंड में भी केदारनाथ, बद्रीनाथ सहित चार धाम को नई पहचान के साथ भाजपा सरकार ने प्रस्तुत किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अन्नदाता, नौजवान और महिलाओं की समृद्धि और सुरक्षा को लेकर कहीं कोई संकट नहीं है। आज केवल भ्रष्टाचारी और दुराचारियों पर संकट है। यूपी में हमने कह दिया है कि बेटी और व्यापारी की सुरक्षा के लिए जो खतरा बनेगा, उसके लिए दो ही जगह होगी, या तो जेल या जहन्नुम। आज यूपी में न दंगा है, न कर्फ्यू। पहले बम बाजी होती थी आज हर-हर बम-बम के साथ धूमधाम से कांवड़ यात्राएं निकलती हैं। हम सुरक्षा भी दे रहे हैं और समृद्धि भी ला रहे हैं। नौजवानों की आजीविका और देश की आस्था का सम्मान हो रहा है। ये सभी काम मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी और उत्त-राखंड के रिश्ते को कोई खत्म नहीं कर सकता। ये दोंनों राज्य एक दूसरे के साथ रचे बसे हैं। मगर, कुछ लोगों को गफलत होती है कि यूपी में अपराध करके उत्तराखंड भाग जाएंगे। हमने कह दिया है कि उन्हें उस लायक ही नहीं छोड़ेंगे कि वे यहां आकर इस देवभूमि को अपवित्र कर सकें।

काशी में बने श्रीरामलला नीदरलैंड में स्थापित होंगे

वाराणसी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में विराजे भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दुनियाभर में इनकी ख्याति बढ़ी है। यही वजह है कि भारत ही नहीं विदेशों में भी उनकी प्रतिमा स्थापित होने की तैयारी शुरू हो गई है। पहली प्रतिमा नीदरलैंड में हनुमान मंदिर में लगेगी। प्रभु श्रीरामलला की ये प्रतिमा काशी में बनी है। इसी माह इस प्रतिमा की अयोध्या में पूजा होगी और इसके बाद नीदरलैंड में इसे स्थापित किया जाएगा।

काशी में 5.10 फीट की प्रभु श्रीरामलला की प्रतिमा दो माह में बनकर तैयार हुई है। ढेलवरिया स्थित मूर्ति कारखाने में मूर्तिकार कन्हैयालाल शर्मा ने 10 सहयोगियों के साथ इस प्रतिमा को बनाया है। यह प्रतिमा अयोध्या में स्थापित श्रीरामलला की ही प्रतिरूप है, जो ब्लैक ग्रेनाइट से बनी है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में श्रीरामलला की प्रतिमा स्थापित होने के बाद हमारी इच्छा थी कि वैसी ही प्रतिमा बनाएं। इसी बीच इसका ऑर्डर मिल गया। इंटरनल ब्लिस फाउंडेशन के डायरेक्टर राहुल मुखर्जी ने बताया कि श्रीरामलला की इस प्रतिमा की पहले अयोध्या में पूजा होगी।

इसके बाद नीदरलैंड में हनुमान मंदिर में इसे स्थापित किया जाएगा। संस्था के संस्थापक स्वामी अखंड सम्राट आनंद महाराज के सानिध्य में विश्व के कई देशों में श्रीरामलला की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। नीदरलैंड के बाद जर्मनी, इटली, अमेरिका, कनाडा, बेल्जियम, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में स्थापित करने की तैयारी है। राहुल मुखर्जी ने बताया कि 24 इंच की भी श्रीरामलला की प्रतिमा बनाई जाएगी। रुद्राभिषेक के लिए इस प्रतिमा का विग्रह बनाया जाएगा।

कन्हैयालाल शर्मा की तीन पीढ़ियां इस पेशे में लगी हैं। उनके दादा महादेव प्रसाद बड़े मूर्तिकार थे। उन्होंने इंडिया गेट पर छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जॉर्ज पंचम, दरभंगा नरेश आदि की प्रतिमाएं बनाई हैं।

कन्हैयालाल के पिता ओंकारनाथ ने भी इस विरासत को संभाला। कन्हैयालाल ने इंग्लैंड की महारानी के अलावा अन्य विदेशियों की प्रतिमाएं भी बनाई हैं।

अतीक और अशरफ की बेनामी सम्पत्ति

आठ करोड़ का मालिक निकला सफाईकर्मी

प्रयागराज, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और अशरफ अहमद की बेनामी सम्पत्तियों के लिए आठ हजार महीने कमाने वाले जिस सफाईकर्मी के नाम का इस्तेमाल किया गया, वह आठ करोड़ की सम्पत्ति का मालिक निकला। उसके नाम नैनी, फूलपुर व हंडिया तहसील में बेशकीमती जमीनों का बैनामा कराए जाने के सबूत पुलिस के हाथ लगे हैं। फिलहाल, पांच जमीनों के बारे में पता चला है। पुलिस इन सम्पत्तियों की जांच में जुट गई है। एक दिन पहले ही नवाबगंज के करोली निवासी इस सफाईकर्मी श्याम जी सरोज का नाम तब चर्चा में आया, जब उसने माफिया भाइयों के चार करीबियों पर मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि इन चारों ने अतीक-अशरफ की बेनामी सम्पत्तियों का बैनामा उसके नाम पर कराया। उसे बंधक बनाकर जबरन दस्तखत करवाए गए और दोनों की मौत के बाद उक्त सम्पत्तियों का बैनामा करने का दबाव भी बनाया गया।

मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी तो बेहद चौंकाने वाले खुलासे हुए। सूत्रों का कहना है कि उसके नाम पर फिलहाल, पांच जमीनों का बैनामा कराने की बात पता चली। इनमें से तीन अरैल के मीरखपुर उपरहार व मवैया और दो जमीनें हंडिया व फूलपुर के सरायइनायत में स्थित हैं। इनकी मौजूदा बाजार के अनुसार कीमत आठ करोड़ आंकी गई है। खास बात यह है कि तीन साल पहले जब इन जमीनों का बैनामा कराया गया, तब वह महज आठ हजार महीने कमाता था। मामले में उसने अपने मालिक, माफिया के गुर्गों जावेद, उसके भाई कामरान व फराज अहमद खान निवासी जीटीबी नगर करेली व शुक्ला जी नाम के एक शख्स को नामजद कराया है।

डीसीपी दीपक भूकर ने कहा, जिन भी सम्पत्तियों से संबंधित जानकारी मिली है, उनके बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। राजस्व प्रशासन के सहयोग से इन सभी का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। इन सम्पत्तियों को अपराध से अर्जित सम्पत्ति मानकर इन्हें गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क भी कराया जाएगा।

श्याम जी सरोज ने पुलिस की पूछताछ में शुक्रवार को अन्य खुलासे भी किए। बताया कि आरोपियों ने उसके नाम पर आईसीआईसीआई बैंक में खाता खुलवा रखा था। साथ ही चेकबुक, एटीएम व पासबुक अपने कब्जे में रखे थे। ब्लैंक चेक पर दस्तखत करा लिए थे। साथ ही समय-समय पर उसके नाम एनआई एक्ट के तहत नोटिस भी भेजते रहते थे। उनका ऐसा करने का मकसद यह था कि अगर वह इधर-उधर भागने की कोशिश करे तो उसे कानूनी शिकंजे में फंसा सके।

श्याम जी सरोज 15 साल से आरोपियों के घर पर रहकर साफ-सफाई का काम करता था।

राजनीति का अपराधीकरण विकास में सबसे बड़ी बाधा: सीएम योगी

मुरादाबाद से भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह के पक्ष में जनसभा

बढ़ापुर (बिजनौर), 13 अप्रैल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति का अपराधीकरण और माफिया प्रवृत्ति के तत्वों को प्रश्रय देना विकास में सबसे बड़ा बैरक है। 1980 में मुरादाबाद में भयंकर दंगा हुआ था। दर्जनों लोग मारे गए थे। लोगों ने उस समय से 2017 तक रिपोर्ट दबाकर रखी थी। मैंने इसकी जांच शुरू कराई तो दंगा कराने वालों के चेहरे उजागर हो गए। निर्दोष व्यापारी, हिंदू, सिख मारे गए थे पर कोई पूछने वाला नहीं था। 2016 में सहारनपुर में भी सिख विरोधी दंगा हुआ था पर दंगाई आज जान की भीख मांगते हुए छिपे-छिपे फिर रहे हैं। भाजपा ने विकास व सुशासन का मॉडल दिया है। आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यहां सब चंगा है। कर्फ्यू का स्थान अब कांवड़ यात्रा ने ले लिया है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने शनिवार को मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह के पक्ष में जनसभा कर उन्हें चुनाव जिताने की अपील की। सीएम योगी ने मुरादाबाद वासियों से मोदी जी को भी तीसरा कार्यकाल देने का आह्वान किया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस, सपा व बसपा के एजेंडे में विकास व गरीब कल्याण नहीं था। आस्था से खिलवाड़ करना यह जन्मसिद्ध अधिकार समझते थे। अपराधी व माफिया को गले का हार बनाकर जनता, बेटी-व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। भाजपा की सरकार जो कहती है, करके दिखाती है। अब माफिया-अपराधी जेल में हैं या जहन्नुम में। किसी बेटी-व्यापारी को धमकी देने की कोशिश अब कोई नहीं कर सकता है, क्योंकि उसे परिणाम मालूम है। यह सुरक्षा भाजपा ही दे सकती है। वे लोग यह सुरक्षा नहीं दे सकते हैं, जो माफिया के सामने नाक रगड़ते थे। बड़े-बड़े माफिया जिनकी कभी तूती बोलती थी, आज वे घिघियाते थे। उनकी हालत देख रहे हैं। कहते हैं कि जान बख्श हो, ठेली पर सब्जी लगाकर पेट भर लेंगे, लेकिन किसी की जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि मुरादाबाद का किसान हो या नौजवान, बेटी हो या व्यापारी, हर एक व्यक्ति इसलिए सुरक्षित है, क्योंकि आपके हितों की चिंता करने वाली सरकार दिल्ली और लखनऊ में बैठी है। हम जब अच्छा निर्णय लेते हैं तो अच्छा परिणाम भी आता है, जब बुरा निर्णय लेते हैं तो उसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। सपा का सांसद कहता था कि मैं भारत मां की जय नहीं बोलूंगा। हम कुछ भी ऐसा नहीं बोलेंगे, जो हिंदू समाज को अच्छा लगे पर मैं बता देना चाहता हूं कि भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ की छूट किसी को नहीं दी जा सकती है।

सीएम ने कहा कि 2014 के पहले देश में गरीब भूखों मरता था। आज 80 करोड़ गरीबों को राशन मिल रहा है। कोई गरीब बीमार हो जाता था तो परिवार तबाह हो जाता था। यूपी में हमने व्यवस्था की है कि जिसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, सांसद-विधायक या सामान्य आदमी भी पत्र लिख देता है तो सीधे उसके अकाउंट में पैसा भेज दिया जाता है यानी पैसे की कमी के कारण कोई उपचार से वंचित न रहने पाए। यूपी में केवल सादी दाल नहीं होगी, दाल में तड़का भी होगा। 10 करोड़ लोगों को फ्री में सिलेंडर मिले हैं तो हमने तय किया है कि यूपी में होली-दिवाली फीकी नहीं होगी, फ्री में एक-एक सिलेंडर भी देंगे।

पीलीभीत और बरेली के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा

रामलला की जमीन हो या गरीब की, कोई कब्जा नहीं कर सकता: योगी

बहेड़ी (बरेली), 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामलला की भूमि हो या किसी गरीब-व्यापारी और सामान्य नागरिक की जमीन। जो भी भूमाफिया सार्वजनिक जमीनों पर कब्जा करेगा। उसे लेने के देने पड़ेंगे। उससे ब्याज सहित वसूली होगी। उनकी सम्पत्तियों पर गरीबों के लिए वैसे ही आवास बनाएंगे, जैसे प्रयागराज में बनाया था। जब एक जैसी सरकारें होती हैं, अच्छे लोग चुनकर जाते हैं तो परिणाम भी अच्छा ही आता है। आपने कमल को वोट दिया तो विकास और सुरक्षा भी हो रही है। हमने सुरक्षा का बेहतर वातावरण दिया है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने शनिवार को पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी व प्रदेश सरकार के मंत्री जितिन प्रसाद व बरेली से भाजपा उम्मीदवार छत्रपाल सिंह गंगवार के पक्ष में जनसभा कर उन्हें चुनाव जिताने की अपील की। सीएम ने बैसाखी की बधाई दी। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने वंचित कर दिया था पर अब भारत का कोई भी नागरिक जम्मू-कश्मीर में जाकर जमीन खरीद सकता है। पिछली सरकारें कर्फ्यू लगाती थीं। दंगा पॉलिसी के लिए कुख्यात थीं। दूसरी तरफ यूपी में पिछले सात वर्ष में कोई दंगा नहीं हुआ। नो कर्फ्यू-नो दंगा, यूपी में है सब चंगा। सीएम ने कहा कि बरेली में पहले हर महीने दंगा होता था, आज दंगाई जान की भीख मार रहे हैं। उन्हें पता है कि ऐसा करने पर उल्टा टंगवा दिए जाएंगे। अब यह नहीं हो पाएगा कि दंगा भी कराएंगे और किसी पार्टी से जाकर जबर्दस्ती फतवा जारी कर अव्यवस्था पैदा करेंगे। कांग्रेस, सपा व बसपा के समय लगातार दंगे पर दंगे होते थे। जो लोग पहले आम जनता, बेटियों-व्यापारियों की जान के खतरे थे, आज वे जान की भीख मांगे फिर रहे हैं। कुछ लोग पहले ही कर्मों की सजा पा चुके हैं। कुछ लोग भयभीत होकर जहन्नुम की यात्रा पर जा रहे हैं।

सीएम ने कहा कि यहां का परिश्रमी किसान अपने पुरुषार्थ से धरती माता से सोना उगलकर देश का पेट भरता है। पिछली सरकारों ने उसके परिश्रम की कीमत नहीं समझी। बड़ेड़ी इतिहास के परिवर्तन की धरती है। बहुत बार बहेड़ी का निर्णय कौतूहल व आश्चर्य का विषय बनता है। मुझे बहेड़ी आकर काफी अच्छा लगा। बहेड़ी में ही मेगा फूड पार्क का काम हो रहा है। सीएम ने कहा कि जिसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और वह बीमार हो गया। ऐसी स्थिति में सांसद-विधायक या पीड़ित एक पत्र लिख देता है तो तत्काल जिले से रिपोर्ट मंगाकर उसके खाते में पैसा भेज दिया जाता है। जो भी प्रदेश का नागरिक है, उसे सुविधा प्रदान करना मेरा दायित्व है। यूपी में कहीं मेगा फूड पार्क तो कहीं आईटी पार्क बन रहा है। विकास की परियोजनाएं लाकर नौजवानों की आजीविका का प्रबंध हो रहा है।

सीएम ने कहा कि बहेड़ी के मतदाताओं को आश्वस्त करता हूं कि सात वर्ष में हम लोगों ने किसानों की गन्ना व चीनी मिल की समस्या को समाप्त करने का भरपूर प्रयास किया। 120 चीनी मिलें हम चला रहे हैं। 105 मिलें एक सप्ताह के अंदर भुगतान कर रही हैं। 15 मिलों का भुगतान लेट है। हमने अब तक ढाई लाख करोड़ का गन्ना भुगतान किसानों को किया है। सात वर्ष में ढाई लाख करोड़, जबकि कांग्रेस, सपा-बसपा के 22 साल के कार्यकाल में भी नहीं कर पाए। जो मिलें समय से भुगतान नहीं करेंगी, हम किसानों को उसका मालिक बनाएंगे। किसान ही वहां कोऑपरेटिव बनाकर मिलों को संचालित करेगा। एक-एक पाई का हिसाब लेंगे, किसी का एक पैसा डूबेगा नहीं। हम समस्या नहीं, समाधान पर विश्वास करते हैं। इस अवसर पर बरेली के सांसद संतोष गंगवार, प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान, डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, बलदेव सिंह औलख, बरेली से भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह गंगवार, पीलीभीत से उम्मीदवार जितिन प्रसाद, विधायक एमपी आर्य, डीसी वर्मा, कुंवर महराज सिंह, विधान परिषद सदस्य प्रांशु दत्त द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

सलाह

इन घरेलू उपायों से करें जिंजीवाइटिस का उपचार

जिंजीवाइटिस मसूड़ों की बीमारी का एक प्रकार है। इसके परिणामस्वरूप मसूड़ों में सूजन, कोमतला और लालिमा आ जाती है। जब प्लेक (चिपचिपा पदार्थ जिसका मुंह में कीटाणु की उपस्थिति के कारण लगातार गठन होता है और लार, खाद्य कणों और दांतों की सतह पर अन्य प्राकृतिक पदार्थ के साथ जमा हो जाता है।) रोजाना ब्रशिंग और फ्लसिंग द्वारा दूर नहीं होता है। तब जिन्जिवाइटिस की समस्या होती है।

जिंजीवाइटिस अक्सर दंत स्वच्छता का ध्यान रखने के कारण होता है। जिंजीवाइटिस का इलाज नही किया जाए तो यह प्रोडोन्टिटिस नामक बीमारी को बढा सकता है और दांत और जबड़े के स्थायी नुकसान का कारण बन सकता है। लेकिन बहुत सारे घरेलू उपाय इस समस्या के लक्षणों से राहत प्रदान करने में आपकी मदद कर सकते है।

एलोवेरा: एलोवेरा मसूड़ों की सूजन को कम करने में सहायक होता है। यह सूजन को कम करने के साथ-साथ, बैक्टीरिया को नष्ट करने और जल्दी उपचार में मदद करता है। जिंजीवाइटिस की समस्या से बचने के लिए एलोवेरा जैल को मसूड़ों पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। फिर पानी से कुल्ला कर लें। इस उपचार को तब तक दोहराये जब तक समस्या ठीक न हो जाये।

बेकिंग सोडा: बेकिंग सोडा जिंजीवाइटिस के लिए एक लोकप्रिय घरेलू उपाय है। बेकिंग सोडा में थोड़ा सा पानी मिलाकर, इसे अपनी उंगली से मसूड़ों पर लगाये। इस उपाय से बैक्टीरिया से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी।

पुदीने के पत्ते: गले में ठंडक का एहसास दिलाने वाला पुदीना एक ऐसा हर्बल है, जिसका सेवन हर मौसम में किया जाता है। पुदीना बहुत ही स्वादिष्ट और रिफ्रेशिंग होता है। यह खाने में स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। जिंजीवाइटिस की समस्या होने पर कुछ पुदीने की पत्तियों को आधे घंटे के लिए पानी में भिगो कर, फिर इस मिश्रण से कुल्ला करें। जिंजीवाइटिस की समस्या के साथ सांसों में बदबू का इलाज करने में भी मदद करता है।

लौंग: लौंग मसूड़ों की सूजन के लिए सबसे बढ़िया घरेलू उपचारों में से एक है। समस्या होने पर एक लौंग लेकर उसे मसूड़ों पर धीरे-धीरे रगड़ें। इसके अलावा आप लौंग की जोड़ी को मसूड़ों के पास रखकर कुछ समय के लिए छोड़ दें। लौंग का तेल भी मसूड़ों की सूजन के उपचार में लाभदायक होता है।

क्रेनबेरी: जिन्जीवाइटिस मसूड़ों में टॉर्टर, प्लाक के कारण होते हैं। इससे मसूडे दुखदायी, लाल और फूल जाते हैं। जिन्जीवाइटिस की समस्या से बचने के लिए आप एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर क्रेनबेरीका प्रयोग कर सकते हैं। मसूडे की सूजन को दूर करने के लिए आप प्राकृतिक उपचार क्रेनबेरी जूस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बैक्टीरिया के प्रसार को सीमित करने में आपकी मदद करता है। लेकिन ध्यान रहें क्रेनबेरी के जूस को बिना चीनी के ही पीये।

नींबू: विटामिन-सी से भरपूर नीबू स्फूर्तिदायक और रोग निवारक फल है। नींबू का रस बैक्टीरिया को मारने और सूजन को कम करने में मदद करता है। समस्या होने पर एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू निचोड़कर, दांतों में ब्रश करने के बाद इसे माउथवॉश के रूप में उपयोग करना चाहिए।

तेजपात : तेजपात में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते है। समस्या होने पर एक बड़ी चम्मच तेजपात को पानी में मिलाकर कुछ मिनट के लिए उबालें। इसके बाद इसमें नमक की एक चुटकी मिलाकर इस मिश्रण को बोतल में डाल लें। इस बोतल को बाद में उपयोग के लिए आप फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं। यह ब्रशिंग के बाद संक्रमित और मसूड़ों में जलन को शांत करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

आंखों के लिए योगा-सर्वांगासन

सर्वांगासन व्यायाम करने के लिए एक सहज पोजीशन में बैठ जाए, जिससे आपका दिमाग और शरीर रिलैक्स महसूस कर सके। टांगो को सीधा रखते हुए मेट पर लेट जाए और रिलैक्स करें। इसके बाद अपनी दोनों टांगों को ऊपर की तरफ नब्बे डिग्री तक ले जाए और फिर टांगो को स्ट्रेच करते हुए जितना हो सके हिप्स के सहारे ऊपर तक ले जाए। आँखें बंद कर ले और घुटनो को मोड़ते हुए नीचे लाये और थोड़ी देर आराम करें।

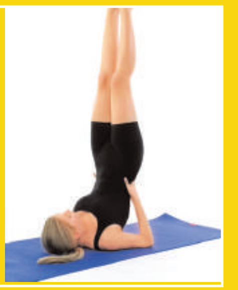

दाग धब्बे हटाने का हर्बल उपाय

चेहरे के दाग धब्बे मिटाने के लिए लोग कई तरह के ब्यूटी ट्रीटमेंट करवाते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए मंहगे ट्रीटमेंट की बजाए आप घर पर ही सस्ता और असरदार उपाय अपना कर इस परेशानी से राहत पा सकते हैं। चेहरे के दाग धब्बे मिटाने का आसान उपाय: पुदीने के पत्ते, बनाने की विधि, पुदीने के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार कर लें। ,इसके बाद इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं। ,

ध्यान में रखें यह बात ,किसी भी तरह का उपाय करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

फिश टैंक महत्व और उसकी सही दिशा

आज हम घर में फिश टैंक के महत्व और उसके रखने की सही दिशा के बारे में बता रहें हैं।

घर में फिश टैंक की दिशा

घर के दक्षिण-पूर्व भाग को सबसे शुभ माना जाता है ,उसे निरंतर साफ करते रहें अन्यथा गन्दा फिश टैंक आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

ऑफिस में फिश टैंक की दिशा

» ऑफिस के उत्तर, उत्तर-पूर्व एवं पूर्व दिशा में फिश टैंक को रखने से आपके व्यवसाय में वृद्धि होती है। यदि आप ऑफिस में फिश टैंक रखना चाहते हैं तो गोल एक्वेरियम का उपयोग करें।

» व्यापार में आर्थिक परेशानियों को दूर करने अरोवना फिश एवं प्रसिद्धि पाने के लिए गोल्ड फिश को रखना फायदेमंद होता है।

इन जगहों पर न रखें फिश टैंक

फिश टैंक वैसे तो खुशहाली को बढ़ाता है लेकिन सही स्थिति की जानकारी न हो और इसे गलत दिशा और स्थान पर रखा जाए तो यह विपरीत असर भी डालती है.इसे घर के बेडरूम, किचन या बाथरूम में नहीं रखना चाहिए अन्यथा घर में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और हानि हो सकती है।

फिश टैंक महत्व

» यह स्ट्रेस और विचलित मन को शांत बनाने में भी फिश टैंक कारगर होता है।

» मछलियों में से अगर कुछ मछलियाँ मर जाती हैं तो आपके घर में आने वाली विपत्तियाँ उसके साथ ही खत्म हो जाती मछलियों की मृत्यु हो जाती है उतनी ही मछलियाँ फिर से लाकर टैंक में डाल देना चाहिए।

सलाह

खाली पेट लहसुन खाना है फायदेमंद

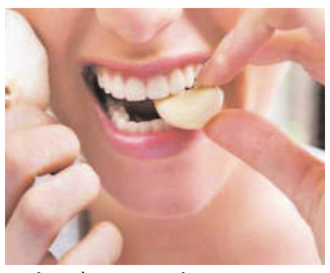

लहसुन एक जड़ी बूटी है। भोजन को स्वादिष्ट बनाने वाले मसाले के रूप में इसका इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन यह वास्तव में कई प्रकार की बीमारियों को रोकने और इलाज में काफी कारगर होता है। इसकी गंध बहुत ही तेज और स्वाद तीखा होता है। लहसुन में एलियम नामक एंटीबायोटिक होता है जो बहुत से रोगों के बचाव में लाभप्रद है। नियमित लहसुन खाने से ब्लडप्रेशर कम या ज्यादा होने की बीमारी नहीं होती। एसिडिटी की समस्या में इसका प्रयोग बहुत ही लाभदायक होता है। कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि खाली पेट लहसुन का सेवन करने से इसकी शक्ति और भी बढ़ जाती है और यह बेहद मजबूत प्राकृतिक एंटीबायोटिक बन जाता है।

खाली पेट लहसुन खाने के फायदे

कई लोगों ने पाया कि लहसुन उच्च रक्तचाप के लक्षणों से वास्तव में आराम पहुंचाता है। यह न केवल रक्त परिसंचरण को नियंत्रित करता है बल्कि विभिन्न प्रकार की हृदय संबंधी समस्याओं से भी बचाता है और इसके आपके लीवर और ब्लैडर के सभी कार्य भी ठीक से होते हैं।

लहसुन पेट की समस्याओं जैसे डायरिया के इलाज के लिए कारगर होता है। साथ ही यह तंत्रिका की समस्याओं के लिए भी अद्भुत उपाय है, लेकिन तब जब लहसुन का सेवन खाली पेट किया जाये। लहसुन पेट की समस्याओं के उपचार में वास्तव में बहुत प्रभावी है - यह अच्छे पाचन और भूख को बढ़ाने में मदद करता है। लहसुन के सेवन से पेट के तनाव को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इस तरह से घबराहट के कारण शरीर में बार-बार पैदा होने वाले एसिड का उत्पादन बंद हो जाता है। लहसुन दुनिया के हर हिस्से में अपने स्वास्थ्य लाभ के लिए लोकप्रिय है। इसी मुख्य कारण से वर्षों से लोग इसे एक औषधि के रूप में जानते हैं।

लहसुन और वैकल्पिक चिकित्सा

लहसुन डिटॉक्सीफिकेशन गुणों के कारण वैकल्पिक चिकित्सा में सबसे कुशल खाद्य पदार्थों में से एक माना जाता है। लहसुन इ तना शक्तिशाली होता है कि यह परजीवी और कीड़े से शरीर को साफ करता है और मधुमेह, अवसाद, और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाता है। लेकिन अगर आपको एलर्जी की समस्या है तो दो महत्वपूर्ण चीजों का ध्यान रखना होगा, एक तो इसका सेवन कच्चा न करें, दूसरा किसी भी प्रकार की त्वचा संबंधी समस्या, शरीर का उच्च तापमान और सिर दर्द होने पर इसका सेवन बंद कर दें। कुछ अध्ययनों के अनुसार एचआईवी/एड्स के लिए दवा लेने वाले रोगियों के लिए लहसुन का सेवन कभी-कभी खतरनाक भी हो सकता है। इसलिए इस विशेष स्वास्थ्य समस्याओं के होने पर आपको बहुत सावधान रहना चाहिए।

लहसुन के अन्य स्वास्थ्य लाभ

लहसुन श्वसन तंत्र के लिए अच्छा होता है- यह टीबी, दमा, निमोनिया, सर्दी, ब्रोंकाइटिस, पुरानी ब्रोन्कियल सर्दी, फेफड़ों में संक्रे मण और खांसी की रोकथाम और इलाज के लिए अच्छा होता है। ट्यूबरक्लोसिस की समस्या होने पर सुबह खाली पेट लहसुन खाना बहुत फायदेमंद होता है। दांत के दर्द में लहसुन का सेवन फायदेमंद होता है। यदि कीड़ा लगने से दांत में दर्द हो तो आप लहसुन के टुकड़ों को गर्म करें और उन टुकड़ों को दर्द वाले दांत पर रखकर कुछ देर तक दबाएं। ऐसा करने से दांत का दर्द ठीक हो जाता है। फ्लू यानी इन्फलुएन्जा में सुबह उठकर गर्म पानी के साथ लहसुन और प्याज का रस पीने से फ्लू से निजात मिलता है। ये एक एंटीबायोटिक तरह है।

एक मां ही समझ सकती है मातृत्व की ये बातें

मदरहुड यानी मातृत्व अपने साथ ढेर सारी खुशियां और परिवर्तन के साथ ही कुछ ऐसे बदलाव भी लेकर आता है जो शायद आपको पसंद न हो। इस तरह के अप्रिय बदलावों के बारे में कोई भी पैरेंटल गाइड आपको जानकारियां नहीं देता। मातृत्व के बारे में इन बातों को सिर्फ आप मां बनने के बाद ही समझ सकती हैं-

एक नियम सबके लिए नहीं

जब आप पहली बार अपने बच्चे को गोद में लेती हैं तो तो उस वक्त किसी भी तरह की ट्रेनिंग या एक्सपर्ट अडवाइस काम नहीं आती। हर बच्चा अपने आप में यूनीक होता है। हर बच्चे की जरूरतें अलग-अलग होती हैं और जैसे-जैसे आपका बच्चा बढ़ा होता जाता है आप अपनी पैरेंटल स्टाइल डिवेलप करते जाते हैं। हमेशा याद रखें, कोई एक सेट नियम नहीं है जो हर बच्चे पर लागू हो।

सफाई की नई परिभाषा

अगर आप बहुत ज्यादा सफाई पसंद हैं और आपकी हर एक चीज से अपनी निश्चित जगह पर होती है तो इस बात को याद रखें कि बच्चे के आते ही आपकी यह आदत बदलने वाली है। इसकी शुरूआत होती है सूसू-पॉटी से, फिर खिलौनी, किताबें और यह लिस्ट बढ़ती है। बेस्ट बात यह है कि अपने बच्चे से जुड़े काम करने में आपको तकलीफ नहीं खुशी महसूस होती है।

ब्रेस्टफीडिंग आसन नहीं है

ब्रेस्टफीडिंग उतना आसन नहीं जितना देखने में लगता है। इसमें ढेर सारा सायेंस, आर्ट और टेक्निक जुड़ा है जिसके बारे में आप तभी समझ सकती हैं ज आप खुद बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करना शुरू करें। बच्चे को किस तरह पकड़ना है, कितना दूध पिलाना है, इन्फेक्शन से किस तरह बचना है, ब्रेस्ट में सूजन, ज्यादा दूध, कम दूध... इस तरह की कई समस्याएं जिसके बारे में आप मां बनने के बाद ही समझ सकती हैं।

समस्याओं के लिए तैयार रहें

आप पूरे उत्साह, जोश और उमंग के साथ अपनी मातृत्व की पारी की शुरूआत करेंगी और सबकुछ परफेक्ट करना चाहेंगी। लेकिन बच्चे को संभालना, उसकी साफ-सफाई, उसके कपड़े धोना, घर साफ करना, खाना बनाना और इन सबके बाद रात में ढंग से नींद भी न ले पाना। यह सब किसी को भी परेशान कर सकता है। लिहाजा मां बनने के बाद इन छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी तैयार रहें।

परफॉर्मेंस पता करने का तरीका नहीं

हर छोटा बड़ा काम जो आप करते हैं उससे आपके बच्चे की पर्सनैलिटी पर गहरा असर पड़ता है। लिहाजा सालों तक मां के तौर पर बेहतरीन काम करने के बाद भी आप यह नहीं जान पाती हैं कि अपने बच्चे को पालने में आपकी परफॉर्मेंस कैसी रही। कम से कम 20-30 साल तक तो बिलकुल नहीं।

हृदय के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है अंगूर

दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे अंगूर पसंद न हों। द्राक्ष, रसाला, मधुफला, फलोत्रमा आदि नाम अंगूर के ही हैं। मीठे, रसीले और ठंडक प्रदान करने वाले इस फल का जन्म स्थल रूस के आरमेनिया नामक स्थान को माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि कि ईरान तथा अफगानिस्तान से होता हुआ यह फल भारत में भी पहुंचा। यह फल केवल ताजा नहीं बल्कि सुखाकर किशमिश व मुनक्के के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। शराब बनाने के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है।

बाजार में अंगूर की बहुत सी किस्में उपलब्ध हैं। जैसे रंग के आधार पर अंगूर की दो किस्में हैं काले तथा हरे अंगूर। कुछ अंगूरों का आकार लम्बा होता है तो कुछ का गोल। इसी प्रकार छोटे और बड़े अंगूर भी पाए जाते हैं। कुछ अंगूरों में बीज होते हैं जबकि बेदाना में बीज नहीं होते।

हालांकि इनमें प्रोटीन, वसा, विटामिन और खनिज लवण बहुत ही कम मात्रा में होते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट शर्करा के रूप में पाया जाता है इसमें ग्लूकोज तथा फ्रक्टोज किस्म की शर्करा पाई जाती है इसी कारण इनका सेवन काफी स्फूर्तिदायक सिद्ध होता है। दूसरी और किशमिश में शर्करा की मात्रा अंगूर से ज्यादा होती है इससे उसमें मिलने वाली ऊर्जा की मात्रा भी ज्यादा है। ताजा अंगूरों की सौ ग्राम मात्रा से जहां लगभग सत्तर कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है वहीं किशमिश की इतनी ही मात्रा से लगभग तीन सौ आठ कैलोरी ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

अंगूर हमारे स्वास्थ्य का भी रक्षक होता है। अंगूर को सुखाकर तैयार की जाने वाली मेवा किशमिश तथा बड़े बीज वाले अंगूर को सुखाकर तैयार किया जाने वाला मुनक्का दोनों ही बहुत लोकप्रिय हैं। इनके विविध औषधीय प्रयोग किए जाते हैं। आयुर्वेदिक तथा यूनानी दवाओं में अक्सर इनका प्रयोग किया जाता है। कफ, दुर्बलता तथा कब्ज को दूर करने के लिए

इनका प्रयोग फायदेमंद होता है। इसके लिए पंचामृत अवलेह नामक मिश्रण तैयार किया जाता है। इसे बनाने के लिए एक-एक भाग सोंठ, पीपल, काली मिर्च तथा सेंधा नमक मिलाकर पीस लें। फिर उसमें चालीस भाग मुनक्का मिलाकर उसका सेवन करें। आमतौर पर इसकी एक छोटी चम्मच मात्रा का सुबह-शाम प्रयोग पर्याप्त होता है। कब्ज, कफ तथा मंदाग्नि में इससे आशातीत लाभ होता है। यकृत (लीवर) तथा किडनी के रोगों में भी अंगूर तथा किशमिश का प्रयोग लाभकारी होता है। सभी प्रकार के बुखारों तथा क्षय रोग (टीवी) के समय शरीर को अधिक ऊर्जा व बल की जरूरत होती है ऐसे अंगूर का सेवन करना श्रेष्ठ होता है। यों तो अंगूर के रस को संरक्षित कर बोतलों में रखा जा सकता है परन्तु ऐसा करने से आप उससे प्राप्त होने वाले फाइबर (रेशे) से वंचित हो जाएंगे। शर्करा की मात्रा अधिक होने के कारण अंगूरों का खमीरीकरण करके अच्छी किस्म की मदिरा भी तैयार की जाती है। अंगूरों की तासीर ठंडी होती है। सेवन करने पर ये शीतलता प्रदान करते हैं अत: दाह तथा हॉट फ्लशज के उपचार के लिए इनका प्रयोग किया जा सकता है।

इधर परीक्षण यह बताते हैं कि अंगूर जीवनदायी गुणों से भरपूर है। हृदय की सुरक्षा में ताजे अंगूरों का बहुत महत्व है। ताजा अंगूरों में पालिफिनाल नामक तत्व होता है जो हमारे हृदय के लिए फायदेमंद होता है। रेडवाइन की तरह ताजा अंगूर भी रोगियों के हृदय तथा धमनियों को आक्सीडेशन से होने वाले नुकसान से बचाता है। अंगूर तथा वाइन दोनों में एक जैसे पॉलीफिनोल पाए जाते हैं। केटेचिन्स, रेसवेराट्रोल, एंथोसायेनिन तथा क्वेरसिटिन जैसे पॉलीफिनोल, जो अंगूरों में भी पाए जाते हैं, वास्तव में सभी बीमारियों से लड़ने वाले फाइटोन्यूट्रिएंट हैं जो हमारे हृदय के मददगार साबित होते हैं।

अंगूरों में उपस्थित पॉलिफिनोल दो प्रकार से एटी आक्सिडेंट की भूमिका निभाते हैं। पहले ये फ्री-रेडिकल्स को निष्क्रिय कर देते हैं फिर आक्सीजन के एक बाय-प्रोडक्ट मेलोडायएल्डीहाइड के बनने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। ये सभी स्थितियां हृदय के लिए आदर्श होती हैं।

अंगूर के उत्पाद तो फायदेमंद होते ही हैं, अंगूर भी हृदय का बचाव करने में अव्वल हैं। अंगूरों का सेवन, हार्ट अटैक के बाद आश्चर्यजनक लाभ देता है। परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि अंगूरों के सेवन से न केवल रोगी के खून के दबाव में सुधार आता है बल्कि हृदय के खून पम्प करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। यही नहीं हार्ट अटैक के बाद मृत होने वाले हिस्से अथवा जिस हिस्से को नुकसान पहुंचा हो, का क्षेत्र भी काफी घट जाता है। इसी प्रकार अंगूर का जूस एलडीएल के आक्सीकरण को रोकता है और खून के थक्के बनने की प्रवृत्ति को कम करता है। अब जबकि इस छोटे, रसीले और गुच्छों में लगने वाले फल के इतने अधिक फायदे उजागर हो चुके हैं, इसे सिर्फ एक सजावटी टेबल फ्रूट समझना उचित नहीं क्योंकि अंगूर जीभ के स्वाद के साथ-साथ आपके हृदय का भी ख्याल रखते हैं इसलिए इन्हें आसानी से आपके दिल का मददगार कहा जा सकता है।

शरीर में हो गई है हीमोग्लोबिन की कमी

आजकल लोग इतने व्यस्त रहने लगे हैं कि वह अपनी जीवनशैली पर ही ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में वह कई बीमारियों का शिकार होने लगते हैं। इन्हीं में से एक है हीमोग्लोबिन की कमी। दरअसल, हीमोग्लोबिन एक तरह का प्रोटीन होता है जिसमें आयरन पाया जाता है। यह शरीर में ऑक्सीजन का संचार करता है।

जल्दी थकान, सांस फूलना, चक्क र आना आदि इसके लक्षण होते हैं। सामान्यत-पुरुषों में हीमोग्लोबिन की मात्रा 13.5-17.5 मिलीग्राम/ डिसीलीटर और महिलाओं में 12.0-15.5 मिलीग्राम/ डिसीलीटर होनी चाहिए। इसके होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी 12, विटामिन सी

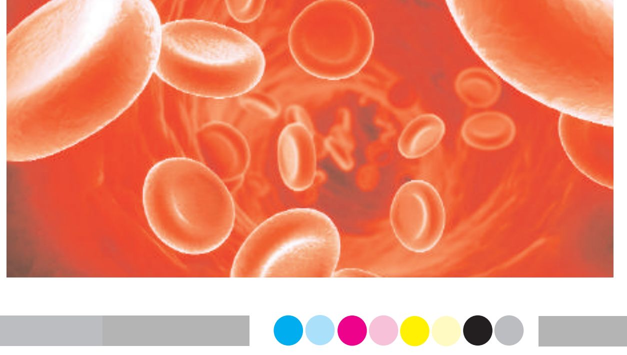

की कमी। आमतौर पर इस बीमारी को एनीमिया के नाम से जाना जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो जाए तो रोजाना अपनी डाइट में इन चीजों को शामिल करने से आपको फर्क पड़ेगा।

हीमोग्लोबिन की कमी होने पर आपको अपनी डाइट में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए जो आयरन और विटामिन की कमी को पूरा करते हैं। ऐसे में पालक, मेथी, चुकुंदर, सेम की फली, टमाटर, राजमा, शकरकंद, गोभी, कद्दु, शिमला मिर्च आदि सब्जियों का सेवन करना चाहिए। फलों में आप पपीता, संतरा, अमरूद, स्ट्रॉबेरी, अंगूर, अनार भी हीमोग्लोबिन का स्तर काफी तेजी से बढ़ाते हैं। आयरन की कमी को पूरा करने के लिए मूंगफली खाएं।

रेसिपी

मखाने की खीर

आवश्यक सामग्री

- 1 लीटर दूध
- 1 कप मखाने
- 1 छोटा चम्मच घी
- 1 छोटा चम्मच चिरौंजी
- 10 काजू
- 10 बादाम
- 1 चम्मच इलायची पाउडर
- द कप चीनी

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम महीन काटकर अलग रख लें। मखानों को महीन काट लें और फिर मिक्सी में दरदरा पीस लें। अब एक भारी तली के पैन में घी गरम करें और उसमें मखानों को 1 मिनट के लिए भून लें। अब मखानों में दूध डालकर पहले उबाल के बाद आंच को धीमा कर दें। दूध को तब तक पकने दें जब तक कि मखाने पूरी तरह से गल जाएं। 5-7 मिनट के गैप में खीर को चलाते रहें ताकि वो तली में लगने ना पाए। अब कटे हुए मेवे और चीनी को खीर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 5 मिनट बाद इलायची पाडउर डालकर गैस बंद कर दें। मखाने की खीर तैयार है। इसे ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। चाहे तो इसे गर्म सर्व करें या फिर ठंडा होने के बाद परोसें।

बादाम अंजीर का हलवा

आवश्यक सामग्री

- आधी कटोरी बादाम, टुकड़ों में कटे हुए
- 250 ग्राम अंजीर,
- 2 बड़ा चम्मच घी
- आधा लीटर दूध
- एक कप कंडेंस्ड मिल्क

विधि

सबसे पहले अंजीर के टुकड़ों को एक घंटे तक दूध में भिगोकर रखें। इसके बाद इसे मिक्सर जार में डालकर पीस लें। बादाम को भी पीस लें। कुछ टुकड़ों रहने दें। इनका इस्तेमाल हम गार्निशिंग के लिए करेंगे।

स्वीट डिश को और भी टेस्टी बना देंगे ये टिप्स: अब एक पैन में घी डालकर गर्म होने के लिए मध्यम आंच पर रखें। फिर इसमें बादाम का पाउडर, कंडेंस्ट मिल्क और अंजीर का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे तो आंच बंद कर दें। तैयार हलवे को बादाम से गार्निश कर गर्मागर्म सर्व करें।

दिमाग की बत्ती

अंदर गर्म है पृथ्वी, क्यों?

पृथ्वी के अंदर से गर्म होने के दो कारण हैं। आज से कोई साढ़े चार अरब साल पहले पृथ्वी का निर्माण बहुत सारे कणों से मिलकर हुआ था। इन कणों के एक-दूसरे के पास आने से बहुत ज्यादा ऊर्जा पैदा हुई, जिसे आदिकालीन गर्मी कहा जाता है। यह गर्मी अब भी मौजूद है, क्योंकि पिछले साढ़े चार अरब सालों में पृथ्वी धीरे-धीरे ठंडी हुई है। इसलिए उसकी ऊपरी परत ठंडी है, लेकिन भीतर की परतों में तापमान अब भी बहुत है। इसकी भीतरी गर्मी का दूसरा कारण है रेडियों धर्मी तत्व। जब पृथ्वी बनी थी, तो उसमें एल्युमीनियम 26, जैनॉन 129 जैसे तत्व थे, जो अब नहीं मिलते। लेकिन इनके अलावा पोटाशियम 40, थोरियम 232, यूरेनियम 235 ये सभी तत्व अब भी मौजूद हैं, जिनसे परमाणु रिएक्शन होते रहते हैं और पृथ्वी इतनी गर्म रहती है।

क्या आप जानते है?

- दुनिया के प्रत्येक डाक-टिकट पर उस देश का नाम अंकित रहता है, जहां से वह जारी होता है। केवल इंग्लैंड ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसके टिकट पर देश का नाम नहीं छपा होता। विश्व में डाक-टिकटों का प्रचलन सबसे पहले इंग्लैंड से हुआ था।
- जिस प्रकार मनुष्यों को उनकी उंगलियों की छाप से पहचाना जा सकता है, उसी प्रकार जानवरों को उनकी नाक की छाप से पहचाना जा सकता है।
- सोना सबसे ज्यादा लोचदार धातु है। केवल एक ओंस सोने से 43 मील लंबा तार खींचा जा सकता है।
- किसी भी मछली के शरीर की परत पर पड़ी गोल धारियों को गिन कर ठीक उसी प्रकार उसकी आयु बताई जा सकती है, जिस प्रकार पेड़ के तने पर पड़ी गोल धारियों को देखकर पेड़ की उम्र बताई जा सकती है।
- अमरीका की ओइस्टर नामक मछली प्रतिवर्ष 50 करोड़ अंडे देती है, फिर भी उनमें से सामान्यत: एक बच्चा ही वयस्क होने तक जीवित रह पाता है।

तीन दिल वाला

ऑक्टोपस के तीन दिल होते हैं। दो छोटे और एक बड़ा। छोटे दिल बल देकर पहले दोनों गिल्स (अंग जहां से वह सांस लेता है) तक खून पहुंचाते हैं, फिर बड़ा दिल, जिसे सिस्टेमिक हार्ट कहते हैं, शरीर के बाकी हिस्सों तक खून पहुंचाता है।

बिजली बार-बार गिरी

बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हुए आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब तक चलता रहता है, जब तक कि वह एक बड़ी चिंगारी बनकर धरती तक जोरदार चमक बनकर कौंध नहीं जाती...

काले बादलों से घिरा आसमान, तेज हवाएं और अचानक तेज बारिश का केवल एक ही मतलब है कि तूफान आने वाला है। तूफान में बिजली गिरने की संभावना बढ़ जाती है। अमेरिका में आकाशीय बिजली गिरने से हर साल औसतन 73 व्यक्ति मरते हैं और 300 जख्मी होते हैं।

जिंदगी में सबसे ज्यादा बार किसी व्यक्ति पर बिजली गिरने का रिकॉर्ड सुलिवन के नाम दर्ज है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी उसका नाम दर्ज है। न्यूयॉर्क सिटी और दक्षिण कैरोलीना स्थित गिनीज वर्ल्ड एग्जीबिट हॉल्स में सुलिवन की दो रेंजर हैट्स प्रदर्शित की गई हैं, जिन पर बिजली गिरी थी।

7 फरवरी 1912 को जन्मे रॉय क्लेवलैंड सुलिवन अमेरिका के वर्जिनिया में शेनानदोह नैशनल पार्क में पार्क रेंजर थे। सुलिवन पर जिदगी में सात बार विभिन्न अवसरों पर बिजली गिरी, लेकिन वह हर बार बच गए। इसलिए लोग उन्हें 'ह्यूमन लाइटनिंग कंडक्टर' कहकर बुलाते थे। 28 सितंबर, 1983 को तड़के तीन बजे 71 साल की उम्र में उन्होंने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

उस पर सात बार गिरी बिजली

- 1942: सुलिवन पर पहली बार बिजली तब गिरी जब वह फायर लुकआउट टावर में थे। बिजली उनकी टांग पर गिरी, जिसके कारण उन्हें अपने पैर के अंगूठे का नाखून गंवाना पड़ा।
- 1969: दूसरी बार उन पर बिजली उस समय गिरी जब वह एक पहाड़ी सड़क पर ट्रक ड्राइव कर रहे थे। इसके कारण वह बेहोश हो गए और उनके आईब्रो जल गए।
- 1970: जब वह घर के आंगन में बैठे थे, तब बिजली उन पर गिरी और उनका बायां कंधा जल गया।
- 1972: चौथी बार रेंजर स्टेशन में उन पर बिजली गिरी। इससे उनके बालों में आग लग गई। इसके बाद वह जहां भी जाते अपने साथ कार में पानी की बाल्टी जरूर लेकर जाते।

- 7 अगस्त, 1973: सुलिवन ड्राइव कर रहे थे, जब बादल काफी नीचे तक आ गया और कार के भीतर बैठे सुलिवन की हैट के नीचे उनके सिर पर टकराया। एक बार फिर उनके सिर के बालों में आग लग गई। सुलिवन ने अपने पास रखी बाल्टी से सिर पर पानी उंडेल कर खुद को ठंडा किया।
- 5 जून, 1976: कैंपग्राउंड में बिजली गिरने से सुलिवन का टखना जख्मी हो गया। बताया जाता है कि इस बार सुलिवन ने एक बादल देखा, जो उनके पीछे आ रहा था। उन्होंने इससे बचने की बहुत कोशिश की, पर फिर भी बिजली उन पर गिर गई।
- 25 जून, 1977: सातवीं और अंतिम बार उन पर बिजली तब गिरी, जब वह मछली पकड़ रहे थे। आग से सुलिवन की छाती व पेट जल गए, जिसके कारण उन्हें कई जख्म आए और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।

क्या है रहस्य ?

लाइटनिंग के बारे में नैशनल ज्योग्रैफिक्स फ्लैश फैक्ट्स के अनुसार तीन हजार के पीछे एक व्यक्ति पर ही जीवन में एक बार बिजली गिरने की संभावना रहती है। एक व्यक्ति पर सात बार बिजली गिरने की संभावना 22 सैप्टीलियन के पीछे एक (यानी22,000,000,000,000,000,000,000 के पीछे एक) ही है।

रॉय पर बार-बार बिजली क्यों गिरती थी, वैज्ञानिक तौर पर इसका कारण ज्ञात नहीं है। हालांकि एक अनुमान यह लगाया जाता है कि चूंकि सुलिवन को रेंजर होने के कारण ज्यादातर ऐसी जगहों पर रहना पड़ता था, जहां गरज के साथ काफी आंधियां आती थीं। इसके अलावा संभवत: वर्जिनिया का स्थानीय मौसम भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकता है।

मौत बन कर गिरी बार-बार

इटली में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों के लोगों की एक ही ढंग से और एक ही जगह पर अलग-अलग समय में मौत हुई। इटली में 1899 में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जब वह टैरेंटो शहर में अपने घर के बैकयार्ड में खड़ा था। तीस साल बाद उसके बेटे की भी बिजली गिरने से उसी तरह मौत हो गई। वह भी उस समय बैकयार्ड में उसी जगह पर खड़ा था। 8 अक्तूबर, 1949 में रोला प्रिमार्दा की भी मौत ठीक वैसे ही हुई, जैसे उसके पिता व दादा की हुई थी।

मर कर भी चैन न मिला

फरवरी 1918 में फ्लैंडर्स के जंग के मैदान में ब्रिटिश अफसर मेजर समरफोर्ड जब लड़ाई लड़ रहे थे, तब बिजली चमकने पर घबरा कर उनके घोड़े ने उन्हें नीचे गिरा दिया, जिसके कारण कमर से नीचे का उनका शरीर लकवाग्रस्त हो गया।

रिटायरमेंट के बाद समरफोर्ड वैंकूवर चले गए। 1924 में एक दिन जब वह नदी के किनारे बैठे मछली पकड़ रहे थे, तब उस पेड़ पर बिजली गिरी, जिसके नीचे वह बैठे थे। इसके कारण उनके शरीर के दाएं हिस्से को लकवा हो गया। दो साल बाद समरफोर्ड काफी हद तक ठीक हो गए थे। अब वह स्थानीय पार्क में सैर के लिए भी जाने लगे थे। 1930 में गर्मियों के दिनों में जब वह सैर कर रहे थे, तब अचानक बिजली चमकी और उन पर गिर गई। इससे वह पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गए। दो साल बाद उनकी मौत हो गई। बार-बार बिजली गिरने का संयोग उनकी मौत के बाद भी खत्म नहीं हुआ। उनकी मौत के चार साल बाद एक तूफान के दौरान उसी जगह बिजली गिरी, जहां उन्हें दफनाया गया था। इससे उनकी कब्र क्षतिग्रस्त हो गई।

पल्लवी की पिकनिक

पल्लवी को कभी अपनी म मी से डांट सुननी पड़ती थी, कभी अपने पापा से, तो कभी अपने दादादादी से। उसे डांट पड़ने का कारण उसका आलसी तथा भुलक्कड़ स्वभाव था। वह खाना खाकर बर्तन नहीं उठाती थी। पढ़ते समय किताबें उठाना भूल जाती थी। स्कूल से आकर वह अपना बैग, जूते, जुराबें कभी कहीं रख देती थी, कभी कहीं। उसका पैन, शार्पनर, रबड़ तथा पैंसिल भी इधर- उधर बिखरे पड़े रहते थे। अक्सर उसे अपने अध्यापकों का भी क्रोध झेलना पड़ता था। कभी-कभी तो वह अपना खाना ले जाने वाला टिफन भी स्कूल में भूल आती थी। उसकी एक और बुरी आदत यह थी कि वह कोई भी काम करने से तुरंत ही इनकार कर देती थी।

उसके स्कूल में तीन छुट्टियां थीं। उसके स्कूल की ओर से उसकी क्लास के बच्चों को पिकनिक पर ले जाने का प्रोग्राम बनाया गया था। पिकनिक पर जाने से पहले बच्चों को यह बताया गया था कि कोई भी बच्चा घर से खाना नहीं लाएगा। खाना सभी बच्चे मिलकर स्वयं बनाएंगे, स्वयं परोसेंगे और अपने-अपने बर्तन भी खुद ही साफ करेंगे। पल्लवी को चिंता थी कि यदि टीचर्स ने उसे कोई काम करने के लिए कह दिया तो वह क्या करेगी, क्योंकि उसने तो कभी कोई काम किया ही नहीं था। वह पिकनिक पर जाना नहीं चाहती थी, लेकिन उसकी सहेलियों ने उसका नाम पिकनिक पर जाने वाले बच्चों में लिखवा दिया। वे पिकनिक मनाने एक पर्वतीय स्थान पर गए।

टीचर्स ने खाना बनाने तथा परोसने के लिए बच्चों को अलग-अलग काम सौंपे। किसी को पानी लाने के लिए कहा गया, किसी को आटा गूंथने के लिए। किसी को सफाई करने के लिए कहा गया, तो किसी को स ज़्ी काटने और बनाने के लिए। पल्लवी को सफाई करने तथा आटा गूंथने के काम दिए गए। पल्लवी ने टीचर्स से डरते हुए इन कामों को करने के लिए हामी तो भर दी, लेकिन उसकी हालत बहुत ही दयनीय बनी हुई थी। वह ठीक ढंग से सफाई भी नहीं कर पा रही थी। उसके पसीने छूट रहे थे। आटा गूंथने से तो उसे डर लग रहा था। टीचर्स उसकी ओर देख रहे थे। कुछ समय बाद उन्होंने पल्लवी के साथ और बच्चों को लगा दिया।

पल्लवी ने अपना काम निपटा तो लिया, लेकिन बहुत मुश्किल से। वह मन ही मन सोच रही थी कि टीचर्स उसके बारे में क्या सोचते होंगे। खाना बनकर तैयार हो गया। बच्चों को बैठा कर खाना परोसा जाने लगा। पल्लवी की सहेली ने उसे खाना परोसने में उसकी सहायता करने के लिए कहा। वह खाना परोसने लगी। उसे सब्जी डालने का काम सौंपा गया। सब्जी डालते समय कभी उससे सब्जी गिर जाती तो कभी बच्चों का पानी का गिलास गिर जाता। सभी बच्चे उस पर हंस रहे थे। खाना खाने के बाद सभी बच्चों को इक्ट्ठा किया गया।

बच्चों ने मनोरजंक कार्यक्रम पेश किए। मंच संचालन की भूमिका पल्लवी ने संभाली। उसने मंच का संचालन बहुत अच्छे ढंग से किया। सभी बच्चों ने उसकी प्रशंसा की। पिकनिक से लौटते समय पल्लवी को अपनी गलतियों का अहसास हो रहा था। वह सोच रही थी कि उसके मम्मी-पापा तथा दादा-दादी उसे ठीक ही डांटते हैं। यदि उसने उनका कहना मानकर कभी घर में काम किया होता तो उसे बच्चों और टीचर्स के सामने शर्मिन्दा न होना पड़ता। उसने उस दिन से ही फैसला कर लिया कि वह भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेगी।

हम बताएं, आप बनाएं

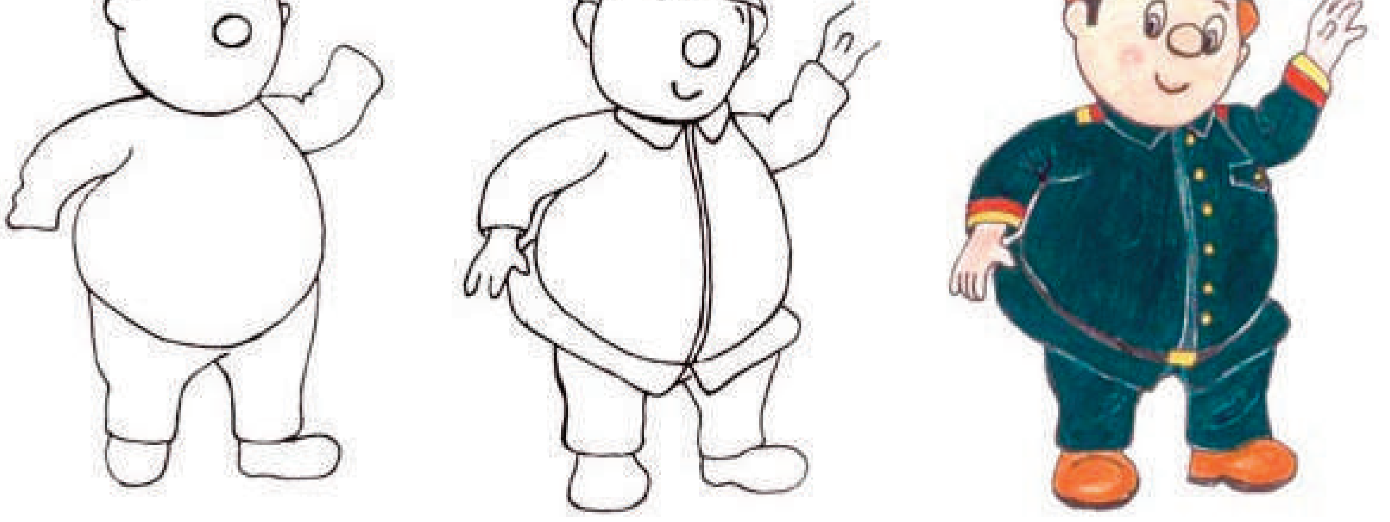

गोल्डन सिटी की सैर

कुछ दिन पहले तक तो बच्चो आप पढ़ाई में खूब व्यस्त थे, लेकिन अब तो ज़्यादातर बच्चों के एग्जजाम्स खत्म हो चुके हैं और उनमें से अधिकतर के तो रिजल्ट्स भी आ चुके हैं या इस हफ्ते आ जाएंगे। नई क्लासिस शुरू होने में अभी कुछ समय बाकी है, इसलिए इन दिनों जब आप पर पढ़ाई का कोई बोझ भी नहीं है, तो क्यों न आप अपने मम्मी-पापा के साथ कुछ दिन छुट्टियां बिताने के लिए किसी खूबसूरत जगह पर जाएं। आज हम आपको राजस्थान की गोल्डन सिटी जैसलमेर के पर्यटक स्थलों के बारे में बता रहे हैं।

रेत के ऊंचे-नीचे टीलों पर हवा से बनी लहरें और दूर तक फैली रेत पर चलते ऊंटों के काफिले, मरुभूमि के ऐसे दृश्य हमें फिल्मों में नजर आते हैं। राजस्थान के बहुत बड़े भाग में फैले थार रेगिस्तान में ऐसे कई ठिकाने हैं, जहां आप डेजर्ट के खूबसूरत नजारों का मजा उठा सकते हैं। इन स्थानों की रेतीली धरती पर रेत के विशालकाय टीले दिखाई देते हैं। इन्हें सैंड-ड्यूंस यानी रेत के टिब्बे या रेत के धोरे कहा जाता है।

सुनहरी रेत के असीमित संसार को देखना हो, तो जैसलमेर से बेहतर कोई सैरगाह नहीं है। राव जैसल द्वारा स्थापित यह ऐतिहासिक शहर देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है। गोल्डन सिटी के नाम से प्रसिद्ध जैसलमेर में देखने के लिए एक विशाल किला, सुंदर हवेलियां और शहर से कुछ दूर स्थित सैंड ड्यूंस हैं।

पीले पत्थरों से बने जैसलमेर फोर्ट को सोनार किला कहा जाता है। करीब 80 मीटर ऊंची त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित यह किला विशाल परकोटे से घिरा है। इस परकोटे में 99 बुर्ज बने हैं। किले में प्रवेश के लिए चार द्वार हैं। सोनार किले के अंदर कुछ सुंदर महल भी दर्शनीय हैं। राज परिवार के सुंदर महलों के अलावा यहां आम लोगों के घर भी हैं। कहते हैं शत्रु से जनता की रक्षा के लिए राजाओं ने पूरे शहर को किले की चारदीवारी में ही बसाया था।

इस शहर में भव्य हवेलियां भी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। 19वीं शताब्दी में समृद्ध व्यवसायियों द्वारा बनवाई गई ये हवेलियां छोटे वास्तुशिल्प में कला का समावेश करने के उस दौर का अद्भुत उदाहरण हैं। इनमें सबसे आकर्षक पटवों की हवेली है। यह सात मंजिली पांच हवेलियों का समूह है।

जैसलमेर की गडीसर झील में बोटिंग का आनंद लिया जा सकता है। वैसे सैलानियों के लिए यहां सबसे बड़ा आकर्षण शहर से 42 किमी दूर स्थित सम सैंड ड्यूंस हैं। वहां तक आप जीप से पहुंच सकते हैं, फिर सामने रेत ही रेत होगी। चाहे आप रेत पर पैदल घूमें या फिर ऊंट पर बैठ रेत के धोरों के मध्य घूमने निकल पड़ें। रेत के इस समंदर में घूमना आपको रोमांचक लगेगा।

शाम के समय मरुटीलों के पीछे छिपते सूर्य का दृश्य आपका मन मोह लेगा। इसके अलावा लोद्रवा, कनोई, कुलधारा आदि गांवों के समीप भी रेत के टीले देखे जा सकते हैं।

कागज से नहीं बनते नोट

करंसी नोट्स साधारण कागज से नहीं बनाए जाते। इन्हें बनाने में विशेष तरह की कॉटन व लिनेन का इस्तेमाल किया जाता है।

संघर्ष ही जीवन है

वनस्पति अध्यापक अपने छात्रों को पढ़ा रहे थे कि एक कैटरपिलर किस तरह तितली में बदल जाता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि अगले कुछ घंटों में तितली कोकून से बाहर निकलने के लिए छटपटाएगी, लेकिन उन्होंने कहा कि तितली को बाहर निकलने में कोई मदद न करे। इतना कहकर वह बाहर चले गए।

तितली कोकून ने बाहर निकलने के लिए छटपटाने लगी। यह देखकर एक बच्चे को बड़ी दया आई। अपने अध्यापक की बात की परवाह किए बगैर, उसने कोकून तोड़कर तितली को बाहर निकलने में मदद की, जिससे तितली को संघर्ष नहीं करना पड़ा और वह आसानी से बाहर निकल आई, लेकिन थोड़ी देर में तितली मर गई।

अध्यापक वापस आए और पूरा माजरा समझ गए। उन्होंने बच्चे को समझाया कि उसने तितली की मदद करने की बजाय उसे मार दिया, क्योंकि कुदरत का यह उसूल है कि कोकून से बाहर आने में जो संघर्ष तितली करती है, वही उसके पंखों को मजबूत बनाता है। बच्चे ने उसका संघर्ष छीन लिया, इसलिए तितली मर गई।

इसी सिद्धांत को हमें अपने जीवन पर भी लागू करना चाहिए। बिना संघर्ष के जीवन में कुछ भी महत्वपूर्ण हासिल नहीं होता है।

भारत-मॉरीशस कर संधि प्रोटोकॉल पर काम बाकी, अनुमोदित अधिसूचित किए जाने पर आईटी विभाग ने कही ये बात

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)।

आयकर विभाग ने कहा कि दोहरे कराधान बचाव समझौते पर संशोधित भारत-मॉरीशस प्रोटोकॉल को अभी तक विभाग द्वारा अनुमोदित और अधिसूचित नहीं किया गया है। भारत और मॉरीशस ने 7 मार्च, 2024 को डीटीएए में एक संशोधन पर हस्ताक्षर किए और समझौते में एक प्रमुख उद्देश्य परीक्षण (पीपीटी) को शामिल किया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करके कर से बचाव को कम करना है कि संधि के लाभ केवल वास्तविक उद्देश्य वाले लेनदेन के लिए दिए जाते हैं।

संशोधित भारत-मॉरीशस डीटीएए पर कुछ चिंताएं उठाई गई - ऐसी चिंताएं थीं कि मॉरीशस के रास्ते आने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशों को कर अधिकारियों द्वारा अधिक जांच का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, ऐसी आशंकाएं भी थीं कि पिछले निवेशों को संशोधित प्रोटोकॉल द्वारा कवर किया जा सकता है। सोशल मीडिया पोस्ट में आईटी विभाग ने कहा कि हाल ही में संशोधित भारत-मॉरीशसडीटीएए पर कुछ चिंताएं उठाई गई है।

जब भी लागू होगा समाधान किया जाएगा- आयकर विभाग

आयकर विभाग ने कहा कि जब भी प्रोटोकॉल लागू होगा, जहां भी आवश्यक होगा, समाधान किया जाएगा। ऐतिहासिक रूप से, 2016 तक भारतीय कंपनियों में शेयरों की बिक्री से पूंजीगत लाभ की गैर-कर देयता के कारण मॉरीशस भारत में निवेश में संलग्न होने के लिए एक पसंदीदा क्षेत्राधिकार रहा है।

भारत में पूंजीगत लाभ पर कर लगाने का दिया अधिकार

2016 में भारत और मॉरीशस ने एक संशोधित कर समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने भारत को 1 अप्रैल, 2017 से शुरू होने वाले द्वीप राष्ट्र के माध्यम से शेयरों में लेनदेन पर भारत में पूंजीगत लाभ पर कर लगाने का अधिकार दिया। इंडसलॉ के पार्टनर लोकेश शाह ने कहा कि भारत-मॉरीशस कर संधि में अब पीपीटी परीक्षण शुरू होने से, भारत में कर अधिकारी टीआरसी (मॉरीशस कर अधिकारियों द्वारा कर निवास प्रमाण पत्र) से परे देखने की संभावना रखते हैं और भारत-मॉरीशस के लाभ को अस्वीकार करने की क्षमता रखेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए तीन साल से ज्यादा नहीं करना होगा इंतजार, नया नियम लागू

नई दिल्ली । स्वास्थ्य बीमा में बड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत पॉलिसीधारकों को अब पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए 36 महीने से ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।पहले इन बीमारियों के इलाज के लिए प्रतीक्षा अवधि 48 महीने थी। नया नियम एक अप्रैल, 2024 से लागू है। बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने हालिया अधिसूचना मे कहा, पहले से हुई किसी बीमारी (पीईडी) की जांच स्वास्थ्य बीमा कंपनी की ओर से जारी पॉलिसी के शुरू होने की तारीख से 36 माह पहले फिजिशियन द्वारा किया जाता है या चिकित्सा सलाह या उपचार की सिफारिश की गई है तो ऐसे मामलों में वेटिंग अवधि 36 माह से ज्यादा नहीं होगी। इरडा के मुताबिक, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के शुरू होने से 36 महीने तक की अवधि के दौरान उल्लिखित बीमारियां या इलाज (दुर्घटना के कारण को छोड़कर) कवर नहीं होते हैं। अवधि पूरी होने पर इन बीमारियों/ उपचारों को कवर किया जाएगा, बशर्ते पॉलिसी को बिना किसी रुकावट के लगातार रिन्यू कराया गया हो। बीमा कंपनी को देनी होगी पुरानी बीमारी की जानकारी इरडा ने स्पष्ट कहा है कि पॉलिसी खरीदते समय खरीदारों को पुरानी बीमारियों के बारे में पूरी जानकारी बीमा कंपनी को देनी होगी।इस आधार पर बीमा कंपनी स्वास्थ्य बीमा उत्पादों में पहले से मौजूद बीमारी की वेटिंग अवधि और विशिष्ट वेटिंग अवधि को कम करने का प्रयास कर सकती हैं। हालांकि, यह नियम विदेशी यात्रा पॉलिसियों के लिए लागू नहीं होगा। आसान उत्पाद पेश करें कंपनियां नियामक ने कहा है कि बीमा कंपनियों को सरल और आसान उत्पाद पेश करने की जरूरत है, जो पॉलिसीधारक को समझ में आ जाए। इनके शब्दों, कवरेज व शर्तों में पारदर्शिता और स्पष्टता हो। पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा हो। उत्पादों से संबंधित सभी जोखिमों पर मूल्य निर्धारण में उचित रूप से विचार किया जाए।

आईपीएल के दौरान होटल और हवाई किराया बढ़ा, पिछले साल की तुलना में इस साल होटलों के किराये में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ

नई दिल्ली । आईपीएल की वजह से इस साल होटल और हवाई किराए में पिछले साल के मुकाबले इस बार होटल किराए में इजाफे में बढ़ोतरी देखी गई है। बताया जा रहा है कि अधिकतर भारतीयों के लिए क्रिकेट धर्म नहीं बल्कि जुनून है इसलिए मांग सिर्फ युवाओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि हर तबके के लोगों के बीच फैली है। खबर के मुताबिक पर्यटक शहर के बारे में जानने के लिए मैच एक-दो दिन पहले पहुंच रहे हैं अथवा मैच के बाद भी एक-दो दिन रह रहे हैं। मांग न केवल मैचों की मेजबानी करने वाले मेट्रो शहर के लिए है बल्कि जयपुर, मोहाली, धर्मशाला, लखनऊ, गुवाहाटी और अहमदाबाद जैसे छोटे शहरों की यात्रा करने वाले यात्री भी अधिक हैं।

कच्चा तेल सपाट, कई शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ, ब्रेंट क्रूड का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बरकरार है। ब्रेंट क्रूड का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चल रहा है। हालांकि, ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते जंग के आसार के चलते इसमें और तेजी आ सकती है। इस बीच 13 अप्रैल को देशभर में पेट्रोल-डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि अन्य राज्यों में ईंधन महंगा और सस्ता हो गया है। छत्तीसगढ़, दमन और द्वीप, गोवा समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल के दाम बढ़े हैं जबकि गुजरात, हरियाणा और कर्नाटक में ईंधन के दाम में कमी आई है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.89 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

मार्च में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.85 प्रतिशत हुई

यह 10 महीने में सबसे कम, वजह खाने-पीने के चीजों की कीमतें घटीं

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)।

मार्च में खुदरा महंगाई दर 10 महीने में सबसे कम रही। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से खुदरा महंगाई दर में ये गिरावट देखी गई है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की खुदरा महंगाई दर मार्च में घटकर 4.85 प्रतिशत रही, इससे पहले जून में यह दर 4.81 प्रतिशत थी। खाद्य महंगाई दर 8.66 प्रतिशत से घटकर 8.52 प्रतिशत पर आ गई ग्रामीण महंगाई दर 5.34 प्रतिशत से बढ़कर 5.45 प्रतिशत आ गई शहरी महंगाई दर 4.78 प्रतिशत से घटकर 4.14 प्रतिशत पर आ गई

महंगाई कैसे प्रभावित करती है - महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है - महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

सीपीआई से तय होती है महंगाई - एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है।

कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

फरवरी 2024 में आईआईपी ग्रोथ 5.7 प्रतिशत दर्ज की गई - वहीं इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन यानी आईआईपी के फरवरी 2024 के आंकड़े भी जारी कर दिए गए हैं। फरवरी में आईआईपी ग्रोथ 5.7 प्रतिशत दर्ज की गई है। जनवरी में यह 3.8 प्रतिशत रही थी। यानी महीना दर महीना आधार पर आईआईपी बढ़ी 1.9 प्रतिशत बढ़ी है।

इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन क्या है - जैसा कि नाम से ही जाहिर है, उद्योगों के उत्पादन के आंकड़े को औद्योगिक उत्पादन कहते हैं। इसमें तीन बड़े सेक्टर शामिल किए जाते हैं। पहला है- मैन्युफैक्चरिंग, यानी उद्योगों में जो बनता है, जैसे गाड़ी, कपड़ा, स्टील, सीमेंट जैसी चीजें।

दूसरा है- खनन, जिससे मिलता है कोयला और खनिज। तीसरा है- यूटिलिटिज यानी जन सामान्य के लिए इस्तेमाल होने वाली चीजें। जैसे- सड़कें, बांध और पुल। ये सब मिलकर जितना भी प्रॉडक्शन करते हैं, उसे औद्योगिक उत्पादन कहते हैं।

इसे नापा कैसे जाता है - आईआईपी औद्योगिक उत्पादन को नापने की इकाई है- इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन। इसके लिए 2011-12 का आधार वर्ष तय किया गया है। यानी 2011-12 के मुकाबले अभी उद्योगों के उत्पादन में जितनी तेजी या कमी होती है, उसे आईआईपी कहा जाता है। इस पूरे आईआईपी का 77.63 प्रतिशत हिस्सा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से आता है। इसके अलावा बिजली, स्टील, रिफाइनरी, कच्चा तेल, कोयला, सीमेंट, प्राकृतिक गैस और फर्टिलाइजर- इन आठ बड़े उद्योगों के उत्पादन का सीधा असर आईआईपी पर दिखता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट रही, सेंसेक्स 74,244 और निफ्टी 22,519 पर बंद

मुंबई,13 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार ने लगातार कीर्तिमान बनाया और आखिरकार शुक्रवार को फिसलकर बंद हुआ। बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की गिरावट देखी गई। बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक अमेरिका में ब्याज दर में कटौती में देरी और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में आई तेजी और चौथी तिमाही के कमजोर परिणाम के अनुमानों की चिंताओं के बीच शेयर बाजार में गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स में भारी गिरावट से निवेशकों के 2.52 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीते सप्ताह ईद उल फित्र पर्व के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच कारोबारी दिनों में से केवल चार दिन कारोबार हुआ। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 74,599 पर खुला और 494.28 अंकों की बढ़त के साथ 74,742.50 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 25600 के स्तर से अधिक बढ़कर खुला और 152.60 अंक चढ़कर 22,666.30 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को नए उच्च स्तर पर खुले। बीएसई सेंसेक्स पहली बार 75,124 के नए शिखर पर खुला और 58.80 अंक फिसलकर 74,683.70 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 20 फीसदी बढ़त के साथ 22,765 अंक पर खुला और 23.55 अंक कमजोर होकर 22,642.75 के पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 270 अंकों की तेजी के साथ 74,953.96 पर खुला और 75000 के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी 77 अंकों की तेजी के साथ 22,720.25 के लेवल पर खुला और 22750 का स्तर पार कर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 304 अंकों की गिरावट के साथ 74,734 के स्तर पर खुला और 793.25 अंक (1.06 प्रतिशत) फिसलकर 74,244.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 82 अंक कमजोर होकर 22,672 के स्तर पर खुला और 234.40 अंक (1.03 प्रतिशत) गिरकर 22,519.40 अंक पर बंद हुआ।

सोना 1,050 रुपए उछलकर 73 हजार रुपए के पार, चांदी भी नए हाई पर पहुंची

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच सोने और चांदी में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी आई और यह 1,050 रुपये की तेजी के साथ 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, दिल्ली में सोने की कीमत 1,050 रुपये की तेजी के साथ 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पिछले सत्र में सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह चांदी की कीमत भी 1,400 रुपये की तेजी के साथ 86,300 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में सोने (24 कैरेट) की हाजिर कीमत 1,050 रुपये की तेजी के साथ 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार कर रही है। ईद-उल-फितर के कारण कमोडिटी बाजार आंशिक रूप से बंद थे। वैश्विक बाजारों में कॉमेक्स पर सोना हाजिर भाव 48 डॉलर की बढ़त के साथ 2,388 डॉलर प्रति औंस हो गया। यूरोपीय कारोबारी दिन शुरुआती घंटों में सोना नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और सीरिया में अपने दूतावास पर इजरायली हमले के खिलाफ ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई की आशंका के बाद सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में मांग बढ़ने से बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी आई है। इसके अलावा वैश्विक बाजार चांदी के भाव भी तेजी के साथ 28.95 डॉलर प्रति औंस हो गया। पिछले सत्र में सोना 28.05 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था। उधर, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में दिन के कारोबार में सोना 72,828 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोने का जून अनुबंध 1,037 रुपये यानी 1.45 फीसदी की तेजी के साथ 72,681 रुपये प्रति 10 ग्राम पर के भाव कारोबार करता दिखा।

200 करोड़ की संपत्ति दान कर सन्यास लेंगे गुजरात के कारोबारी, फोन, एसी, पंखा सब छोड़ करेंगे भिक्षाटन

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)।

गुजरात के साबरकांठा जिले का एक कारोबारी परिवार सुर्खियों में है। दरअसल हिम्मतनगर के रहने वाले बिजनेसमैन भावेश भाई भंडारी और उनकी पत्नी ने अपनी 200 करोड़ की संपत्ति दान कर सन्यास लेने का फैसला किया है। उनके इस फैसले की खूब चर्चा हो रही है। भावेश भाई को जाननेवालों का मानना है कि भंडारी के परिवार का हमेशा से जैन समाज की ओर झुकाव रहा है। अक्सर इनके परिवार की मुलाकात दीक्षार्थियों और गुरुजनों से होती रहती थी।

बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के कारोबार से जुड़े हैं भावेश - भावेश भाई और उनकी पत्नी ने अपनी एशो-आराम की जिंदगी त्यागकर जैन धर्म की दीक्षा लेने और सन्यासी जीवन बिताने का फैसला किया है। भावेश बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के बिजनेस से जुड़े हुए हैं। उनका कारोबार साबरकांठा से अहमदाबाद तक फैला हुआ है।

शोभायात्रा में भावेश ने दान कर दी 200 करोड़ की संपत्ति - साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में धूमधाम से चार किलोमीटर लंबी एक शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान सन्यास ग्रहण करने जा रहे भावेश भाई भंडारी और उनकी पत्नी ने अपनी 200 करोड़ रुपये की संपत्ति दान में दे दी। उन्होंने अचानक कारोबारी से दीक्षार्थी बनने का फैसला किया है। जानकारी के अनुसार 22 अप्रैल को भावेश भाई और उनकी पत्नी समेत 35 लोग हिम्मतनगर रिवर फ्रंट पर संयमित जीवन जीने का संकल्प लेंगे।

पंखा, एसी और मोबाइल जैसी सुविधाएं त्यागनी होगी - सन्यास ग्रहण करने के बाद भावेश भाई और उनकी पत्नी को संयमित दिनचर्या का पालन करना होगा। वे जीवन भर भिक्षा मांगकर गुजारा करेंगे। इतना ही नहीं उनको पंखा, एसी, मोबाइल फोन जैसी सुख-सुविधाएं भी त्यागनी पड़ेगी। वे जहां कहीं भी यात्रा करेंगे उन्हें नंगे पांव चलना होगा।

बेटा-बेटी दो वर्ष पहले ही शुरू कर चुके हैं संयमित जीवन जीना - सन्यास लेने जा रहे भावेश भाई भंडारी और उनकी पत्नी से पहले उनके बच्चे (बेटा-बेटी) भी संयमित जीवन जीना शुरू कर चुके हैं। भावेश के 16 साल के बेटे और 19 साल की बेटी दो साल पहले ही जैन समाज की दीक्षा ले चुके हैं। अपने बच्चों से प्रेरित होकर ही भावेश भाई और उनकी पत्नी ने दीक्षा लेने का फैसला किया है।

अडानी ग्रुप ने गुजरात में लगाया दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी प्लांट

538 वर्ग किमी में फैला यह प्लांट पेरिस से लगभग 5गुना बड़ा

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत की दुनिया में एक अलग पहचान बन गई क्योंकि भारत ने हर क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखा है, चाहे वह टेक्नालॉजी, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, खेल या फिर एनर्जी सेक्टर हो भारत दुनिया से अपना लोहा मनवा चुका है। भारत के हर क्षेत्र में भारतीय बिजनेसमैन अपने कारोबार का विस्तार कर रहे हैं। एनर्जी सेक्टर पर भारत के बड़े बिजनेसमैन गौतम अडानी इस पर विशेष फोकस कर रहे हैं और यही कारण है अडानी ग्रुप ने गुजरात के खावड़ा में बंजर जमीन पर दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी प्लांट ही लगाया है। यह फ्रांस की राजधानी पेरिस से 5 गुना बढ़ा है। ग्रीन एनर्जी प्लांट अडानी ग्रुप की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। गौतम अडानी की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने यह प्लांट को तैयार किया है। गुजरात के खावड़ा में पाकिस्तान की सीमा के पास बनाए

गए इस प्लांट में सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा से ग्रीन एनर्जी बनाई जाएगी।अडानी ग्रुप का ये प्लांट करीब 538 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो फ्रांस की राजधानी पेरिस से लगभग 5 गुना बड़ा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार गौतम अडानी जब अपने इस प्रोजेक्ट के सिलसिले में पहली बार साल 2022 में गुजरात के खावड़ा में आए थे, तो इस जगह को देखकर उन्होंने मजाक में कहा था कि क्या किसी को इस जगह पर एक मच्छर भी मिल सकता है इसके बाद उनके समूह अडानी ग्रुप ने इस बंजर भूमि पर न केवल सौर पैनल लगाए ये सूर्य की किरणों को बिजली में बदल देंगे, बल्कि मिलें, लेबर कॉलोनियां और खारे पानी को पंप करने के लिए अलवणीकरण संयंत्र भी लगाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है इस प्लांट की क्षमता 2000 मेगा वाट या 2 गीगा वाट बिजली उत्पादन की है। कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2024-25 में ही इसे 4 गीगा वाट तक पहुंचाने की है। वहीं जब यह पूरी क्षमता के साथ काम करेगा, तब 30 गीगा वाट स्वच्छ बिजली का उत्पादन होने लगेगा। उसमें 26 गीगा वाट का उत्पादन सोलर से और 4 गीगा वाट का उत्पादन पवन ऊर्जा से किया जाएगा। भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी खावड़ा में स्वच्छ बिजली उत्पादन के लिए करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट कर रही है। अडानी ग्रुप इस प्रोजेक्ट को 2070 तक शुद्ध-कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की व्यापक योजना के हिस्से के रूप में देख रहा है। अडानी ग्रुप तकरीबन 8000 कर्मचारियों के लिए कालोनी व अन्य बुनियादी सुविधाएं तैयार करने में जुटा है। बता दें कि अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के टॉप अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हैं।

गुकेश की पहली हार, शीर्ष स्थान से फिसले प्रगनानंदा ने शीर्ष वरीय कारुआना से ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा),13 अप्रैल (एजेंसियां)।

डी गुकेश को कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। उन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ अच्छी स्थिति में होने के बावजूद मात सहनी पड़ी। इस हार के बाद गुकेश (4) को संयुक्त शीर्ष स्थान भी गंवाना पड़ा।

अब वह आर प्रगनानंदा और फैबियानो कारुआना के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रगनानंदा (4) और शीर्ष वरीय कारुआना (4) ने सातवें दौर की बाजी ड्रॉ खेली। विदित गुजराती (3.5) का भी अजरबैजान के निजात एबासोव (2) से मुकाबला बराबरी पर छूटा। रूस के इयन नेपोमनियाच्ची (4.5) अमेरिकी नाकामुरा (3.5) से ड्रॉ खेलकर इकलौती बढ़त पर हैं। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की ली टिंगजी (4) से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कोनेरू हंपी ने यूक्रेन की मुजिशुक (2.5) से ड्रॉ खेला। दोनों के 2.5 अंक हैं। चीन की झोंगयी तान (5) ने रूस की अलेक्जेंडर गोर्याचकिना (4.5) से ड्रॉ खेल महिला वर्ग में अपनी बढ़त को कायम रखा है।

टूर्नामेंट का आधा पड़ाव समाप्त

सात दौर के बाद टूर्नामेंट का आधा पड़ाव समाप्त हो चुका है। अब अगले सात दौर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले का फैसला होगा। टूर्नामेंट में पहली बार चीजें गुकेश की योजनाओं के अनुसार नहीं चलीं। मध्य खेल तक गुकेश अच्छी स्थिति में थे, लेकिन उन्हें गैरजरूरी जटिलताओं को अपनाना महंगा पड़ा। वह बुरी तरह समय के फेर में फंस गए थे। प्रगनानंदा ने 41 चालों में फ्रेंच रक्षण का सहारा लेते हुए कारुआना से ड्रॉ खेला। गुजराती भी मध्य खेल में मजबूत स्थिति में थे, लेकिन एबासोव ने खेल के अंत में मजबूत रक्षण का परिचय देकर ड्रॉ खेला।

हंपी ने 40 चालों में ड्रॉ खेला

वैशाली और हंपी दोनों सबसे निचले स्थान पर हैं। ऐसे में उनकी टूर्नामेंट में वापसी की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। वैशाली टिंगजी से 36 चालों में हारीं। वहीं काले मोहरों से खेल रहीं हंपी और मुजिशुक का मुकाबला 40 चालों में बराबरी पर छूटा। टूर्नामेंट का दूसरा विश्राम दिवस है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय तीरंदाजों ने देखा नया संसद भवन, साझा किए अनुभव, पेरिस में सफल अभियान की जताई आशा

नई दिल्ली । तुषार शेल्के, पार्थ सालुके, प्रथमेश जवाकर और सिमरनजीत कौर जैसे शीर्ष भारतीय तीरंदाजों ने नई दिल्ली में नई संसद भवन का दौरा किया। इस दौरान इन तीरंदाजों ने अंदर से भारतीय लोकतंत्र के मंदिर को देखा और अपने अनुभव साझा किए। इस साल जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक का आयोजन भी होना है और ये तीरंदाज इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। नया संसद भवन देख गदगद हुए भारतीय तीरंदाज नया संसद भवन देखने के बाद पार्थ ने कहा, मैं यहां पहली बार आया। यह बील्डिंग काफी भव्य है और काफी बेहतरीन दिख रही है। वहीं, प्रथमेश ने इसे विशेष अनुभव बताया और कहा, हमने लोकसभा और राज्यसभा के नए हॉल को देखा। यह बहुत बड़ी इमारत है। 19वें एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष रिकर्व टीम का हिस्सा रहे तुषार ने कहा, यह अच्छा अनुभव था क्योंकि अबतक हमने इसे टीवी पर ही देखा था। हमने दोनों सदनों को देखा। यहां बैठने की व्यवस्था काफी अच्छी है। पेरिस ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन को लेकर आशवस्त हैं तुषार तुषार ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को लेकर कहा कि वह इन खेलों में भारत के अच्छे प्रदर्शन को लेकर आशवस्त हैं और उन्हें उम्मीद है कि भारत पिछले बार की तुलना में ज्यादा पदक जीतेगा। तुषार ने कहा, पेरिस ओलंपिक भारत के लिए अच्छा रहेगा। भारत पिछली बार की तुलना में पेरिस ओलंपिक में अधिक पदक जीतेगा। वहीं, सिमरनजीत को भी उम्मीद है कि भारत इस बार तीरंदाजी में पदक लेकर आएगा। सिमरनजीत ने कहा, हमारी तैयारी जोर शोर से चल रही है। मुझे भरोसा है कि हम इस बार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं काफी सकारात्मक हूं। भारत इस बार जरूर तीरंदाजी में पदक लेकर आएगा।

पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर भाला फेंकना चाहते है नीरज

नई दिल्ली । भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अभी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में लगे है और उनका लक्ष्य इस बार 90 मीटर भाला फेंकना है। नीरज ने कहा कि जिस प्रकार से उनकी तैयारियां चल रही हैं। उसको देखते हुए वह ये आंकड़ा कुछ ही समय में हासिल कर लेंगे। चोपड़ा का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 2022 स्टॉकहोम डायमंड लीग के दौरान फेंका 89.94 मीटर का थ्रो रहा है। अभ्यास के दौरान वह 90 मीटर तक भाला फेंक चुके हैं पर किसी प्रतियोगिता में वह अभी तक इस आंकड़े तक नहीं पहुंचे हैं। नीरज ने कहा कि मैं पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर दूर भाला फेंकने का प्रयास करूंगा। उम्मीद करता हूं कि ये लक्ष्य ओलंपिक से पहले हासिल हो जाएगा। वैसे अभी हर चीज सही दिशा में आगे बढ़ रही है, इसलिये लोगों को शायद ओलंपिक तक इंतजार नहीं करना पड़े और यह इससे पहले ही हो जाये। साथ ही कहा कि उनका अभ्यास अच्छा चल रहा है और इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस और 'स्ट्रेंथ' पर ध्यान लगाया है। उन्होंने कहा, ''सत्र की शुरूआत में ध्यान फिटनेस और 'स्ट्रेंथ' पर था, जिसमें भाला फेंकने की कोई विशेष ट्रेनिंग नहीं थी।

सैमसन और चहल को मिल सकता है टी20 विश्वकप में अवसर

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल का आईपीएल 2024 सत्र में अब तक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। सैमसन ने जहां शानदार बल्लेबाजी की है वहीं चहल ने अपनी स्पिन का जादू दिखाया है। इसके बाद से ही कई दिग्गजों ने कहा है कि इन दोनो को आगामी टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। ये दोनो ही पिछले काफी समय से टीम में जगह बनाने का प्रयास कर रहे थे। सैमसन प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के कारण टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। वहीं चहल भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण बाहर हुए हैं। अब आईपीएल से दोनों खिलाड़ियों की उम्मीदें बन रही है पर इन्हें आने वाले मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में दोनों ने खुद को साबित किया है हालांकि ऋषभ पंत की वापसी के बाद से सैमसन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की जगह हासिल करना तो कठिन है। इसके अलावा इस एक जगह के लिए केएल राहुल , जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल भी दौड़ में हैं। वहीं चहल की बात करें तो आईपीएल में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टीम में जगह मिल सकती है। उनका मुकाबला कुलदीप यादव से रहेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार चहल और सैमसन टी20 क्रिकेट से कभी बाहर नहीं हुए। चयनकर्ताओं की नजरें इन दोनो पर बनी हुई हैं।

जीत की राह पर लौटी राजस्थान, पंजाब को तीन विकेट से हराया, दर्ज की सीजन की पांचवीं जीत

मुल्लांपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स को 5वीं जीत मिली। टीम ने मुल्लांपुर में होम टीम पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया। आरआर ने लो-स्कोरिंग मुकाबले के आखिरी 3 ओवर में 34 रन बनाकर जीत हासिल की। शिमरोन हेटमायर ने 10 बॉल पर 27 रन बनाए, उन्होंने 20वें ओवर की पांचवीं बॉल पर सिक्स लगाकर टीम को जीत भी दिलाई। शनिवार को राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाए। आशुतोष शर्मा ने 31 रन बनाए। राजस्थान ने 148 का टारगेट 19.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पंजाब से सैम करन और कगिसो रबाडा ने 2-2 विकेट लिए।

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की यह 6 मैच में 5वीं जीत है, टीम 10 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स 6 मैचों में चौथी हार से 8वें नंबर पर ही बरकरार है। आखिरी 6 गेंदों पर राजस्थान को 10 रन चाहिए थे। पंजाब से अर्शदीप सिंह ने शुरुआती 2 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया। लेकिन तीसरी बॉल पर छक्का चले गया, चौथी बॉल पर फिर हेटमायर ने 2 रन लिए और पांचवीं बॉल पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। राजस्थान को आखिरी 2 ओवर में 20 रन चाहिए थे, यहां सैम करन के खिलाफ शुरुआती 2 गेंदों पर रोवमन पॉवेल ने 2 चौके लगा दिए। करन ने फिर कमबैक किया और आ-खिरी 4 बॉल पर 2 ही रन दिए और 2 विकेट भी निकाल लिए। अर्शदीप सिंह ने रियान पराग को कैच आउट कराया। 17वें ओवर की चौथी बॉल अर्शदीप ने शॉर्ट पिच फेंकी, पराग डीप मिड-विकेट पर कगिसो रबाडा के हाथों कैच हो गए। पराग ने 18 बॉल पर 23 रन बनाए। राजस्थान ने 16वें ओवर में 100 रन पूरे कर लिए। ओवर की पहली बॉल पर रियान पराग ने एक रन लिया, इसी के साथ टीम के 100 रन पूरे हो गए। कगिसो रबाडा ने संजू सैमसन के रूप में दूसरा विकेट लिया। सैमसन ने 13 बॉल पर 18 रन बनाए, रबाडा ने उन्हें 14वें ओवर में एलबीडब्ल्यू किया। रबाडा ने इससे पहले यशस्वी जायसवाल को भी कैच आउट कराया। कगिसो रबाडा ने 12वें ओवर में यशस्वी जायसवाल को कैच आउट कराया। यशस्वी ने 28 बॉल पर 39 रन बनाए। लियम लिविंगस्टन ने तनुष कोटियन को बोल्ड किया। कोटियन ने 31 बॉल पर 24 रन बनाए, उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 56 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। यशस्वी जायसवाल और तनुष कोटियन ने राजस्थान का स्कोर 8वें ओवर में 50 रन तक पहुंचाया। दोनों आज ओपनिंग उतरे और पावरप्ले में टीम को कोई झटका नहीं लगने दिया। इस सीजन राजस्थान से पहली बार ही 50 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई। 148 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान से यशस्वी जायसवाल के साथ तनुष कोटियन ओपनिंग करने आए। दोनों ने टीम को संभली हुई शुरुआत दिलाई और शुरुआती 6 ओवरों में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। टीम ने इस दौरान 43 रन भी बना लिए। राजस्थान से यशस्वी जायसवाल और तनुष कोटियन ओपनिंग करने उतरे। कोटियन ने प्लेइंग-11 में जोस बटलर की जगह ली, बटलर इंजरी के कारण बाहर हुए।

ओलंपिक से पहले भारत को झटका, दिग्गज मुक्केबाज मैरीकॉम ने इस पद से दिया इस्तीफा, कारण भी बताया

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत की दिग्गज मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक से पहले इस बहुराष्ट्रीय प्रतियोगित में देश के दल के प्रमुख (शेफ डी मिशन) के अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 21 मार्च को शेफ डी मिशन नियुक्त किया था। मैरी कॉम ने पद से हटने के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है और कहा कि उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पीटी उषा ने कही यह बात

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए कहा है। मैरी कॉम ने उषा को लिखे पत्र में कहा- देश की किसी भी रूप में सेवा करना गर्व की बात है और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी, लेकिन मुझे खेद है कि मैं यह जिम्मेदारी नहीं उठा सकूंगी। मैं निजी कारणों से पीछे हट रही हूं।

देश के लिए कुछ भी करना गर्व की बात 41 साल की मैरी कॉम ने कहा, इस तरह से पीछे हटने से शर्मिंदा हूं क्योंकि मैं ऐसा करती नहीं हूं, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। मैं ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे अपने खिलाड़ियों की हमेशा हौसलाअफजाई करती रहूंगी। आईओए ने 21 मार्च को उनकी नियुक्ति का एलान किया था।

उनकी निजता का सम्मान

लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेत मैरी कॉम 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले ओलंपिक खेलों में भारतीय दल की अभियान प्रमुख होतीं। उषा ने अपने बयान में कहा, हमें दुख है कि ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज और आईओए एथलीट आयोग की प्रमुख मैरी कॉम निजी कारणों से पद से हट गई हैं। हम उनके फैसले और निजता का सम्मान करते हैं। उनके विकल्प के बारे में घोषणा जल्दी ही की जाएगी।

पीटी उषा ने कहा, मैं उनके अनुरोध को समझती हूं और उनके फैसले का सम्मान करती हूं। मैंने उनसे कहा है कि आईओए और मेरा सहयोग हमेशा उनके साथ है। मैं सभी से उनकी निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती हूं।

पांच मैचों की सीरीज में भारतीय हॉकी टीम की चौथी हार, ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से दी शिकस्त

पर्थ,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। पांच मैचों की शृंखला में यह मेहमान टीम की चौथी हार है। बिजली कड़कने के कारण 40 मिनट देरी से शुरू हुए मैच में चारों गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर आए। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत की मदद से 12वें मिनट में बढ़त बनाई थी लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वां मिनट, 47 वां मिनट) ने दो और जैक वेल्क (54वां मिनट) ने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। पहले टेस्ट में भारत को 1-5, दूसरे में 2-4 और तीसरे में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के मद्देनजर खेली जा रही शृंखला का पांचवां मैच खेला जाएगा। न्यूजीलैंड हॉकी टीम के दौरे के 100 वर्ष पूरे होने का मनाएगा जश्न न्यूजीलैंड भारतीय सेना की हॉकी टीम की ओर से 1926 में किए गए दौरे के सौ वर्ष होने का जश्न मनाने जा रहा है। तीन माह तक चले इस दौरे की टीम में हॉकी के जादूगर ध्यानचंद भी शामिल थे।

ईशान किशन की बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट और रणजी ट्रॉफी कॉन्ट्रोवर्सी: खिलाड़ी ने पहली बार चुप्पी तोड़ी, बोले- कई चीजें खिलाड़ियों के हाथ में नहीं होती

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने पहली बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड कॉन्ट्रैक्ट और रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने पर बात की। गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने कहा, मैं अभ्यास कर रहा था। जब मैंने खेल से थोड़ा खुद के लिए वक्त निकाला तो लोग बहुत बातें कर रहे थे। सोशल मीडिया पर कई बातें आईं। लेकिन आपको यह भी समझना चाहिए कि कई चीजें खिलाड़ियों के हाथ में नहीं हैं। मैच में ईशान किशन ने मुंबई की ओर से 69 रन की पारी खेली।

दरअसल ईशान अपने राज्य झारखंड की ओर से रणजी खेलने के बजाय बड़ौदा में जा कर ट्रेनिंग कर रहे थे। जबकि बीसीसीआई ने टीम इंडिया के लिए नहीं खेल रहे सीनियर्स खिलाड़ियों को आदेश दिया था कि वह घरेलू टूर्नामेंट रणजी में अपने राज्यों की ओर से खेल कर अपनी योग्यता को साबित करें। उनके रणजी न खेलने पर काफी सवाल उठे और सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल भी किया गया था।

ईशान को इस साल बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया है। माना जाता है, बीसीसीआई ने यह एक्शन इसलिए लिया क्योंकि वे रणजी ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लेकर इंडियन प्रीमियर लीग-2024 की तैयारी कर रहे थे।

ब्रेक के दौरान मेरी सोच में बदलाव आया- ईशान

ईशान ने आगे कहा, केवल एक चीज जो आप कर सकते हैं, वह है समय का सही उपयोग। साथ ही यह कि इस खास स्थिति में अगर पिछला वाला ईशान किशन होता तो उसकी मानसिकता क्या होती। मैं पहले दो ओवरों में कभी भी गेंद नहीं छोड़ता था। भले ही वे कितनी भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हों। अब समय के साथ मैंने सीखा है कि 20 ओवर भी बड़ा मैच है। आप अपना समय ले सकते हो और आप आगे बढ़ सकते हो। भले ही हम मैच हार गए हों, लेकिन हम एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मेरे अंदर बदलाव आए हैं जैसे कि अगर मैं परफॉर्म नहीं कर रहा हूं और अगर मुझे पता है कि कोई और परफॉर्म नहीं कर रहा है, तो मैं उनसे बात करता हूं। मैं जानना चाहता हूं कि वे क्या सोच रहे हैं। इसलिए इन चीजों ने ब्रेक के दौरान मेरी मदद की।

साउथ अफ्रीका दौरे के बीच भारत लौटे थे

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किशन ने भारतीय टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। उन्होंने पर्सनल कारणों के चलते बीसीसीआई से भारत लौटने की परमिशन मांगी थी।

घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराने उतरेगी केकेआर

कोलकाता,13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

दो बार की आईपीएम चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपने होम ग्राउंड ईडन गार्डंस पर रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उतरेगी केकेआर का लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। ईडन गार्डंस पर केकेआर का इस आईपीएल सीजन का पहला मैच होगा । मैच रविवार शाम 7.30 बजे शुरू होगा। लखनऊ और केकेआर दोनों टीमों ने तीन तीन जीत दर्ज की है। केकेआर को वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण पर अत्यधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ साबित होगा । चेन्नई ने पिछले मैच में केकेआर को सात विकेट से हराया । ऊंगली की चोट के कारण नीतिश राणा यह मैच भी नहीं खेल सकेंगे । वेंकटेश अय्यर तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाये और एकमात्र अर्धशतक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ लगाया । सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में वह तीसरे नंबर पर उतरे लेकिन पिछले दो मैचों में सातवें और पांचवें नंबर पर उतरे। रमनदीप सिंह ने भी प्रभावित नहीं किया । मिचेल स्टार्क गेंदबाजी में नाकाम रहे हैं और उन्होंने पहले दो मैचों में 100 रन दिए हैं।

दूसरी ओर लखनऊ को अपने तेज गेंदबाज मयंक यादव की कमी खलेगी जो मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर हैं । उनकी जगह मैच खेल रहे अरशद खान दिल्ली के खिलाफ मैच में कुछ ज्यादा अच्छा नहीं कर सके। मोहसिन खान भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हैं। केकेआर के खिलाफ क्विंटोन डिकॉक और केएल राहुल को बड़ी पारियां खेलनी होगी । वहीं मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी । उनके पास रवि बिश्नोई और कृणाल पंड्या जैसे बेहतरी स्पिनर हैं जो केकेआर के लिए खतरा बन सकते हैं।

ये हैं केकेआर और एलएसजी टीमें

लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) : केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के. गौतम, अर्शिन कुलकर्णी, एम. सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) : श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

भद्रेश पटेल को पकड़ने के लिए एफबीआई ने की इनाम की घोषणा, 2015 में पत्नी हत्या के बाद से है फरार

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अहमदाबाद के वीरमगाम के रहने वाले भारतीय नागरिक भद्रेश कुमार पटेल की अमेरिका जांच एजेंसी एफबीआई पिछले आठ वर्षों से तलाश कर रही है। एफबीआई ने दस सबसे ज्यादा वांछित भगोड़े भद्रेश कुमार की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को दो लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। गौरतलब है कि गुजरात का रहने वाला भद्रेशकुमार 2017 से एफबीआई की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल है। गुजरात के अहमदाबाद का रहने वाला भद्रेशकुमार ने अमेरिकी की जांच एजेंसी एफबीआई के नाक में दम कर रखा है। 2017 से मोस्ट वांटेड की सूची में आने के बाद से ही उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार एफबीआई जांच कर रही है। भद्रेश कुमार पर 2015 में मैरीलैंड राज्य के हनोवर में डंकिन डोनट्स कॉफी शॉप के अंदर अपनी पत्नी की चाकू से हत्या करने का आरोप है। वारदात के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा है। जिसकी धरपकड़ के लिए एफबीआई ने उस पर इनाम की घोषणा की है। 20 अप्रैल, 2015 को यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट ऑफ मैरीलैंड, बाल्टीमोर, मैरीलैंड में एक संघीय गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

क्या है मामला – मामले से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, वारदात के दौरान आरोपी की उम्र महज 24 साल थी, जिसने अपनी 21 वर्षीय पत्नी की रसोई के चाकू से हत्या कर दी। इस दौरान उसने दुकान के पीछे मौजूद कमरे में कई बार चाकू से बार किया, जहां वे दोनों काम करते थे। हैरत की बात है कि घटना के दौरान दुकान में ग्राहक मौजूद थे। हत्या से लगभग एक महीने पहले दंपति का वीजा समाप्त हो गया था और जांचकर्ताओं का मानना है कि पलक पटेल भारत लौटना चाहती थीं, लेकिन उनके पति ने इसका विरोध किया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में आरोपी भद्रेश और उसकी पत्नी पलक को रैक के पीछे गायब होने से पहले स्टोर की रसोई की ओर एक साथ चलते हुए देखा गया था। हत्या का खुलासा तब हुआ जब एक ग्राहक ने स्टोर पर किसी कर्मचारी को नहीं देखा और पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस को पलक का शव मिला जिस पर चाकू से कई वार के निशान थे, लेकिन इस समय तक पटेल पहले ही अपराध स्थल से जा चुका था। हत्या के बाद, भद्रेश पटेल अपने अपार्टमेंट में लौट आया और कुछ दस्तावेजों के साथ एक कैब में निकल गया। अनुमान लगाया गया कि आरोपी अमेरिका से भाग गए और कनाडा या इक्वाडोर में जा छिपा है।

न्यूज ब्रीफ

हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल पर दर्जनों मिसाइलें दागीं, आयरन डोम एंटी-मिसाइल से हमला रुका

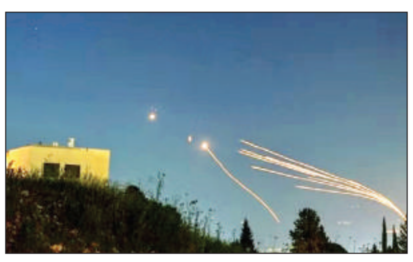

तेल अवीव । पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के हिंसक संघर्ष के छह महीने से अधिक बीत चुके हैं। अब तक 33 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ताजा घटनाक्रम में लेबनान की तरफ से हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल पर दर्जनों मिसाइलें दागीं हैं। लेबनान को कथित तौर पर ईरान का समर्थन हासिल है। ताजा घटनाक्रम में इजराइली सेना (आईडीएफ) ने कहा बाद लेबनान से उत्तरी इजराइल की तरफ लगभग 40 रॉकेट दागे गए। रिपोर्ट के मुताबिक हमलों को आयरन डोम एंटी-मिसाइल सिस्टम की मदद से नाकाम कर दिया गया। कुछ मिसाइलें खुले इलाकों में गिरीं, जबकि कुछ मिसाइल लेबनान की सीमा में ही रह गए। सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजराइल ने हवाई हमला किया था। इस कार्रवाई में ईरान के दो शीर्ष जनरलों की मौत हो गई थी। इस हमले से बौखलाए तेहरान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ईरान शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात इजराइल पर हमला कर सकता है। ईरान की ओर से हमले की आशंका के बीच चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने इजराइल के ऊपर 40 से अधिक रॉकेट दाग दिए हैं। इजराइली रक्षा बलों ने बताया कि इस हमले में कोई मारा नहीं गया है। रक्षा बलों ने इस हमले का वीडियो जारी किया है। उत्तरी इजराइल के गैलिली में हुए हमले के दौरान हिजबुल्ला के दो ड्रोन को इजराइली सेना ने मार भी गिराया। भारत ने जारी की एडवाइजरी, कहा-सतर्क रहें ईरान सीरिया में अपने वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले का बदला लेने के लिए जल्द ही इजराइल पर हमला कर सकता है। अमेरिकी मीडिया ने यह आशंका जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने तनाव को देखते हुए शुक्रवार को अपने नागरिकों को ईरान व इजराइल की यात्रा न करने की एडवाइजरी जारी की है। साथ ही, इजराइल में अप्रैल-मई में 6,000 मजदूर भेजने के फैसले को भी अगले आदेश तक के लिए टाल दिया गया। विदेश मंत्रालय ने ईरान व इजराइल में रह रहे भारतीयों से भी अत्यंत सतर्कता बरतने और भारतीय दूतावास से संपर्क कर पंजीकरण कराने को कहा है। उधर, विदेश मंत्रालय से एडवाइजरी जारी होने के तुरंत बाद इजराइल में भारतीय दूतावास ने वहां बसे भारतीयों के लिए परामर्श जारी किया है। इसमें मौजूदा हालात में अनावश्यक यात्रा टालने व सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। दूतावास ने नागरिकों के पंजीकरण के लिए लिंक जारी किया है। दरअसल, सीरिया के दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इस महीने के शुरू में इजराइली हमले में ईरानी कुद्स फोर्स के दो जनरल व पांच अन्य अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इसे अपनी जमीन पर हमला करार देते हुए जवाबी कार्रवाई करने और इजराइल ने हमला होने पर सीधे ईरान से युद्ध की धमकी दी है। अमेरिका ने भी जारी किए दिशा-निर्देश अमेरिका ने भी खतरे को देखते हुए अपने नागरिकों को ऐसी ही एडवाइजरी जारी की है। अमेरिका ने अपने लोगों से यात्रा से बचने, दिशा-निर्देशों का पालन करने और जरूरत पड़ने पर दूतावास में संपर्क करने को कहा है। मिसाइल या ड्रोन से हमला कर सकता है ईरान : अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई मीडिया समूहों ने अनुमान जताया है, ईरान इजराइल पर मिसाइल अथवा ड्रोन से हमले कर सकता है।

पाकिस्तान में फिर सेना और पुलिसः सैन्यकर्मी पर छापेमारी से नाराज जवानों ने थाना घेरा, पुलिसवालों को बंधक बनाया

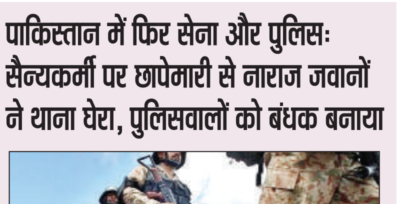

बहावलनगर/लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार और पाकिस्तान सेना ने एक सेवारत अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस और सेना के जवानों के बीच चल रही जंग की जांच कराने का फैसला किया, ईद के दिन यह मुद्दा सोशल मीडिया का चर्चा का विषय बना रहा। गौरतलब है कि मदरसा पुलिस के स्टेशन हाउस अधिकारी समेत चार कर्मियों पर एक व्यक्ति और उसके दो बेटों को अधिकार के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामले में एक पुलिस एसएचओ निलंबित इस मामले ने तूल पकड़ा और एक अन्य पुलिसकर्मी मारूट पुलिस एसएचओ को निलंबित कर दिया गया और सोशल मीडिया पर गलत सूचना प्रसारित करने के लिए उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। गौरतलब है कि 10 अप्रैल को मदरसा पुलिस में इंस्पेक्टर सैफुल्लाह हनीफ की शिकायत पर दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि पूर्व एसआई/एसएचओ रिजवान अब्बास, एएसआई मोहम्मद नईम, कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास और अली रजा ने मोहम्मद खलील और मोहम्मद इदरीस और उनके पिता मोहम्मद अनवर को गिरफ्तार किया, जिन्हें 8 अप्रैल को दर्ज हुई एफआईआर में नामित किया गया था।

राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर की बढ़ी मुश्किलें, अदालत ने नशीली दवाओं और बंदूक मामले में ठुकराई अपील

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। डेलावेयर में एक संघीय न्यायाधीश ने उनके खिलाफ अवैध रूप से बंदूक रखने के मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया है।

बता दें, हंटर बाइडन ने हथियार खरीदने के लिए झूठ बोलने और बंदूक खरीदने के दौरान ड्रग्स का इस्तेमाल करने के आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया था। हालांकि, संघीय न्यायाधीश मैरीलेन नोरिका ने शुक्रवार को उनकी याचिका खारिज कर दी।

यह पहला मौका है, जब अमेरिका में किसी मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे के खिलाफ आपराधिक आरोप तय हुए हैं। जून के पहले सप्ताह के दौरान सुनवाई होगी।

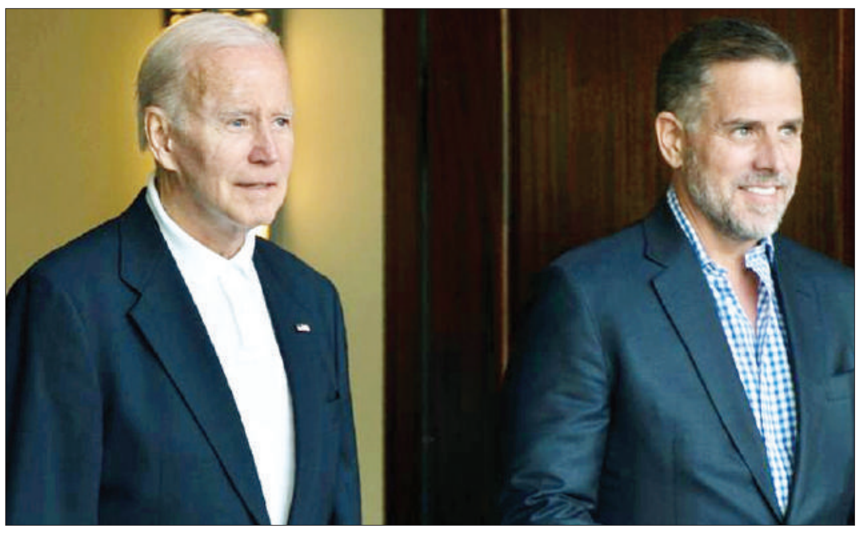

यह है मामला

इससे पहले पिछले साल अदालत ने माना था कि हंटर ने हथियार खरीदने के लिए कई बार झूठ बोला है। उन पर अक्तूबर 2018 में बंदूक खरीदने के दौरान अपनी नशे की लत को लेकर झूठ बोलने का भी आरोप है। कहा गया था कि हंटर ने जब अक्तूबर 2018 में डेलावेयर के कॉल्ट कोबरा स्पेशल स्टोर से बंदूक खरीदी थी। तो उस समय बंदूक खरीदने के लिए उन्होंने जो फॉर्म भरे थे, उसमें उन्होंने झूठी जानकारी दी थी। उन्होंने उस समय कहा था कि वह ड्रग्स का आदी नहीं है जबकि ऐसा नहीं था। एक रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने हंटर को इस मामले में दोषी माना है।

हंटर ने दोषी नहीं होने का अनुरोध किया

हंटर बाइडन लगातार इन आरोपों से इनकार कर रहे हैं। वहीं, उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया था कि उनके मुवक्किल को वर्तमान राष्ट्रपति के साथ उनके पारिवारिक संबंध के कारण गलत तरीके से फंसाया जा रहा था। हंटर बाइडन के वकीलों ने तर्क दिया था कि मामला राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने दावा किया था कि मूल याचिका सौदे से छूट का प्रावधान जो टूट गया था वह अभी भी कायम है। उन्होंने अभियोजन का नेतृत्व करने के लिए डेलावेयर में अविशेष वकील डेविड वीस की नियुक्ति को भी चुनौती दी थी।

हालांकि, संघीय न्यायाधीश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विशेष वकील डेविड वीस की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार अटॉर्नी जनरल को स्वयं राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया गया था। जो हंटर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। न्यायाधीश नोरिका ने अपने फैसले में कहा कि हंटर पर आरोप लगाने वाली कार्यकारी शाखा का नेतृत्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा किया जा रहा है, जो फिलहाल उनके पिता है। डीओजे का नेतृत्व करने वाले अटॉर्नी जनरल को प्रतिवादी के पिता द्वारा नियुक्त किया गया था और रिपोर्ट किया गया था। उसी अटॉर्नी जनरल ने विशेष वकील नियुक्त किया, जिसने इस मामले को उठाया।

न्यायाधीश ने इस बात को भी सिरे से खारिज कर दिया कि हंटर के खिलाफ सिर्फ इसलिए यह आरोप लगाए गए थे क्योंकि उनके पिता राष्ट्रपति हैं। साथ ही इस तरह के दावे को बकवास बताया।

हंटर नहीं दे सकें अपने बेगुनाही के सबूतः न्यायाधीश

न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि हंटर और वीस के बीच 2023 के पिछले समझौते ने उन्हें चल रहे अभियोजन से प्रतिरक्षा प्रदान नहीं की। उन्होंने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने फैसला सुनाया कि हंटर और वीस के बीच 2023 के पिछले समझौते ने उन्हें चल रहे अभियोजन से छूट नहीं दी थी। उन्होंने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।

यह भी आरोप

बता दें कि हंटर अपनी बिजनेस डीलिंग्स को लेकर भी जांच के दायरे में रहे हैं। इस मामले को देख रहे एक विशेष काउंसिल ने कहा कि समय पर टैक्स का भुगतान नहीं करने की वजह से हंटर पर वॉशिंगटन या फिर कैलिफोर्निया में मामला चलाया जा सकता है।आरोप हैं कि हंटर बाइडन ने जानबूझकर आयकर का भुगतान नहीं किया। वह 2017 और 2018 में 15 लाख डॉलर से अधिक का टैक्स रिटर्न समय पर दाखिल नहीं कर पाए। इन दो सालों में उनकी कमाई पर लगभग एक लाख डॉलर से अधिक का बकाया है। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि हंटर सबूत पेश करने में असफल रहे, इसलिए मुकदमा चलाया जाएगा। बंदूक मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद टैक्स आरोपों से जुड़े मामले की जांच जून के अंत में शुरू होगी।

इजराइल-ईरान में जंग के खतरे के बीच अमेरिका ने भूमध्य सागर में तैनात किया युद्धपोत

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इजराइल-हमास युद्ध के साथ अब इजराइल-ईरान के बीच युद्ध का खतरा भी मंडरा रहा है। इस हमले से निपटने के लिए इजराइल ने अपनी कमर कस ली है। दरअसल, हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इसमें दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। इससे ही ईरान बौखलाया हुआ है और उसने हमले का आरोप इजराइल पर लगाया है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

अमरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल को अलर्ट करते हुए कहा कि वह जल्द ही ईरान की तरफ से हमले की उम्मीद कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले 24 घंटों के भीतर ईरान की तरफ से यहूदी धरती पर ड्रोन और मिसाइल से हमले होने की संभावना है। ईरान के पास अपनी सीमाओं से 2000 किमी दूर तक अपने लक्ष्य पर हमला करने वाले बैलेस्टिक और क्रूज मिसाइलें हैं।

भूमध्य सागर में अमेरिका ने तैनात किया नौसेना विध्वंसक पोत

इजराइल को बचाने के लिए अमेरिका ने मदद भेज दी है। भूमध्य सागर में अमेरिका ने अपनी नौसैनिक विध्वंसक पोत को तैनात किया है। एक यूएसएस कार्ने भी है, जिसे लाल सागर में हूती ड्रोन और जहाज रोधी मिसाइलों को रोकने के लिए तैनात किया गया था। अमेरिका ने क्षेत्र में युद्ध को रोकने के लिए अपने राजनायिक प्रयासों को भी दोगुना कर दिया है। अमेरिका स्विस चैनलों के माध्यम से लगातार ईरान को संदेश भेज रहा है। बाइडन ने अमेरिका सेंट्रल कमांड के अधिकारी जनरल माइकल कुरिला को वार्ता के लिए इजराइल भेजा है।

क्या है मामला

एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इजराइल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि इजराइल को सजा दी जानी चाहिए। उस पर इजराइली विदेश मंत्री ने कहा था कि अगर ईरान हमला करता है तो हम कड़ा जवाब देंगे।

यूक्रेन पर हमले में चीन कर रहा रूस की सहायता अमेरिका ने दी परिणाम भुगतने की चेतावनी

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच रूस के सबसे बड़े सैन्य विस्तार में चीन उसकी मदद कर रहा है। इससे यूक्रेन में चिंताएं बढ़ने लगी है। एक अधिकारी ने दावा किया कि चीन और रूस मिलकर रूस के भीतर ड्रोन के उत्पादन में संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। चीन का समर्थन रूस की तरफ से यूक्रेन पर हमला जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मौजूदा स्थिति में यूक्रेन की सेना हथियारों की कमी से जूझ रही है। इसी बीच अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से कीव को नए अमेरिकी सैन्य सहायता पैकेज पर वोटिंग को रोकने के बाद यूक्रेन की चिंता और भी बढ़ गई थी।

चीन को रूस की सहायता करने से रोकना होगाः अमेरिकी अधिकारी

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका को यूक्रेन का समर्थन करने के लिए पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) को रूस को अपने सैन्य औद्योगिक के पुनर्गठन में मदद करने से रोकना होगा। उन्होंने आगे कहा कि रूस पीआरसी के मदद के बिना अपने युद्ध प्रयासों को जारी रखने में संघर्ष करेगा। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि चीन ने रूस को मशीन टूल्स में 900 मिलियन डॉलर का 70 फीसदी से अधिक प्रदान किया। उन्होंने आगे बताया कि रूस के 90 फीसदी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स आयात का इस्तेमाल मिसाइल, टैंक और एयरक्राफ्ट बनाने में किया जाता है। अमेरिका इसे लेकर चीन को परिणाम भुगतने की चेतावनी दे चुका है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका और यूरोप की तुलना में रूस तोप के लिए तीन गुना से अधिक गोला-बारूद तैयार कर रहा है। रूस में इतने बड़े पैमाने में तोप के लिए गोला-बारूद बनाने में चीन की प्रमुख भूमिका है। इसके अलावा रूस को यूक्रेन पर इस्तेमाल करने के लिए सैटेलाइट और अन्य आंतरिक्ष उपकरणों के उपयोग की क्षमता को बढ़ाने में भी चीन मदद कर रहा है। इसकी सूचना अमेरिका के खुफिया जानकारों ने दी है। अमेरिका की चीन को चेतावनी इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर संपर्क किया।

राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में बाइडन-ट्रंप को टक्कर देगा शिक्षक, बदला नाम, कहा-राजनीति को रीसेट करना जरूरी

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के अलावा एक नए व्यक्ति का नाम सामने आया है। इसके लिए एक 35 वर्षीय शिक्षक डस्टिन इबे ने आधिकारिक तौर पर अपना नाम भी बदला है। उन्होंने राष्ट्रपति की दौड़ में बाइडन और ट्रंप के बीच दोबारा मुकाबले को देखते हुए निराशा व्यक्त की है। हालांकि, यह एक ध्यान आकर्षित करने वाला निर्णय है, लेकिन इबे के पास उठाने के लिए कई गंभीर मुद्दे हैं।

मीडिया से बात करते हुए डस्टिन इबे ने कहा, मेरा नाम कोई भी अन्य (लिटरली एनीबडी एल्स) है और मैं राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हुआ हूं। उन्होंने बताया कि वह और उनकी पत्नी अपने वेतन पर घर खरीदने में असमर्थ हैं। डस्टिन इबे ने कहा, मौजूदा स्थिति में हम और कई युवा घर ढूंढने में संघर्ष कर रहे हैं। हम अब उन चीजों के लिए संघर्ष कर रहे हैं जो 20 से 30 साल पहले चिंता का विषय नहीं था।

अमेरिकी राजनीति को रीसेट करने की आवश्यकता

गणित के शिक्षक इबे ने कहा कि अब अमेरिकी राजनीति को रीसेट करने की आवश्यकता है और वह इसका तरीका ढूंढ रहे हैं। इबे ने बताया कि उन्होंने ऐसा करने लिए कानूनी तौर पर अपना नाम बदल लिया और खुद को मतपत्र में लाने के लिए लंबे समय से लोगों के हस्ताक्षर एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि पिछले हफ्ते वह डलास के एक पार्क में अपनी टेबल लगाई और लोगों के हस्ताक्षर जुटाने में लग गए। इस दौरान कई लोग उन्हें उत्सुकता से देख रहे थे और कई उनपर हंस रहे थे।

इबे के समर्थन में आए लोग

इस दौरान वित्तीय क्षेत्र में काम करने वाले 28 वर्षीय ब्रैंडन रियोस डस्टिन इबे के समर्थन में आगे आए। उन्होंने कहा, बाइडन और ट्रंप के अलावा भी कोई है जिसे हम चाहते हैं। इसलिए मैं इस व्यक्ति को अपना वोट दे रहा हूं। कोई भी वहां पहुंच सकता है और बाइडन एवं ट्रंप से बेहतर काम कर सकता है। 68 वर्षीय सेवानिवृत्त विंसेंट जेम्स ने कहा, वह जो भी कर रहा है, मैं उसकी सराहना करता हूं।

बता दें कि टेक्सास में राष्ट्रपति पद के लिए किसी उम्मीदवार को शामिल करने के लिए 113,000 ऐसे मतदाताओं के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है जिन्होंने पार्टियों के प्राथमिक चुनावों में हिस्सा नहीं लिया है।

चुनाव में धांधली को लेकर विपक्षी महागठबंधन का एलान, सरकार के खिलाफ देशभर में आंदोलन

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां) ।

सरकार के विरोध में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) एक बड़ा अभियान छेड़ने वाली है। आठ फरवरी के चुनाव में कथित धांधली और जनादेश से छेड़छाड़ कर सरकार बनाने के खिलाफ पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने विपक्षी दलों के महागठबंधन के साथ मिलकर आज देशव्यापी आंदोलन का एलान किया। महागठबंधन, जिसमें छह राजनीतिक दल शामिल हैं, की बैठक शुरू हुई, जो शनिवार तक चली। इस दौरान तहरीक तहफुज्ज अईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने पाकिस्तान के संविधान की रक्षा के लिए एक आंदोलन में साथ देने का फैसला किया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि विपक्षी गठबंधन के आंदोलन शुरू करने से संकेत मिलता है कि चुनाव के बाद शांति और राजनीतिक स्थिरता का सपना अधूरा ही रह जाएगा। गठबंधन में यह पार्टियां बता दें, पीटीआई ने उन पार्टियों के साथ गठबंधन किया है, जिन्होंने आठ फरवरी के चुनाव के नतीजों पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वाली पार्टियां बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएएनपी), पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी (पीएकेएमपी), जमात-ए-इस्लामी (जी), मुत्ताहिदा वहदत-उल-मुस्लिमीन (एमओएम) आदि हैं।

कई घंटों तक बैठक चली

बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) के प्रमुख सरदार अख्तर मेंगल की अध्यक्षता में कई घंटों तक बैठक चली। इस दौरान फैसला लिया गया कि पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी (पीएकेएमपी) के प्रमुख महमूद खान अचकजई गठबंधन का नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा, बैठक में सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के अध्यक्ष साहिबजादा हामीद रजा खान, मजलिस वहादत मुस्लिमीन के प्रमुख राजा नसीर अब्बास और जमात ए इस्लामी के नेता लिकायत बलूच भी शामिल हुए।

यह आंदोलन करने का उद्देश्य

पीटीआई महासचिव उमर अयूब खान ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि आंदोलन करने का उद्देश्य देश में कानून का शासन बहाल करना है और इसे शनिवार से बलूचिस्तान के पिशिन इलाके से एक सार्वजनिक रैली के साथ शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, सभी क्षेत्रों में बिगड़ते हालात के मद्देनजर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी इच्छा से विपक्षी गठबंधन में शामिल हुए हैं।

उमर ने कहा कि आंदोलन आठ फरवरी के चुनाव में कथित धांधली और जनादेश से छेड़छाड़ कर सरकार बनाने के खिलाफ शुरू किया जा रहा है। बता दें, महागठबंधन चुनावी नतीजों को मानने से इनकार कर चुके हैं। अचकजई ने कहा कि गठबंधन सेना के खिलाफ नहीं है, लेकिन वे संविधान में दी गई उसकी राजनीतिक भूमिका के खिलाफ हैं।

शनिवार से जनसभाएं शुरू

अचकजई ने कहा, संविधान एक सामाजिक अनुबंध है और हम इसके बचाव के लिए शनिवार से जनसभाएं शुरू करेंगे। उन्होंने किसी भी नागरिक और सैन्य अधिकारियों की सेवा में विस्तार करने का भी विरोध किया है।

नए विपक्षी गठबंधन से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार को तुरंत कोई खतरा नहीं हो सकता है। हालांकि, जब देश को कई आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए शांति की जरूरत है, उस समय इस गठबंधन का सड़कों पर उतरना सरकार को अस्थिर कर सकता है।

चैत्र नवरात्रि का छठा दिन माता कात्यायनी को है समर्पित

सिद्धि प्राप्त के लिए करें इस मंत्र का जाप

इस वर्ष 9 अप्रैल से शुरू हुए चैत्र नवरात्रि में 14 अप्रैल रविवार को माता के मां कात्यायनी रूप की पूजा होगी। ऋषि कात्यायन की पुत्री होने के कारण माता को कात्यायनी नाम मिला है। माता के रूप की पूजा अर्चना से विवाह संबंधी रुकावट दूर होने के साथ-साथ सिद्धि की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं माता के कात्यायनी स्वरूप, पूजा विधि और मंत्र।

मां कात्यायनी का स्वरूप

स्वर्ण आभा से दमकती कात्यायनी स्वरूप में माता चार भुजाधारी हैं। माता का यह रूप शस्त्र धारण करने वाला है। शेर पर सवार माता बाएं भुजाओं में कमल और खड्ग धारण करती हैं और दाएं भुजाएं स्वास्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा में हैं। माता ने इसी रूप में राक्षसराज महिषासुर का संहार किया था। दानवों, पापियों और असुरों का नाश करने के कारण माता को महिसासुरमर्दिनी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार, ऋषि कात्यायन की पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण माता को कात्यायनी का नाम मिला है।

मां कात्यायनी की पूजा विधि

चैत्र नवरात्रि के छठे दिन माता के कात्यायनी रूप की पूजा करने के लिए सुबह स्नान करने के बाद पीले वस्त्र धारण कर हाथों के लाल पुष्प लेकर माता का आह्वान करें। मंदिर या पूजा स्थल को गंगाजल से पवित्र कर पूजा विधि शुरू करें। माता को पुष्प, गंध, रोली अक्षत, कुमकुम अर्पित करें। माता के इस रूप को श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ानी चाहिए। इसके लिए लाल रंग की चुनरी, सिंदूर, बिंदी, लाल चूड़ियां माता को चढ़ाएं। आरती करें और देसी घी के दीपक जलाएं। पूजा के दौरान ऊं देवी कात्यायन्यै नम: का जाप करें।

विवाह के लिए माता की पूजा

माता के इस रूप की पूजा से विवाह में आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलती है। शीघ्र विवाह के योग बनते हैं। नवविवाहितों के जीवन में आ रही अड़चने दूर होती हैं।

त्रेता युग का साक्षी रह चुका बागपत का मंशा देवी मंदिर

उत्तर प्रदेश में बागपत के खेकड़ा क्षेत्र में बड़ागांव स्थित मां मंशा देवी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था व अटूट श्रद्धा का केंद्र है। यह मंदिर अपने आप में त्रेता युग की स्मृति संजोए हुए हैं।

यहां वर्ष में दो बार नवरात्रि के दिनों में मेला भी लगता है। मंदिर में दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और हरियाणा समेत कई प्रदेशों से भी श्रद्धालु लोग आते हैं और मां के आगे अपनी झोली फैलाते हैं। कहते हैं कि मां उनकी मनोकामना पूरी करती है।

प्राचीन मां मंशा देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष राजपाल त्यागी बताते है कि यह मंदिर त्रेता युग का गवाह रह चुका है। यहां विराजमान मां मंशा देवी की मूर्ति लंकाधिपति रावण हिमालय से लेकर आया था, मां के चमत्कार को रावण ने जाना तो उसने उसको लंका ले जाने के लिए घोर तप किया। मां ने रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर उसके साथ चलने के लिए हां कर दी। लेकिन कहा था, अगर तुमने रास्ते में मुझे कहीं रखा तो मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगी। रावण मां को लेकर लंका के लिए चल पड़ा। रास्ते में वह मां का तेज और भार सहन नहीं कर पाया और बड़ागांव में मूर्ति को पृथ्वी पर रख दिया। तब से मां बड़ागांव के मंदिर में विराजमान हैं।

कहते हैं रावण मां को यहां छोड़कर लंका लौट गया। तब से इस गांव का नाम रावण उर्फ बड़ागांव पड़ गया। हालांकि, उस मूर्ति के खंडित होने के बाद उसके स्थान पर अब करीब 250 साल पुरानी मूर्ति रखी हुई है। इतना ही नहीं भगवान विष्णु की खड़ी प्रतिमा भी इसी मंदिर में देखने को मिलती है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष राजपाल सिंह त्यागी, प्रवीण कुमार त्यागी आदि ग्रामीण बताते हैं कि मंदिर का जीर्णोद्धार बड़ागांव निवासी लक्ष्मणदास जैन सेठ ने कराया था। बताया जाता है किसी जुर्म में सेठ को अंग्रेजों ने तोप से उड़ाने की तैयारी की थी, मगर देवी का कोई बाल रूप उनके सामने आ जाता था। तीन बार प्रयास के बाद भी सेठ तोप से बच गए थे। उसी समय उनकी सजा माफ कर दी गई थी। इसके बाद उन्होंने यहां भव्य मंदिर बनवाया था। मंदिर में दशावतार के रूप में भगवान विष्णु, मंशा देवी, राम दरबार, शिव परिवार, हनुमान, भैरव, राधा-कृष्ण की मूर्तियां भी स्थापित हैं। नवरात्र के दिनों में यहां विशाल मेला लगता है। कस्बा खेकड़ा से मात्र पांच किमी दूर बड़ागांव के प्रवेश मार्ग पर ही स्थित मंदिर को देखकर हर किसी का मन भक्तिमय हो जाता है। मान्यता है कि जो श्रद्धालु यहां आकर सच्चे मन से मन्नत मांगता है। देवी मां उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण करती हैं।

चूड़धार मंदिर के चार माह बाद खुले कपाट, यात्रा प्रारंभ

हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर में 11 हजार 965 फीट की ऊंचाई पर स्थित चूड़धार मंदिर के कपाट शनिवार से भक्तों के लिए खुल गए हैं। इसके साथ ही सर्दियों में करीब चार महीने बंद रहने के बाद चूड़धार की यात्रा आज से प्रसाशनिक तौर एक बार फिर शुरू हो चुकी है।

आज वैशाखी की संक्रांति होने के चलते बड़ी संख्या में दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ पहुंचे है। बता दें कि हर साल देवता शिरगुल महाराज की तपोस्थली कही जाने वाली चूड़धार चोटी की यात्रा पर दिसंबर माह में आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लग जाता है। दिसंबर महीने में चूड़धार में अत्यधिक बर्फबारी के चलते जहां पारा माइनस से नीचे रहता है, वहीं चूड़धार के रास्तों पर यात्रा में अत्यधिक जोखिम रहता है। जिसके बाद अप्रैल माह में वैशाखी की संक्रांति पर मंदिर के कपाट विधिपूर्वक पूजा-पाठ के साथ खुल जाते हैं।

उधर, बेशक चूड़धार मंदिर के कपाट आज से खुल गए है, लेकिन अभी भी सभी रास्तों में भारी बर्फ जमी हुई है। इसलिए यात्रा जोखिमपूर्ण है। वहीं, प्रशासन ने अपील की है कि यात्री संभलकर यात्रा करें।

श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं थावे दुर्गा मंदिर में होती हैं पूरी

बिहार में गोपालगंज जिले के थावे दुर्गा मंदिर में सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती है। गोपालगंज के सुप्रसिद्ध थावे दुर्गा मंदिर दो तरफ से जंगलों से घिरा है और इस मंदिर का गर्भगृह काफी पुराना है। इस मंदिर में नेपाल, उत्तर प्रदेश, बिहार के कई जिले से श्रद्धालु पूजा-अर्चना एवं दर्शन करने आते हैं। वैसे यहां सालों भर भक्तों की कतार लगी रहती है, लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्र में पूजा करने का विशेष महत्व है। नवरात्रि के नौ दिनो में यहां विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्र में यहां खास मेला भी लगाया जाता है। इसके अलावा इस मंदिर में सोमवार और शुक्रवार को विशेष पूजा होती है।

सावन के महीने में भी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। इस मंदिर को लोग थावे वाली माता का मंदिर, सिंहासिनी भवानी के नाम से भी जानते हैं। यहां नवरात्र में पशुबलि देने की भी परम्परा है। लोग मां के दरबार में खाली हाथ आते हैं लेकिन मां के आशीर्वाद से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। थावे दुर्गा मंदिर को सिद्धपीठ माना जाता है।

थावे दुर्गा मंदिर की स्थापना की कहानी काफी रोचक है। चेरो वंश के राजा मनन सिंह खुद को मां दुर्गा का बड़ा भक्त मानते थे, तभी अचानक उस राजा के राज्य में अकाल पड़ गया। उसी दौरान थावे में माता रानी का एक भक्त रहषु था। रहषु के द्वारा पटेर को बाघ से दौनी करने पर चावल निकलने लगा। यही वजह थी कि वहां के लोगों को खाने के लिए अनाज मिलने लगा। यह बात राजा तक पहुंची लेकिन राजा को इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा था। राजा रहषु के विरोध में हो गया और उसे ढोंगी कहने लगा और उसने रहषु से कहा कि मां को यहां बुलाओ। इस पर रहषु ने राजा से कहा कि यदि मां यहां आईं तो राज्य को बर्बाद कर देंगी लेकिन राजा नहीं माना। रहषु भगत के आह्वान पर देवी मां कामाख्या से चलकर पटना और सारण के आमी होते हुए गोपालगंज के थावे पहुंची। राजा के सभी भवन गिर गए। इसके बाद राजा मर गया। एक अन्य मान्यता के अनुसार, हथुआ के राजा युवराज शाही बहादुर ने वर्ष 1714 में थावे दुर्गा मंदिर की स्थापना उस समय की जब वे चंपारण के जमींदार काबुल मोहम्मद बड़हरिया से दसवीं बार लड़ाई हारने के बाद फौज सहित हथुआ वापस लौट रहे थे। इसी दौरान थावे जंगल मे एक विशाल वृक्ष के नीचे पड़ाव डाल कर आराम करने के समय उन्हें अचानक स्वप्न में मां दुर्गा दिखीं। स्वप्न में आये तथ्यों के अनुरूप राजा ने काबुल मोहम्मद बड़हरिया पर आक्रमण कर विजय हासिल की और कल्याण पुर, हुसेपुर, सेल-री, भेलारी, तुरकहा और भुरकाहा को अपने राज के अधीन कर लिया। विजय हासिल करने के बाद उस वृक्ष के चार कदम उत्तर दिशा में राजा ने खुदाई कराई, जहां दस फुट नीचे वन दुर्गा की प्रतिमा मिली और वहीं मंदिर की स्थापना की गई।

रामनवमी पर भगवान रामलला का सूर्यतिलक, परीक्षण सफल

रामनवमी के दिन वैज्ञानिक दर्पण के जरिए सूर्य की किरण को भगवान रामलला के मस्तक पर पहुंचाएंगे। इस दौरान सूर्य की किरण लगभग 4 मिनट तक रामलला के ललाट की शोभा बढ़ाएगा। जिसका शुक्रवार को पूर्वाभ्यास हुआ और प्रयोग पूर्ण रूप से सफल रहा। वैज्ञानिकों ने सफल परीक्षण के बाद यह स्पष्ट कर दिया कि भगवान रामलला का तिलक सूर्यदेव इस बार ही रामनवमी के मौके पर करेंगे। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि मंदिर पूर्ण होने के बाद ही यह प्रयोग सफल हो सकेगा, लेकिन वैज्ञानिकों ने सूर्य की किरण को शुक्रवार को भगवान रामलला के मस्तक तक सफलतापूर्वक पहुंचाया।

श्रीराम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने जानकारी दी कि सूर्य के तिलक का सफल परीक्षण पूरा कर लिया गया है। वैज्ञानिकों ने जिस तरह से प्रयास किया है, वह बहुत सराहनीय और वह बहुत अद्भुत है, क्योंकि सूर्य की किरणें भगवान रामलला के ठीक ललाट पर पड़ी है। जैसे ही सूर्य की किरणें प्रभु राम के माथे पर पड़ी, वैसे ही पता चल रहा है कि भगवान सूर्य उदय कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इतना ही नहीं, त्रेता युग में भी जब प्रभु राम ने अवतार लिया था तो उस दौरान सूर्य देव एक महीने तक अयोध्या में रुके थे। त्रेता युग का वह दृश्य अब कलयुग में भी साकार हो रहा है। जब हम प्रभु राम का आरती उतार रहे थे और सूर्य देव उनके माथे पर राजतिलक कर रहे थे तो वह दृश्य बहुत अद्भुत दिख रहा था।

आज भी यहां अश्वत्थामा हर सुबह काली की करता है पूजा

इटावा में चंबल के बीहड़ों में स्थित महाभारत कालीन सभ्यता से जुडे मां काली के मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां महाभारत का अमर पात्र अश्वत्थामा अदृश्य रूप में सबसे पहले पूजा करते हैं।

कालीवाहन नामक यह मंदिर इटावा मुख्यालय से मात्र पांच किलोमीटर दूर यमुना नदी के किनारे स्थित है। नवरात्र पर इस मंदिर में दूरदराज से बड़ी तादाद में श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ति के इरादे से यहां आकर मां काली के चरणों में अपना शीश नवाते हैं।

कालीवाहन मंदिर के करीब 40 साल से अधिक समय तक मुख्य साधक रहे राधेश्याम द्विवेदी के बेटे विवेक द्विवेदी बताते है कि दूरदराज के क्षेत्रों में ख्यातिप्राप्त इस अति प्राचीन मंदिर का एक अलग महत्व है। नवरात्र के दिनों में तो इस मंदिर की महत्ता अपने आप में खास बन पड़ती है।

उन्होने बताया कि उनके पिता करीब 40 साल तक इस मंदिर के मुख्य साधक के रूप रहे है लेकिन आज तक इस बात का पता नहीं लग सका है कि रात के अंधेरे में जब मंदिर को धोकर साफ कर दिया जाता है, इसके बावजूद तड़के जब गर्भगृह खोला जाता है उस समय मंदिर के भीतर ताजे फूल मिलते है जो इस बात को साबित करता है कोई अदृश्य रूप में आकर पूजा करता है। अदृश्य रूप में पूजा करने वाले के बारे में ऐसा कहा जाता है कि महाभारत के अमर पात्र अश्वत्थामा सबसे पहले अदृश्य रूप में मंदिर में पूजा करने के लिए आते है।

मंदिर की महत्ता के बारे में चौधरी चरण सिंह पोस्ट डिग्री कालेज के प्राचार्य और नामी इतिहासकार डॉ. शैलेंद्र शर्मा का कहना है कि इतिहास में कोई भी घटना तब तक प्रामाणिक नहीं मानी जा सकती जब तक कि उसके पक्ष में पुरातात्विक, साहित्यिक, ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध न हो जाएं लेकिन जनश्रुतियों के अनुसार कतिपय बातें समाज में प्रचलित हो जातीं हैं। महाभारत ऐतिहासिक ग्रंथ है, उसके पात्र अश्वत्थामा का इटावा में काली मंदिर में आकर पूजा करने का कोई प्रत्यक्ष ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है लेकिन जनश्रुतियों के आधार पर ऐसा कहा जा रहा है कि महाभारत का अमर पात्र अश्वत्थामा अदृश्य रूप में काली वाहन मंदिर में सबसे पहले श्रद्धालु बनाकर के पूजा करने के लिए आता है। सालो से यह कथाएं और कहानी अश्वत्थामा को लेकर के चल रही है तो जाहिर है कि लोग उन पर यकीन भी कर रहे है।

पुलिस सेवा से मुक्त हो चुके पुलिस अधिकारी रामनाथ सिंह यादव बताते है कि उन्होंने अपने पुलिस सेवा काल के दौरान काली वाहन मंदिर से जुड़े हुए कई ऐसे संस्मरण भी सुने हैं जो चंबल के कुख्यात डाकुओं से कहीं ना कहीं ताल्लुक रखते हैं। गुपचुप तरीके से डाकू झंडे और घंटे चढ़कर के गए लेकिन जब उनके नाम तस्दीक हुए तब इस बात की पुष्टि हुई कि चंबल का यह कुख्यात डाकू अपने गैंग के साथ आकर के इस मंदिर में घंटे और झंडे चढ़कर के चला गया है। इस मंदिर से डाकुओ से इतना लगाव रहा है कि वो अपने गैंग के डाकुओ के साथ आकर पूजा अर्चना करने मे पुलिस की चौकसी के बावजूद कामयाब हुये लेकिन इस बात की पुष्टि तब हुई जब मंदिर मे डाकुओ के नाम के घंटे और झंडे चढे हुये देखे गये। काली वाहन मंदिर शक्ति मत में दुर्गा-पूजा के प्राचीनतम स्वरूप की अभिव्यक्ति है। इटावा के गजेटियर में इसे काली भवन का नाम दिया गया है। यमुना के तट के निकट स्थित यह मंदिर देवी भक्तों का प्रमुख केन्द्र है। इष्टम अर्थात शैव क्षेत्र होने के कारण इटावा में शिव मंदिरों के साथ दुर्गा के मंदिर भी बड़ी सख्या में हैं। महाकाली, महालक्ष्मी व महासरस्वती की प्रतिमायें है, इस मंदिर में स्थित मूर्ति शिल्प 10 वीं से बारहवीं शताब्दी के मध्य का है।

वर्तमान मंदिर का निर्माण बीसवीं शताब्दी की देन है। मंदिर में देवी की तीन मूर्तियाँ है- महाकाली, महालक्ष्मी तथा महासरस्वती । महाकाली का पूजन शक्ति धर्म के आरंभिक रूवरूप की देन है। मार्कण्डेय पुराण एवं अन्य पौराणिक कथानकों के अनुसार दुर्गा जी प्रारम्भ में काली थी। एक बार वे भगवान शिव के साथ आलिगंनबद्ध थीं, तो शिवजी ने परिहास करते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे श्वेत चंदन वृक्ष में काली नागिन लिपटी हुई हो। पार्वती जी को क्रोध आ गया और उन्होंने तपस्या के द्वारा गौर वर्ण प्राप्त किया। महाभारत में उल्लेख है कि दुर्गाजी ने जब महिषासुर तथा शुम्भ-निशुम्भ का वध कर दिया, तो उन्हें काली, कराली, काल्यानी आदि नामों से भी पुकारा जाने लगा। कालीवाहन मंदिर काफी पहले से सिनेमाई निर्देशको के आकर्षण का केंद्र बना रहा है। डाकुओ पर बनी कई फिल्मो की शूटिंग इस मंदिर परिसर मे हो चुकी है। सिनेमाई निर्माता निर्देशक ऐसा मान करके चलते हैं कि इस मंदिर में शूटिंग करने के बाद फिल्म को खासी लोकप्रियता हासिल हो सकती है और इसीलिए वह यहां आकर के फिल्म का कुछ ना कुछ हिस्सा जरूर शूट करते हैं।

श्रेयस तलपड़े की लव यू शंकर का ट्रेलर जारी चार भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

श्रेयस तलपड़े-तनीषा मुखर्जी की फिल्म लव यू शंकरळ 19 अप्रैल, 2024 को रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इस फिल्म को राजीव एस। रुइया ने निर्देशित है जबकि सुनीता देसाई ने इसे प्रोड्यूसर किया है। यह फिल्म एसडी वर्ल्ड फिल्म्स प्रोडक्शन और विसिकाफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले रिलीज हो। फिल्म रिलीज से पहले आज मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दर्शकों को एक्साइटेड कर दिया है।पवित्र शहर बनारस की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक आठ वर्षीय लड़के और भगवान शिव के बीच के बंधन के इर्द-गिर्द घूमती है। ट्रेलर की शुरुआत श्रेयस और छोटे लड़के के परिचय से होती है। जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है,तो आप देख सकते हैं कि उनकी और भगवान शंकर की दोस्ती कैसे बढ़ती गई। फिल्म का ट्रेलर काफी प्यारा लग रहा है।आने वाली फिल्म के लिए एक्टर श्रेयस तलपड़े काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर कहा, लव यू शंकर क़ा हिस्सा बनना अद्भुत था। यह एक ऐसी कहानी है जो आपको मुस्कुराएगी और जीवन के आश्चर्यों के बारे में सोचने पर मजबूर कर देगी। इस तरह की फिल्म वास्तव में दिलों को छू सकती है। फिल्म देखने वालों की संख्या इसे और भी खास बनाती है और मैं इस खूबसूरत फिल्म के साथ अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।वहीं एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी का कहना है कि मुझे इस विशेष फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा। यह एक खूबसूरत कहानी है जो आपके दिल को छू जाती है और आपको किसी बड़ी चीज़ पर विश्वास करने पर मजबूर कर देती है। हमारे प्यारे छोटे भगवान शिव निश्चित रूप से आपको मुस्कुरा देंगे।बता दें कि यह फिल्म 19 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी।

पूजा भट्ट के साथ 28 साल पहले शाहरुख खान ने यूं शूट किया था रोमंटिक सीन

दिल है कि वीडियो देखने से मानता नहीं

शाहरुख खान को यूं हीं नहीं रोमांस का किंग कहा जाता है। एक्टर का रोमांस देखकर हर कोई उन्हें देखते हुए खो जाता है। शाहरुख खान ने अपने फिल्मी करियर में कई रोमांटिक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने जिस भी एक्ट्रेस के साथ फिल्म में रोमांस किया है फैंस को हमेशा वो पसंद आया है। शाहरुख खान ने पूजा भट्ट के साथ फिल्म चाहत में काम किया था। ये फिल्म हिट साबित हुई थी। फिल्म में शाहरुख और पूजा की केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया था। इस फिल्म का एक गाना फैंस को बहुत पसंद आया था। इस गाने के शूट का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

गाने की शूटिंग का वीडियो हुआ वायरल

चाहत फिल्म साल 1996 में आई थीं। फिल्म में शाहरुख खान के साथ पूजा भट्ट, राम्या कृष्णन, नसीरुद्दीन शाह अहम किरदार निभाते नजर आए थे। इस फिल्म को महेश भट्ट ने डायरेक्ट किया था। चाहत हिट साबित हुई थी और शाहरुख-पूजा की जोड़ी भी।

शूटिंग में शाहरुख खान पूजा भट्ट के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने उनका दुपट्टा पकड़ा हुआ है। जिसके बाद वो उनके पास जाकर उन्हें एक फूल देते हैं और वो फूल लेकर पूजा वहां से भाग जाती हैं। वीडियो में पूजा येलो कलर के सूट में बहुत प्यारी लग रही हैं। वहीं शाहरुख के लुक की बात करें तो उन्होंने व्हाइट कुर्ता-पजामा के साथ जैकेट पहनी हुई है। जिसमें वो काफी क्यूट लग रहे हैं।

मनीषा रानी को नहीं मिली झलक दिखला जा 11 की प्राइज मनी !

चाय की दुकान खोलने का है प्लान!

इंडियन रियलिटी शोज की पॉपुलर सेलिब्रिटी मनीषा रानी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। मनीषा रानी ने अपनी अदाओं से फैंस को दीवाना बनाया हुआ है। मनीषा रानी पहले 'बिग बॉस ओटीटी 2' में नजर आई थीं। इसके बाद मनीषा रानी ने डासिंग रियलिटी शो 'झलक दिखाला जा 11' में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री ली और शो की ट्रॉफी अपने नाम की। हालांकि, मनीषा रानी ने हाल ही में एक व्लॉग शेयर कर चौंकाने वाला खुलासा किया है। दरअसल, मनीषा रानी का कहना है कि उन्हें शो 'झलक दिखाला जा 11' की प्राइज मनी नहीं मिली है। आइए जानते हैं कि आखिर पूरा माजरा क्या है।

मनीषा रानी का व्लॉग हो रहा वायरल

मनीषा रानी ने अपने व्लॉग से फैंस को अपने से जुड़ी जानकारी देती रहती हैं। अब मनीषा रानी ने एक व्लॉग शेयर किया है जिसमें वह अपने दोस्त महेश केशवाला से बात कर रही है। महेश केशवाला को ठगेश के नाम से भी जाना जाता है। मनीषा रानी और महेश केशवाला मजाकिया लहजे में एक चाय की दुकान खोलने की बात कर रहे हैं। मनीषा रानी कहती हैं, 'चाय की ठगेश चलाएगा।' महेश केशवाल कहते हैं, 'मनीषा रानी ने 'झलक दिखाला जा 11' जीता है तो इसे उन्हें ही खोलना चाहिए।' इस पर मनीषा रानी कहती, 'उन्हें 'झलक दिखाला जा 11' की विनिंग प्राइज मनी नहीं मिली है।' उन्होंने आगे कहा, 'वो लोग आधा काट लेंगे।'

मनीषा रानी ने जीती थी 30 लाख रुपये की प्राइज मनी

गौरतलब है कि शो 'झलक दिखला जा 11' का फिनाले मार्च में हुआ था। शो के फिनाले में पांच फाइनलिस्ट में मनीषा रानी, शोएब इब्राहिम, अद्रिजा सिन्हा, श्रीराम चंद्रा और धनश्री वर्मा ने जगह बनाई थी। मनीषा रानी ने शोएब इब्राहिम और अद्रिजा सिन्हा को हराकर ट्रॉफी अपने नाम किया है और उन्हें 30 लाख रुपये की प्राइज मनी मिली थी। बताते चलें कि मनीषा रानी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं और आए दिन अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं।

केट शर्मा का कर्वी फिगर देख लट्टू हुए फैंस

एक्ट्रेस केट शर्मा का बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर है। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली केट शर्मा ने एक बार फिर अपनी दिलकश अदाओं से फैंस को दीवाना बनाया हुआ है। केट शर्मा ने लेटेस्ट तस्वीरों अपने कर्वी फिगर से फैंस का ध्यान खींचा है। केट शर्मा की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है जिन पर फैंस प्यार लुटा रहे हैं। इसके साथ ही फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की फोटोज पर प्यारे कमेंट भी कर रहे हैं।केट शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में केट शर्मा बोल्ड अंदाज दिखाते हुए नजर आ रही हैं। केट शर्मा ने क्रॉप-टॉप के साथ शॉर्ट्स पहना हुआ है। केट शर्मा कैमरे की तरफ देखकर कातिलाना पोज दे रही हैं।केट शर्मा ने लेटेस्ट फोटोज में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। केट शर्मा का ये अंदाज फैंस को पसंद आ रहा है।

केट शर्मा की नई तस्वीरों को फैंस पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही फैंस केट शर्मा को लेकर प्यार कमेंट कर रहे हैं।केट शर्मा की सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। केट शर्मा की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।केट शर्मा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान हाथों में फूलों का गुच्छा पकड़ा हुआ है। इससे केट शर्मा का फोटोशूट और भी ज्यादा खूबसूरत हो गया।

पौराणिक शो की भव्यता मुझे आकर्षित करती है : शिव्या पठानिया

शो लक्ष्मी नारायण में मुख्य भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस शिव्या पठानिया ने शो में अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें पौराणिक शो की भव्यता और धार्मिकता आकर्षित करती है।शिव्या इससे पहले राम सिया के लव कुश में सीता और बाल शिव-महादेव की अनदेखी गाथा में देवी पार्वती का किरदार निभा चुकी हैं। आने वाले शो लक्ष्मी नारायण में वह लक्ष्मी का किरदार निभाएंगी।पौराणिक भूमिकाओं में उन्हें क्या आकर्षित करता है, इस बारे शिव्या ने बताया, भव्यता और धार्मिकता के साथ शो अपने दर्शकों को जो नैतिक मूल्य प्रदान करते हैं, वह मुझे सबसे अधिक आकर्षित करते है।दोनों भूमिकाओं में भिन्नता के बारे में बात करते हुए, शिव्या ने कहा, विक्रम बेताल एक नैतिक कहानी थी, इसलिए यह एक संपूर्ण शो नहीं था, कि कैसे लक्ष्मी नारायण अस्तित्व में आए और उन्होंने देवताओं के रूप में अपनी भूमिका निभाई और यह उनकी अनकही प्रेम कहानी के बारे में नहीं था।उन्होंने कहा, स्वास्तिक प्रोडक्शंस का शो लक्ष्मी नारायण उनके अस्तित्व से लेकर अनकही प्रेम कहानी तक की यात्रा के मामले में बेहद अलग है जिसे अभी तक खोजा नहीं गया है। इसके अलावा शो में हमारे पास सिद्धार्थ कुमार तिवारी भी है। स्वास्तिक प्रोडक्शंस के साथ काम करना अपने आप में एक आशीर्वाद है।शिव्या देवी लक्ष्मी के दर्शन और कहानी से मोहित हो गई।दिल ढूंढता है की एक्ट्रेस ने कहा, मैंने देवताओं के बारे में जो कुछ भी जाना है, यह उससे बहुत अलग था। इसलिए, इसी ने मुझे शो की ओर आकर्षित किया।तैयारियों के बारे में बात करते हुए शिव्या ने कहा, सच कहूं तो सब कुछ बहुत तेजी से हुआ। लेकिन किरदार के बारे में मेरी कोई पूर्व धारणा नहीं है। मैं इसे उस कहानी और ग्रंथों के साथ जी रही हूं।यह शो जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी-पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज अपने जीवनसाथी का व्यहवार उतना अच्छा नहीं होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप-रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि ग़ुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है । लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिलाएँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने के मुश्किल आएगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहे। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस-पास सैर-सपाटे की योजना बनाएँ। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है- इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल-पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 14 अप्रैल 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 11:46 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 01:35 तक
योग : अतिगंड रात्रि 11:32 तक
करण : तैतिल प्रातः 11:46 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नवरात्रि कात्यायनी पूजन , डॉ. अम्बेडकर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अनिल विज की सुरक्षा में तैनात कर्मी पर जानलेवा हमला

बीचबचाव करने आए सरपंच के पिता व भाई भी चोटिल

फतेहाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के गांव कुदनी के पास शुक्रवार रात को पूर्व गृहमंत्री अनिल विज की सुरक्षा में तैनात हिम्मतपुरा ढाणी निवासी एएसआई अमनप्रीत सिंह पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अमनप्रीत सिंह के अलावा गांव कूदनी के सरपंच प्रतिनिधि मदनलाल व उसके भाई को भी चोटें आई हैं। हमलावरों ने दो फायर भी किए। हालांकि, घायलों के फिट नहीं होने के कारण पुलिस बयान दर्ज नहीं कर पाई है। मामले की सूचना मिलने के बाद पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने भी फोन करके एएसआई अमनप्रीत सिंह के परिजनों से जानकारी ली। उन्होंने घटनाक्रम की गंभीरता से जांच करवाने का भरोसा दिलाया।

प्रत्यक्षदर्शी हंसराज नंबरदार के अनुसार शुक्रवार रात करीब 10 बजे वह टोहाना की तरफ से गांव कुदनी आ रहा था। इसी दौरान रहनवाली रोड पर उसने दो गाड़ियां तीव्र गति से कूदनी की ओर जाती देखी। जब वह थोड़ी देर बाद आगे पहुंचा तो दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। एक गाड़ी नहर की तरफ जबकि दूसरी गेहूं के खेत में गिरी पड़ी थी। उसने सोचा दोनों गाड़ियों का एक्सीडेंट हो गया है। इसके चलते उसने गांव के सरपंच प्रतिनिधि व अन्य लोगों को बुला लिया ताकि घायलों की मदद की जा सके। मगर कार के समीप खड़े 5-6 लोग झगड़ा कर रहे थे। इन्होंने सरपंच प्रतिनिधि मदन लाल व उसके बेटे संजय के नजदीक आने पर लाठी डंडे से वार करना शुरू कर दिया। इसी बीच हमलावरों में से एक ने रिवाल्वर से दो फायर किए, जिसके कारण सब लोग इधर-उधर भाग गए। एएसआई अमनप्रीत सिंह की माता ने बताया कि उसका बेटा रात को घर लौट रहा था। किसी ने उसकी गाड़ी का पीछा किया और उस पर जानलेवा हमला कर दिया। उसके बेटे को सरपंच संदीप के पिता मदनलाल और भाई संजय ने बचाया। उसके बेटे को बचाते हुए सरपंच प्रतिनिधि मदनलाल व उनका बेटा घायल हो गए। दोनों पिता-पुत्र को हिसार के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। अमनप्रीत सिंह का एक भाई विदेश में रहता है।

जांच अधिकारी के अनुसार हमले में एएसआई अमनप्रीत सिंह के अलावा गांव कूदनी के सरपंच प्रतिनिधि मदन लाल व उसका पुत्र संजय घायल हुए हैं। उन्हें डॉक्टर ने अभी फिट घोषित नहीं किया है। फिट होने के बाद पुलिस बयान लेकर केस दर्ज करेगी।

भरतपुर रेंज में 741 वांछित अपराधी गिरफ्तार

भरतपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर पुलिस रेंज के छह जिलो में गत 36 घंटे की कार्यवाही के बाद पुलिस द्वारा 741 वांछित अपराधी एवं असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार करने के साथ 746 अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है।

रेंज महानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने बताया कि भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी एवं डीग जिले में आगामी लोकसभा चुनाव को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं भय रहित सुनिश्चित करने के लिये ऑपरेशन निर्भय में भाग लेते हुये मुकामी थानों, पुलिस कार्यालयों, पुलिस लाइन, क्यूआरटी और आरएसी के 1200 पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की 281 से अधिक टीमों ने 1079 स्थानों पर दबिश देकर कार्यवाही को अंजाम दिया।

उन्होंने बताया कि 638 ऐसे व्यक्ति जो चुनाव को प्रभावित कर सकते थे, के साथ 2 हार्डकोर, 62 हिस्ट्रीशीटर एवं 44 आदतन अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार आरोपियों में जघन्य अपराधों में 19 वांछित, 15 ईनामी, 19 आदतन वांछित, 8 वांछित हिस्ट्रीशीटर शामिल है। पुलिस ने इस अभियान में अवैध शराब, मादक पदार्थ और हथियार के धंधे में लिप्त आरोपियों को भी गिरफ्तार कर हथियार, शराब और मादक पदार्थ जब्त किये हैं।

मोदी के जन्मदिन पर 111 कन्याओं की होंगी शादियां: गणेशीलाल

सिरसा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने कहा है कि हारे का सहारा ट्रस्ट की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में देश के प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर 111 कन्याओं की सामुहिक शादियां करवाई जाएंगी। प्रो. गणेशीलाल ने कहा कि इसके अलावा गरीब कन्याओं के लिए शिक्षा व महिलाओं के लिए सिलाई मशीनों की भी व्यवस्था की जा रही है। उनके हिसार रोड स्थित आवास रॉयल हवेली में बैसाखी के पावन अवसर पर आयोजित मिलन समारोह में उपस्थित जनसमूह से यह बात कही। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया।

प्रो. गणेशीलाल ने बताया कि इन शादियों के लिए कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति आवेदन कर सकता है। इस मौके पर समाज-सेवी मनीष सिंगला ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा गरीब कन्याओं की शादियां, जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें, ट्राईसाइकिल सहित कृत्रिम अंगों का भी वितरण किया जा रहा है, ताकि किसी असहाय व्यक्ति की जितनी हो सके मदद की जा सके। भारतीय जनता पार्टी नेता एवं प्रत्याशी अशोक तंवर ने भी कार्यक्रम में शिरकत करते हुए संस्था के कार्यो की सराहना की।

इस अवसर पर गुरजाप सिंह को पावर लिफ्टिंग में चार बार गोल्ड मेडलिस्ट रहने पर प्रो. गणेशीलाल ने सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। प्रो. गणेशीलाल ने कहा कि गुरजाप सिंह ने सिरसा ही नहीं, प्रदेश व देश का नेतृत्व किया है। उन्होंने गुरजाप को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग, बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, सुरेंद्र आर्य, पूर्व विधायक मक्खन लाल सिंगला, जसविंद्र पाल पिंकी, गौरव जिंदल, हरपिंद्र शर्मा, राजिंद्र रेनु, जेपी गुप्ता, हर्ष खुराना, सांवर मल गुज्जर, योगेश गर्ग, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष भावना शर्मा, हनुमान कुंडू, मुकेश लाखलान, रोहताश जांगड़ा, सतपाल मेहता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिजली गिरने से ईंट-भट्ठा मजदूर की मौत

श्रीगंगानगर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अनूपगढ़ जिले में रावला थाना क्षेत्र के चक 9-पीएसडी में शनिवार को बिजली गिरने से एक ईंट भट्ठा मजदूर की मौत हो गयी और एक मजदूर बाल-बाल बच गया। इस गांव में पूर्वाह्न लगभग 10 बजे दो बार बिजली गिरी। पहले ईंट भट्टे पर और दूसरी बार कुछ ही दूरी पर खेजड़ी के एक पेड़ पर बिजली गिरी। खेजड़ी का पेड़ जल गया। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बलवंतराम तथा तहसीलदार सपना सोनी मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद विधायक शिमला देवी नायक एडवोकेट भी घटनास्थल पर पहुंच गयीं।

पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान सोनू उर्फ सुनील नायक (19) निवासी चेक 9- पीएसडी के रूप में हुई है। वह और चार-पांच अन्य मजदूर पूर्वाह्न लगभग 10 बजे चक 9- पीएसडी में एक ईंट भट्टे पर चिमनी के पास काम कर रहे थे, तभी बिजली गिरी, जिससे सोनू बेहोश होकर गिर गया। उसको अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बदमाशों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला दो नाबालिग सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

झज्जर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के किलडोद गांव की बणी में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में बैठे चार युवकों को पकड़ने गई पुलिस पार्टी पर आरोपियों ने फायर कर दिया। इसमें पुलिस कर्मी बार-बाल बच गए। किसी तरह पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया। पकडे.गए चार आरोपियों में से दो नाबालिग हैं। पकड़े गए आरोपियों से मोटरसाइकिल व स्कूटी, दो अवैध हथियार, तीन जिंदा कारतूस व एक खाली खोल बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अदालत झज्जर में पेश किया गया। अदालत के आदेश अनुसार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जबकि दोनों नाबालिग आरोपियों को अदालत के आदेश अनुसार सुधार गृह फरीदाबाद भेजा गया।

सीआईए झज्जर प्रभारी निरीक्षक सोमबीर ने बताया कि सीआईए झज्जर की पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि चार नौजवान लड़के हथियार सहित किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। जो गांव किलडोद की बणी (जंगली एरिया) में बैठे हैं। सूचना के आधार पर सीआईए झज्जर में तैनात सहायक उप निरीक्षक मुकेश कुमार की पुलिस टीम किलडोद गांव की बनी में पहुंची तो रोड से काफी अंदर की तरफ एक मोटरसाइकिल व स्कूटी दिखाई दी।

पुलिस टीम ने आगे बढ़कर देखा तो चार नौजवान लड़के बैठे दिखाई दिए। सभी नौजवान लड़के पुलिस पार्टी को अपनी तरफ आता देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने चारों नौजवान लड़कों को रुकने के लिए कहा तो उनमें से भागते हुए एक नौजवान लड़के ने अपने हाथ में लिए हुए पिस्टल से पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। इससे पुलिस पार्टी बाल-बाल बच गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों लड़कों को काबू कर लिया। पकड़े गए चारों आरोपियों के खिलाफ थाना सदर झज्जर में आपराधिक मामला दर्ज किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजय उर्फ भूरु निवासी जैतपुर व केशव निवासी सिलानी गेट झज्जर के तौर पर की गई। पकड़े गए आरोपियों से मोटरसाइकिल व स्कूटी दो अवैध हथियार, तीन जिंदा कारतूस व एक खाली खोल बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अदालत झज्जर में पेश किया गया। अदालत के आदेश अनुसार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उपरोक्त मामले में काबू किए गए दोनों नाबालिग आरोपियों को अदालत के आदेश अनुसार सुधार गृह फरीदाबाद भेजा गया।

विदेशियों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

भिवानी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर क्राइम भिवानी थाना की टीम ने वेबसाइट पर फर्जी आईडी बनाकर विदेशी लोगों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को साइबर क्राइम थाना की टीम ने न्यायालय से दो दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी वहीं आरोपियों से तीन मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। आरोपी ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस देने के नाम पर विदेशी नागरिकों से धोखाधड़ी करते थे।

पुलिस अधीक्षक भिवानी वरुण सिंगला द्वारा थाना साइबर क्राइम पुलिस को जिले में आम जनता को ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की सख्त हिदायतें दी हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए थाना साइबर क्राइम पुलिस ने फर्जी आईडी बनाकर ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस देने के नाम पर यूनाइटेड किंगडम के लोगों से धोखाधड़ी कर रुपए ऐंठने के मामले में एक गिरोह का पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना साइबर क्राइम पुलिस भिवानी के उप निरीक्षक विकास कुमार को सूचना प्राप्त हुई कि भिवानी निवासी कुछ व्यक्ति वेबसाइट पर एस्कॉर्ट सर्विस के नाम से फर्जी आईडी बनाकर ऐड लगाकर यूनाइटेड किंगडम के नागरिकों को धोखाधड़ी कर रुपए ऐंठने का काम कर रहे हैं। निरीक्षक विकास कुमार ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए गांव बिधवान से दो व्यक्तियों को उनके मोबाइल फोन से यूनाइटेड किंगडम के लोगों को एस्कॉर्ट सर्विस देने के नाम पर धोखाधड़ी कर रुपए ऐंठने के मामले में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान चांदवीर निवासी बिधवान व मुकेश निवासी बिधवान जिला भिवानी के रूप में हुई है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया। रिमांड अवधि में पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि आरोपियों द्वारा वेबसाइट पर एस्कॉर्ट सर्विस की फर्जी ऐड लगाते हैं तथा यूनाइटेड किंगडम के नागरिकों को एस्कॉर्ट सर्विस देने के नाम पर वर्चुअल व्हाट्सएप अकाउंट पर कॉल करके उन्हें गुमराह करते हैं और एस्कॉर्ट सर्विस देने के नाम पर नागरिकों से 50 पाउंड से लेकर 500 पाउंड तक की रुपयों की धोखाधड़ी करते हैं। इस दौरान आरोपियों से धोखाधड़ी के लिए प्रयोग किए गए तीन मोबाइल फोन को बरामद किए हैं। पुलिस ने पूछताछ के बाद इन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें कारागार भेजने के आदेश हुए हैं7 इस मामले में अन्य आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

राजस्थानी वेशभूषा प्रतियोगिता में न्यूजीलैंड के दंपति रहे प्रथम स्थान पर

उदयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में चल रहे मेवाड महोत्सव में आयोजित विदेशी युगल की राजस्थानी वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर न्यूजीलैंड के जोनाथन स्पर्क एवं उनकी पत्नी यास्मीन क्लार्क रहे है। मेवाड महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को गणगौर घाट पर आयोजित राजस्थानी वेशभूषा प्रतियोगिता में जिम्बाब्वे के बेन काइज एवं उनकी माँ जेनिफर द्वितीय तथा ग्रीस की मिस सोना तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में सैन फ्रैंसिस्को के पाको और उनकी पत्नी रोजा को, नीदरलैंड के विलियम बे और उनकी पत्नी मेफिकी, इटली के सरिगो और उनकी पत्नी जैकलीन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेताओं को होटल व्यवसाय से जुड़े संस्थानों द्वारा प्रायोजित पुरस्कार प्रदान किये गए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मतदान केंद्र कर्मचारियों के यादृच्छिकीकरण के दूसरे चरण का संचालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला निर्वाचन अधिकारी और बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने सामान्य पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में मल्लेश्वरम आईपीपी केंद्र में शनिवार को लोकसभा चुनाव के संबंध में मतदान केंद्र कर्मचारियों के यादृच्छिकीकरण के दूसरे चरण का संचालन किया। बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु नॉर्थ और बेंगलूरु साउथ समेत तीन लोकसभा क्षेत्र जिला चुनाव अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आएंगे। इस संबंध में, तीन लोकसभा क्षेत्रों में 24 विधानसभा क्षेत्र, चिक्कबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र में 1 विधानसभा क्षेत्र और बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में 3 लोकसभा क्षेत्र आएंगे। इसके मुताबिक 28 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 43123 मतदान अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए हैं। लोकसभा चुनाव के लिए नियुक्त मतदान अधिकारियों को द्वितीय स्तर का प्रशिक्षण 17 अगस्त को सुबह 9.30 बजे से संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित स्थानों पर देने का निर्णय लिया गया है। रैंडमाइजेशन का अंतिम चरण 24 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा मतदान के दिन कार्य करने के लिए माइक्रो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण पर भी सामान्य पर्यवेक्षकों के साथ चर्चा की गई। इस दौरान बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक मकरंद पांडुरंग, बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक गायत्री राठौड़, बेंगलूरु मध्य लोकसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक वाणी मोहन, एमसीसी नोडल अधिकारी मुनीश मौदगिल, एमसीसी नोडल अधिकारी सेल्वामणि, विशेष निर्वाचन मंडल के आयुक्त, निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश कुमार, केए दयानंद, विनोद प्रिया, सहायक आयुक्त रवि चंद्र नायक, जिला स्तरीय मानव संसाधन नोडल पदाधिकारी डीआर अशोक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नामांकन पत्र वापस लेने का सवाल ही नहीं: ईश्वरप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के बागी नेता और कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा ने शनिवार को उन खबरों को खारिज कर दिया कि वह लोकसभा चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे। ईश्वरप्पा ने शुक्रवार को शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वह भाजपा के मौजूदा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बड़े बेटे बीवाई राघवेंद्र और कांग्रेस उम्मीदवार गीता शिवराजकुमार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। विद्रोही नेता ने कहा कि उनका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि मैं अपना नामांकन पत्र वापस ले लूंगा। जो लोग मेरे पीछे रैली करते हैं, मैं कहना चाहूंगा कि मैं कभी विश्वासघात नहीं करूंगा और मैदान में रहूंगा। ईश्वरप्पा ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को दिखा दिया कि युवा शक्ति, महिला शक्ति और किसान शक्ति उनके साथ हैं। पूर्व डिप्टी सीएम, जिन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था, ने हा-वेरी लोकसभा क्षेत्र से अपने बेटे के ई कांतेश को टिकट देने से इनकार करने के बाद पार्टी के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। उन्होंने येदियुरप्पा और उनके बेटे राघवेंद्र और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और शिकारीपुरा विधायक बी वाई विजयेंद्र पर वंशवाद की राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। बीजेपी नेताओं ने उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। यह कहते हुए कि पीएम मोदी उनके दिल में रहते हैं, ईश्वरप्पा प्रचार के दौरान मोदी की तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहे हैं और भगवा दुपट्टा पहने हुए हैं।

लोकसभा चुनाव में व्यवस्था के लिए फोर्स लेने जा रही बसों की आपस में टक्कर, 3 लोग घायल, एक की हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में लोकसभा चुनाव को लेकर फोर्स लेने जा रही तीन बसों के अनियंत्रित होने के बाद आपस में भिड़ंत हो गई।

इस हादसे तीन लोग घायल हो गए। यह घटना जिले के बोचहा थाना क्षेत्र के सरफुद्दीनपुर एनएच 57 फोर लेन की बताई जा रही है।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में कराया, भर्ती जिनमें से एक की हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, तीन बसें चुनाव की व्यवस्था के लिए फोर्स को लाने जा रही थीं। इसी दौरान एक बस अनियंत्रित हो गई, जिसके बाद अन्य दो बसों की एक-एक करके आपस टक्कर हो गई। इस हादसे में बस में सवार तीन चालक चोटिल हो गए, जिनमें एक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। वहीं, एक बस क्षतिग्रस्त भी हुई है।

जानकारी मिलने पर मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवा दिया है। गंभीर रूप में घायल चालक की पहचान गया जिला निवासी राघवेंद्र शर्मा के रूप में की गई है। जबकि अन्य दोनों चालक की भोला और संजय के रूप में पहचान की गई है।

वहीं घटना के बाद पुलिस ने सड़क पर खड़ी हुई दुर्घटनाग्रस्त बसों को क्रेन की मदद से अलग करवाया। बताया जा रहा है कि सभी बसें गया से मधुबनी जिले में फोर्स लेने के लिए जा रही थीं। इसी दौरान में यह हादसा हो गया।

कांग्रेस संविधान परिवर्तन पर डर पैदा करती है क्योंकि उसके पास मोदी के खिलाफ कुछ भी नहीं: बोम्मई

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता संविधान बदलने का डर पैदा कर रहे हैं क्योंकि उनके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बात करने के लिए और कुछ नहीं है।

अपने लोकसभा अभियान के दौरान हावेरी में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का भाजपा के खिलाफ बयान और लोगों को संविधान बदलने की बात के लिए भाजपा को वोट न देने की सलाह पूरी तरह से निराधार है।

हमने यह कई बार कहा है। कोई भी संविधान को नहीं बदल सकता क्योंकि सब कुछ नियमों द्वारा शासित होता है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी संविधान बदलने से इनकार कर दिया है। लेकिन सिद्धरामैया लोगों में डर पैदा करने के लिए ऐसा कह रहे हैं। डॉ. बीआर अंबेडकर ने देश को स्थायी संविधान दिया था। कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी के इस बयान पर कि भारत माता की जय भाजपा का औचित्य नहीं है, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को यह नारा लगाने का अधिकार है और कांग्रेस नेताओं को भी यह नारा लगाने दें ताकि भारत माता को खुशी महसूस हो। उन्होंने कहा, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से यह नारा लगाने की अनुमति लेना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। सिद्धरामैया की भविष्यवाणी के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा 400 सीटें नहीं जीत पाएगी, बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल 230 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और वे अन्य दलों के बारे में बात करते हैं। बीजेपी 370 सीटों का आंकड़ा पार करेगी और बीजेपी सरकार दोबारा सत्ता में आएगी। शिरहट्टी फकीरेश्वर ट्रस्ट के श्री दिंगलेश्वर स्वामी के इस बयान पर कि वह उत्तर प्रदेश के दूसरे योगी आदित्यनाथ बनेंगे, बोम्मई ने कहा कि अगर लोग चाहेंगे तो ऐसा होगा। हालांकि, उन्होंने धारवाड़ में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के खिलाफ मैदान में उतरने के दिंगलेश्वर स्वामीजी के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

राजद का घोषणापत्र जारी, तेजस्वी बोले-

इंडी सरकार बनी तो अग्निवीर योजना खत्म करेंगे, 500 में देंगे सिलेंडर

पटना (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल का घोषणा पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने राजद कार्यालय में प्रेस वार्ता की और राजद के वरीय नेताओं के साथ घोषण पत्र जारी किया। तेजस्वी यादव ने देश की जनता के लिए 24 वचन दिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं लंबे समय से नौकरी, महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी के बारे में बोल रहा हूं। लेकिन, प्रधानमंत्री जनमुद्दों और काम की बात का नोटिस ही नहीं लेते। उन्हें तो बस अपने मन की बात सुनानी है। 10 वर्षों में उन्होंने बिहार को क्या दिया? अपने वादे पूरे क्यों नहीं किए? इन पर नहीं बोलते, वो मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इधर-उधर की बातें करते है। बिहार की जनता बहुत समझदार है।

तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पूरे देश में 30 लाख पद रिक्त पड़े हैं। उसको तो भरेंगे ही। लेकिन, 70 लाख पदों का सृजन करेंगे। आपलोग जानते हैं नौकरी, बेरोज-गारी सबसे बड़ा मुद्दा है। भाजपा के लोगों ने दो करोड़ नौकरी हर साल देने का वादा किया था। हमलोग सच्चे लोग हैं। जो कहते हैं, वह करते हैं। 15 अगस्त से नौकरी की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि आगामी रक्षा बंधन से देश के गरीब महिला को एक लाख सहायता देंगे। साथ ही 500 रुपया गैस सिलेंडर का दाम पूरे देश में कर दिया जाएगा।

तेजस्वी यादव ने अग्निवीर योजना को खत्म करने की बात कही। बिहार के लिए एलान करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिजली की दर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाएंगे। बिहार को एक लाख 60 हजार करोड़ का स्पेशल पैकेज बिहार को दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो पुरानी पेंशन योजना लागू करेंगे।

पीएम का समर्थन कर गिरिराज ने लालू परिवार को घेरा

मुगल मानसिकता के हैं ये लोग

बेगूसराय (एजेंसियां)। बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट के एनडीए उम्मीदवार सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जो कहा वह बिल्कुल ही सत्य कहा है। आज वही लोग सनातन के विरोध में दुष्प्रचार कर रहे हैं और लोगों को चिढ़ाने का काम कर रहे हैं, जो मुगल मानसिकता के लोग हैं।

दरअसल, पिछले दिनों तेजस्वी यादव द्वारा हेलिकॉप्टर में मछली खाने का वीडियो वायरल किया गया था। इसी बात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल पूर्व के एक और वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि यह लोग मुगल मानसिकता के लोग हैं। आज जब नवरात्र चल रहे हैं तो वह मछली खाने का प्रचार कर रहे हैं। वहीं, उनके पिताजी एक वर्ष पूर्व जब सावन का माह था तब वैसे लोगों के घर में जो आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और जमानत पर बाहर हैं, उनके घर में मटन बनाकर उसका सेवन कर रहे थे। साथ ही साथ वीडियो बनाकर वायरल कर रहे थे।

वहीं, उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे को लेकर कहा कि कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है और उसमें किसी को सम्मान नहीं दिया जाता। जब सीताराम येचुरी अध्यक्ष थे तो उनका कुर्ता फाड़कर उन्हें बाहर निकाला गया था। हालांकि मल्लिकार्जुन खरगे बुद्धिमान व्यक्ति हैं और यही वजह है कि ऐसी स्थिति नहीं आ रही है। लेकिन यह बात भी स्पष्ट है कि मल्लिकार्जुन खरगे को अब कांग्रेस में सम्मान नहीं दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि आज बीजेपी पर सनातन का समर्थन करने का आरोप लगाया जा रहा है। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि हम सनातनी हैं और सनातन का समर्थन करते रहेंगे। लेकिन वोट के लिए हम सनातनी राजनीति नहीं करते। भारत की जनता विकास चाहती है और विकासपुरुष के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देख रही है। उन्होंने कहा कि जहां तक बिहार की बात है तो बिहार में 40 की 40 सीट पर एनडीए की जीत होगी, क्योंकि एनडीए के खिलाफ जो लोग हैं, वह टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़े हुए हैं और ऐसे लोग एनडीए को परास्त नहीं कर सकते।

अब उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में बगावत, जदयू प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय उतरेंगे बैद्यनाथ

सुपौल (एजेंसियां)। सुपौल में लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए से बागी हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व आईआरएस वैद्यनाथ मेहता ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। सुपौल के सिमराही नगर पंचायत स्थित एक होटल में प्रेसवार्ता कर अपनी उम्मीदवारी का एलान किया है। इस दौरान उन्होंने एनडीए और इंडी गठबंधन पर जमकर हमला बोला। वैद्यनाथ मेहता ने कहा कि एनडीए और इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने उनके साथ बड़ी साजिश की है।

बैद्यनाथ मेहता ने आरोप लगाते हुए कहा कि सर्वे में सबसे आगे रहने के बाद भी मुझे टिकट नहीं दिया गया, इसलिए जनता और किसान की खुशहाली के लिए 19 अप्रैल को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में वह अपना नामांकन दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि वैद्यनाथ के साथ किसी भी दल की ताकत नहीं है। उनके साथ सुपौल की जनता की ताकत है। हम उनके दिल में बसते हैं और उनका प्यार और समर्थन हमें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले एक साल से सुपौल लोकसभा क्षेत्र में युवा-मजदूर और किसान की खुशहाली के लिए पलायन रोकने के मुद्दे पर संघर्ष किया है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव के पद पर कार्यरत थे। हमने सोचा था कि सीट बंटवारे में सुपौल लोकसभा क्षेत्र से मुझे टिकट मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एनडीए ने चुनाव को लेकर लोकसभा क्षेत्र में सर्वे करवाया था।

मंच पर ही रोने लगे राजद नेता, टिकट कटने से नाराज पूर्व सांसद ने लालू-तेजस्वी पर लगाए आरोप

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पहले ही कुछ विधायकों ने एनडीए का दामन थाम लिया था। अब लोकसभा टिकट करने पर कोई पार्टी छोड़ रहा तो कोई पार्टी के खिलाफ नाराजगी जता रहा। 24 घंटे के अंदर दो ऐसे खबर सामने आए जिसने लालू की पार्टी को बड़ा झटका दे दिया। पहले खबर यह है कि पूर्व राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक करीब ने राजद छोड़ दी। इतना ही नहीं उन्होंने राजद पर मुसलमानों के अधिकार को छीनने का भी आरोप लगा दिया। दूसरी खबर पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री दिवंगत तस्लीमुद्दीन के बड़े बेटे और राजद के पूर्व सांसद सरफराज आलम से जुड़ी है। उनका वीडियो खूब वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में पूर्व सांसद सरफराज आलम मंच पर रोते हुए दिख रहे हैं। वहीं उनके समर्थक आंसू पोंछते दिख रहे हैं। रोते-रोते सरफराज ने लालू और तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप भी लगा दिया। उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव पर पैसे लेकर टिकट बांटने का आरोप लगाया।

बता दें कि सरफराज आलम के छोटे भाई शाहनवाज आलम को राजद ने अररिया लोकसभा सीट से टिकट दिया है। सरफराज आलम अररिया लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे। इसको लेकर सरफराज आलम पिछले कई महीनों से तैयारी में जुटे थे। अचानक राजद ने उनके छोटे भाई को टिकट दे दिया। सरफराज आलम इससे काफी नाराज हो गए। मंच पर अपने पिता दिवंगत तस्लीमुद्दीन को याद कर रोने लगे। अब उनका यह वीडियो वायरल हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com